@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 10 अगस्त 2024

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 275 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

अक्तूबर से पहले हो सकती है जम्मू-कश्मीर के पूर्ण राज्य के दर्जे की घोषणा: मंत्री अठावले

श्रीनगर, 9 अगस्त। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि केंद्र इस साल अक्तूबर से पहले जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने की घोषणा कर सकता है। अठावले ने कहा कि अक्तूबर से पहले महाराष्ट्र, झारखंड और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव होने हैं।

ऐसे में लगता है कि जम्मू-कश्मीर राज्य का दर्जा बहाल किया जा सकता है और अक्तूबर में विधानसभा चुनाव भी हो सकते हैं। केंद्रीय मंत्री ने दोहराया कि गृहमंत्री ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के समय घोषणा की थी कि केंद्रीय मंत्री को पुष्प गुच्छ भेंट करते एलजी। स्रोत सूचना विभाग विधानसभा चुनाव और राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। श्रीनगर में उप राज्यपाल मनोज सिन्हा के साथ अपनी आधे घंटे की मुलाकात पर अठावले ने कहा कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद से पर्यटन फला-फूला है। विदेशियों सहित 2.11 करोड़ से अधिक पर्यटक यहां आए हैं। लोग अब कश्मीर आने से डरते नहीं हैं। एलजी ने मुझे बताया कि अब कुछ अप्रिय घटनाओं के बीच शांति कायम है। अठावले ने कहा कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद से पर्यटन फला-फूला है। विदेशियों सहित 2.11 करोड़ से अधिक पर्यटक यहां आए हैं। लोग अब कश्मीर आने से डरते नहीं हैं। एलजी ने मुझे बताया कि अब कुछ अप्रिय घटनाओं के बीच शांति कायम है। मंत्री ने कहा कि उनकी पार्टी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में कम से कम 10-15 उम्मीदवार उतारेगी। पाकिस्तान की शह पर पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) से यहां आतंकवादी घुसपैठ करते हैं।

तिहाड़ से बाहर आए सिसोदिया

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्लीदिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को शुक्रवार को बड़ी राहत मिली। सुप्रीम कोर्ट से उन्हें राहत मिल गई। सिसोदिया शाम 6.50 बजे 17 महीने बाद तिहाड़ जेल से बाहर आ गए। इस दौरान तिहाड़ के बाद आप कार्यकर्ता और पार्टी सांसद और मंत्री आतिशी उन्हें लेने पहुंचीं। 17 महीने से तिहाड़ जेल में बंद मनीष सिसोदिया शाम करीब 6.50 बजे बाहर आए। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को जमानत मिलने के बाद आम आदमी पार्टी ने केंद्र सरकार और ईडी-सीबीआई पर हमला बोला है। आप नेताओं ने आरोप लगाया कि जांच एजेंसी बेनकाब हो गई हैं। 17 महीने से एक ऐसे व्यक्ति को जेल में रखा, जिसने शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा दी। नेताओं ने कहा कि वह पहले दिन से कह रहे थे कि कोर्ट में यह केस एक दिन भी नहीं टिकेगा। राउज एवेन्यू कोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की रिहाई का आदेश जारी किया है। जिन्हें केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज आबकारी नीति घोटाले से मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने दिन में जमानत दे दी थी। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने सिसोदिया का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ताओं द्वारा प्रस्तुत जमानत बांड और जमानत बांड स्वीकार किए। सिसोदिया को 26 फरवरी 2023 को अब समाप्त हो चुकी दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति 2021-22 के निर्माण और कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं को लेकर गिरफ्तार किया गया था। ईडी ने उन्हें नौ मार्च 2023 को सीबीआई की एफआईआर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। उन्होंने 28 फरवरी 2023

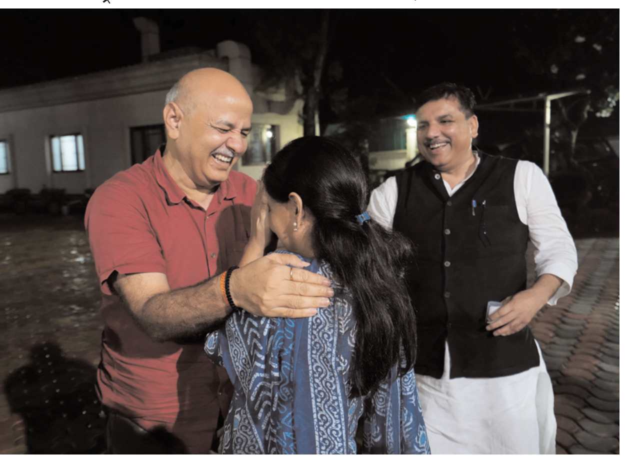

को दिल्ली कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। आप नेता संदीप पाठक ने कहा कि मनीष सिसोदिया को जमानत मिलने से मोदी सरकार की तानाशाही की एक्सपायरी डेट की शुरुआत हो चुकी है। जेल से बाहर आकर मनीष सिसोदिया स्वतंत्र रूप से अपना काम कर सकेंगे, सुप्रीम कोर्ट ने नहीं लगाई कोई रोक। मनीष सिसोदिया के बाद जल्द ही अरविंद केजरीवाल भी जेल से बाहर आएंगे। मनीष सिसोदिया शनिवार सुबह नौ बजे राजघाट जाएंगे, उसके बाद वह 10 बजे मंदिर जाएंगे। इसके बाद 11 बजे पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को शुक्रवार को बड़ी राहत मिली। सुप्रीम कोर्ट से उन्हें राहत मिल गई। सिसोदिया शाम 6.50 बजे 17 महीने बाद तिहाड़ जेल से बाहर आ गए। इस दौरान तिहाड़ के बाद आप कार्यकर्ता और पार्टी सांसद और मंत्री आतिशी उन्हें लेने पहुंचीं। संजय सिंह ने कहा कि ये आम आदमी पार्टी और दिल्ली के लोगों के लिए बहुत बड़ी राहत है। अरविंद केजरीवाल और सत्येंद्र जैन के लिए न्याय का रास्ता जल्द ही खुलेगा। जो 17 महीने मनीष सिसोदिया के बर्बाद हुए उसका हिसाब क्या देश के प्रधानमंत्री देंगे? कथित शराब घोटाले में गिरफ्तार दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। दो जजों की पीठ आज दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम की जमानत याचिका पर फैसला सुनाया। सर्वोच्च न्यायालय ने उन पर शर्त लगाते हुए निर्देश दिया कि वे अपना पासपोर्ट जमा कर दें। उन्हें हर सोमवार को थाने में गवाही देनी होगी। इसके साथ ही कोर्ट ने उनसे कहा कि वे गवाहों को प्रभावित करने की कोशिश न करें। कोर्ट ने उन्हें सचिवालय जाने की इजाजत दी है। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने सुनवाई के बाद छह अगस्त को फैसला सुरक्षित रख लिया था। सिसोदिया को जमानत मिलने के बाद संजय सिंह ने केंद्र सरकार पर हमला बोला।

भारत की सीमा पर पहुंचे लोग, बीएसएफ ने रोका

कौमी संवाददाता

ढाका, 9 अगस्त। बांग्लादेश में हिंसा और राजनीतिक संकट के बीच अंतरिम सरकार का गठन हुआ। इसके कार्यवाहक के तौर पर मोहम्मद यूनुस ने शपथ ग्रहण किया। इस दौरान ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा भी मौजूद रहे। वहीं, यहां के लोगों ने नई अंतरिम सरकार का स्वागत किया। साथ ही उम्मीद जताई कि यह सरकार व्यवस्था बहाल करेगी, दमन को समाप्त करेगी और सत्ता के लोकतांत्रिक हस्तांतरण के लिए निष्पक्ष चुनाव कराएगी। 84 साल के यूनुस ने गुरुवार को मुख्य सलाहकार के रूप में शपथ ली। बांग्लादेश में यह घटनाक्रम, शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद हुआ है। दरअसल, बढ़ते विरोध प्रदर्शनों के मद्देनजर पांच अगस्त को हसीना ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके कारण बांग्लादेश अस्थिर राजनीतिक स्थिति का सामना कर रहा है। सरकारी नौकरियों के लिए कोटा प्रणाली को समाप्त करने की मांग कर रहे छात्रों की तरफ से किए गए विरोध प्रदर्शनों ने सरकार विरोधी प्रदर्शनों का रूप ले लिया। सलाहकार परिषद के सदस्यों में महिला अधिकार कार्यकर्ता फरीदा अख्तर, दक्षिणपंथी पार्टी हिफाजत-ए-इस्लाम के उप प्रमुख एएफएम खालिद हुसैन, ग्रामीण दूरसंचार ट्रस्टी नूरजहां बेगम, स्वतंत्रता सेनानी शर्मीन मुर्शिद, चटगांव हिल ट्रैक्ट्स डेवलपमेंट बोर्ड के अध्यक्ष सुप्रदीप चकमा, प्रोफेसर बिधान रंजन रॉय और पूर्व विदेश सचिव तौहीद हुसैन शामिल हैं।

विनेश फोगाट के समर्थन में आए सचिन तेंदुलकर

नई दिल्ली, 9 अगस्त। भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर महिला पहलवान विनेश फोगाट के समर्थन में आए हैं। विनेश को पेरिस ओलंपिक में 50 किग्रा स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने के बाद वजन ज्यादा होने के कारण अयोग्य करार दिया गया था। विनेश ने फाइनल में पहुंचकर देश के लिए रजत पदक कर दिया था, लेकिन उनका लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना था। हालांकि, मैच से पहले ही उन्हें

अयोग्य करार दिया गया। विनश ने इस फैसले के खिलाफ खेल पंचाट का दरवाजा खटखटाया है। सचिन ने विनेश को अयोग्य करार देने की आलोचना करते हुए इस पहलवान को रजत पदक का हकदार बताया। तेंदुलकर ने कहा कि खेलों में नियमों पर समय-समय पर गौर किया जाना चाहिए। उन्होंने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट किया, हर खेल के कुछ नियम होते हैं और उन नियमों को संदर्भ में देखने की जरूरत है, शायद कभी-कभी उन पर दोबारा गौर भी किया जाना चाहिए। विनेश फोगाट ने निष्पक्षता से फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। वजन के आधार पर उसकी अयोग्यता फाइनल से पहले हुई थी और ऐसे में उससे रजत पदक छीन लिया जाना तर्क और खेल की समझ से परे है। मास्टर ब्लास्टर ने कहा कि अगर खिलाड़ी अनैतिक चीजों का इस्तेमाल करे तो उसे अयोग्य करना जायज है लेकिन विनेश के मामले में ऐसा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, यह समझ में आता अगर किसी एथलीट को प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवाओं के उपयोग जैसे नैतिक उल्लंघनों के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाता। उस स्थिति में, किसी भी पदक से सम्मानित न किया जाना और अंतिम स्थान पर रखा जाना उचित होगा।

बांग्लादेश में हिंसा को देखते हुए भारत ने गठित की कमेटी

नई दिल्ली, 9 अगस्त। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने और लगातार हो रही हिंसा के बाद भारत सरकार ने बड़ी पहल की है। बांग्लादेश में हिंदुओं और अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार की खबर के बाद गृह मंत्रालय ने एक कमेटी का गठन किया है। कमेटी बांग्लादेश में रहने वाले भारतीयों, हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर वहां के गृह मंत्रालय के अधिकारियों के साथ वार्ता करेगी। साथ ही भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर सुरक्षा और मौजूदा स्थिति की समीक्षा करेगी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बताया कि बांग्लादेश के मौजूदा हालात को देखते हुए मोदी सरकार ने कमेटी का गठन किया। कमेटी का अध्यक्ष सीमा सुरक्षा बल पूर्व क्षेत्र के एडीजी को बनाया गया है। इसके अलावा बीएसफ दक्षिण बंगाल के आईजी, आईजी बीएसफ त्रिपुरा, भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण के योजना और विकास विभाग के सदस्य और सचिव कमेटी में सदस्य होंगे। दरअसल बांग्लादेश में इस्लामी कट्टरपंथी लगातार हिंदू समुदाय को निशाना बना रहे हैं। सोमवार से शुरू हुए हमलों में अब तक सैकड़ों हत्याएं हो चुकी हैं। हमलों के डर से तमाम हिंदू परिवार सामूहिक पलायन करने को मजबूर हो गए हैं। बांग्लादेशी समाचार पोर्टल डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम बंगाल की सीमा से लगते बांग्लादेश के ठाकुरगांव और पंचगढ़ इलाकों में हजारों हिंदू भारत में प्रवेश करने के लिए जमा हो गए हैं। पंचगढ़ के अटवारी उपजिला के अंतर्गत अलोखावा संघ के अध्यक्ष मोजाकरुल आलम कोच्चि ने बताया कि ठाकुरगांव और पंचगढ़ के विभिन्न इलाकों में हजारों हिंदू बरशालुपारा सीमा के पास पहुंचे हैं।

एनसीपी के बाद शरद गुट ने शुरू की शिव स्वराज्य यात्रा

सौरभ शर्मा

मुंबई, 9 अगस्त। महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी में शामिल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने शुक्रवार को महाराष्ट्र में

आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अपने अभियान की शुरुआत करते हुए शिव स्वराज्य यात्रा शुरू की। इससे एक दिन पहले सत्तारूढ़ एनसीपी ने अपना स्वयं का जनसंपर्क कार्यक्रम शुरू किया था। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की ये यात्रा पुणे जिले के जुन्नार तहसील में मौजूद ऐतिहासिक शिवनेरी किले से शुरू हुई, जो महान मराठा योद्धा-राजा छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्मस्थान है। इस मौके पर महाराष्ट्र एनसीपी प्रमुख जयंत पाटिल ने घोषणा की, कि शिवनेरी किले में छत्रपति शिवाजी महाराज का आशीर्वाद लेकर, हम राज्य में जनता की सरकार को वापस लाने के संकल्प के साथ अपनी यात्रा शुरू कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यात्रा (शिवाजी महाराज के स्वशासन से प्रेरित) के माध्यम से वे राज्य में शिवसेना-भाजपा-राकांपा सरकार की तरफ से फैलाए गए भ्रष्टाचार और अराजकता को उजागर करेंगे। इस दौरान पूर्व राज्य मंत्री ने जोर देकर कहा कि हाल ही में आए लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद, यह स्पष्ट हो गया है कि महाराष्ट्र के लोग राकांपा (सपा) और विपक्षी दल महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के पीछे एकजुट हो रहे हैं, जिसमें कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) भी शामिल हैं। बता दें कि हाल के लोकसभा चुनावों में, एमवीए ने राज्य की 48 सीटों में से 30 सीटें जीतीं, जबकि सत्तारूढ़ महायुति (महागठबंधन), जिसमें शिवसेना-भाजपा-राकांपा शामिल हैं, को केवल 17 सीटें मिलीं। जयंत पाटिल ने कहा, हमारे नेता, शिरूर (पुणे जिले में) से लोकसभा सांसद अमोल कोल्हे और अन्य पदाधिकारी पूरे राज्य में जाएंगे और लोगों तक पहुंचेंगे। इस बीच, यात्रा के शुभारंभ के दौरान, एनसीपी (एसपी) नेता जयंत पाटिल, रोहिणी खडसे, कोल्हे और महबूब शेख की जान उस समय हलक में आ गई, जब वे एक क्रेन बकेट में सवार थे और वो हवा में खतरनाक तरीके से झुक गई। जयंत पार्टी इस हादसे में सुरक्षित हैं, छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर रहे थे, जब यह घटना हुई।

स्वतंत्रता दिवस से पहले दिल्ली पुलिस की बड़ी कामयाबी

नई दिल्ली, 9 अगस्त। दिल्ली पुलिस की बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने आईएसआईएस मॉड्यूल का आतंकी गिरफ्तार किया है। आईएसआईएस मॉड्यूल के आतंकवादी की पहचान रिजवान अली के रूप में हुई है। जांच एजेंसी एनआईए ने उस पर तीन लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। रिजवान दिल्ली के दरियागंज का रहने वाला है। बताया जा रह है कि रिजवान पुणे आईएसआईएस मॉड्यूल का मोस्ट वांटेड आतंकी है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने उसे गिरफ्तार किया है। उसके पास से हथियार भी मिले हैं। रिजवान को जांच एजेंसी एनआईए ने वांटेड घोषित किया था। वह लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस के मुताबिक, आतंकी रिजवान अली के बारे में एक गुप्त सूचना प्राप्त हुई और उसे पुलिस ने दिल्ली के बायोडायवर्सिटी पार्क के पास गंगा बक्श मार्ग के पास से गुरुवार रात में लगभग 11 बजे गिरफ्तार किया।

ओलंपिक के कारण सर्जरी टाल रहा था: नीरज चोपड़ा

तेजिन्दर कौर बब्बर

पेरिस, 9 अगस्त। भारत के भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने ओलंपिक में रजत पदक जीतने के बाद अपनी चोट का खुलासा करते हुए कहा कि उन्हें प्रतिस्पर्धा करने के लिए कड़ी मेहनत करने के बाद जल्द ही सर्जरी करानी पड़ सकती है। नीरज पेरिस ओलंपिक से पहले जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशी में (एडक्टर) परेशानी से जूझते आए हैं। उन्होंने हालांकि गुरुवार को सत्र के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास 89.45 मीटर के साथ रजत पदक हासिल किया। वह दो ओलंपिक पदक जीतने वाले भारत के पहले ट्रैक एवं फील्ड एथलीट बन गए। उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। नीरज पाकिस्तान के अरशद नदीम से पीछे रहे, जिन्होंने 92.97 मीटर के ओलंपिक रिकॉर्ड थ्रो के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। नदीम इसके साथ ही पाकिस्तान के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बन गए। नीरज ने इस विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। अपनी सर्वश्रेष्ठ स्थिति में नहीं होने के बाद भी नीरज लगातार दो ओलंपिक में पदक जीतने वाले तीसरे भारतीय बने। उनसे पहले सुशील कुमार

(कुश्ती) और पीवी सिंधू (बैडमिंटन) ने यह कारनामा किया है। नीरज ने 2023 विश्व चैंपियनशिप का जिक्र करते हुए कहा, मेरे दिमाग में काफी कुछ चल रहा था। जब मैं थ्रो कर रहा होता हूं तो मेरा 60-70 प्रतिशत ध्यान चोट पर होता है। मैं चोटिल नहीं होना चाहता था। जब भी मैं थ्रो करने जा रहा था तो आपने देखा होगा कि मेरी गति कम थी। डॉक्टर ने मुझे पहले ही सर्जरी करने के लिए कहा था लेकिन मेरे पास विश्व चैंपियनशिप से पहले या बाद में इतना समय नहीं था। ओलंपिक की तैयारी में बहुत समय लगता है। मैंने अब भी इसे जारी रखा है। खेल में यह अच्छी स्थिति नहीं होती है। आप अगर लंबा करियर चाहते हैं तो आपको फिट और स्वस्थ रहना होगा। इस स्तर की प्रतियोगिताओं के कारण कई बार आप निर्णय नहीं ले सकते। अब हम इस पर काम करेंगे और तकनीक में भी सुधार करेंगे। नीरज ने यह भी बताया कि फिटनेस के मामले में पिछले सात साल उनके लिए कितने कठिन रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे 2017 में यह दर्द महसूस हुआ। उसके बाद मैंने बहुत इलाज करवाया। लेकिन इसके लिए मुझे एक बड़ा फैसला लेना होगा। मैं अपनी टीम के साथ मिलकर इस पर फैसला लूंगा।

मनीष सिसोदिया को जमानत यह लोकतंत्र की जीत: हेमंत सोरेन

रांची, 9 अगस्त। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को देश की सर्वोच्च अदालत ने जमानत दे दी है। इस पर झारखंड के

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को लोकतंत्र की जीत बताया। हेमंत सोरेन ने आगे कहा कि यह तानाशाही और अन्याय की हार है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने मनीष सिसोदिया को आबकारी नीति से जुड़े भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत दी है। वह पिछले 17 महीनों से हिरासत में थे। हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, यह लोकतंत्र की जीत और अन्याय और तानाशाही की हार है। उन्होंने सर्वोच्च अदालत का धन्यवाद किया और मनीष सिसोदिया को शुभकानाएं दी। सोरेन ने अपने पोस्ट में आगे कहा, उनका (सिसोदिया) संघर्ष इतिहास बनेगा और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगा। जस्टिस बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि सिसोदिया 17 महीनों से हिरासत में है और मुकदमा अभी तक शुरू नहीं हुआ। इससे वह त्वरित सुनवाई के अधिकार से वंचित रह गए। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को 26 फरवरी 2023 को गिरफ्तार किया था। दिल्ली शराब घोटाला मामले में सीबीआई ने 26 फरवरी, 2023 को मनीष सिसोदिया को गिरफ्तार किया था।

बस बहुत हुआ, आप होंगी सेलिब्रिटी लेकिन गरिमा का ध्यान रखें: धनखड़

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 9 अगस्त। राज्यसभा में शुक्रवार को समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने सभापति जगदीप धनखड़ के बोलने के लहजे पर आपत्ति जताई। इसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया। सभापति ने विपक्ष को मर्यादित आचरण करने के लिए कहा। वहीं विपक्षी सांसदों ने अपनी बात रखने की अनुमति नहीं देने का आरोप लगाते हुए सदन से बहिर्गमन कर दिया। इससे पहले जया बच्चन ने कहा कि मैं जया अमिताभ बच्चन यह बोलना चाहती हूं कि मैं कलाकार हूं। बॉडी लैंग्वेज समझती हूं और चेहरे की अभिव्यक्ति समझती हूं। सर! माफ कीजिएगा, आपका लहजा स्वीकार्य नहीं है। भले ही आप आसन पर बैठे हैं, लेकिन हम आपके साथी हैं। इस पर सभापति धनखड़ ने सख्त लहजे में कहा, जया जी, कृपया अपने स्थान पर बैठिए। आपने अपनी एक प्रतिष्ठा बनाई है। आप जानती हैं कि अभिनेता निर्देशक के अनुसार काम करता है। आपने वह चीजें नहीं देखी हैं, जो मैंने यहां इस आसन पर बैठकर देखी हूं। आप मेरे लहजे के बारे में बात कर रही हैं? बस बहुत हुआ। आप होंगे सेलिब्रिटी, लेकिन आपको यहां सदन की गरिमा का ध्यान रखना होगा। सभापति धनखड़ ने कहा कि यह आचरण एक वायरस की तरह है। अगर इस वायरस को नियंत्रित नहीं किया गया तो यह हमारे लोकतंत्र के लिए नुकसानदायक होगा। विपक्षी सदस्य मेरा नहीं, बल्कि देश की जनता का अपमान करते हैं। मैं हर दिन सोचता हूं कि मैं और लचीलापन रखूंगा, लेकिन एक सीमा के बाद तो भगवान कृष्ण भी नजरअंदाज नहीं कर सकते। मैं भगवान कृष्ण नहीं हूं, मुझे सदन का सहयोग चाहिए। दरअसल, विपक्ष के राज्यसभा सांसद भाजपा सांसद घनश्याम तिवाड़ी की ओर से विपक्ष के नेता के बारे में की गई टिप्पणी को हटाने की मांग कर रहे थे। इस बीच सपा सांसद जया बच्चन ने सभापति जगदीप धनखड़ की टिप्पणी के लहजे पर सवाल उठाया। सभापति ने जया बच्चन की टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि उन्हें स्कूली शिक्षा नहीं चाहिए। वह किसी स्क्रिप्ट के अनुसार नहीं चलते हैं और उनकी अपनी स्क्रिप्ट है। इस पर विपक्ष हंगामा करने लगा। सभापति ने कहा कि मैं जानता हूं कि आप पूरे देश को अस्थिर करना चाहते हैं। आप सदन में अव्यवस्था फैलाना चाहते हैं। मैं इस सदन को हंगामे की जगह नहीं बनने दूंगा। सभापति ने ऐसा कहने पर विपक्षी सदस्य विरोध

जताते हुए सदन से बहिर्गमन कर गए। धनखड़ ने कहा कि विपक्षी सदस्यों का यह आचरण लोकतंत्र और सदन का अपमान है और वे अपनी जिम्मेदारी तथा दायित्वों से भाग रहे हैं। वे सदन के कामकाज में भाग नहीं लेना चाहते, वे केवल हंगामा करना चाहते हैं। सभापति ने कहा कि देश प्राथमिकता होनी चाहिए, देश सर्वोपरि होना चाहिए। विपक्षी सांसदों के वाकआउट करने पर सभापति ने भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ का भी जिक्र करते हुए कहा कि विपक्ष संसद छोड़ रहा है, यह उनका कर्तव्य है। कुछ दिन पहले राज्यसभा में भाजपा सासंद घनश्यान तिवाड़ी ने नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नाम पर टिप्पणी की थी। इससे मिल्लकार्जुन खरगे आहत हो गए थे। उन्होंने जवाब में कहा था कि मेरे पिता ने मेरा नाम बुहत ही सोच समझकर रखा था। भाजपा सांसद घनश्याम तिवाड़ी की टिप्पणी का जिक्र कर उन्होंने कहा कि ऐसे माहौल में और जीना नहीं चाहता हूं। साथ ही उन्होंने सभापति से तिवाड़ी की उनके राजनीतिक सफर के बारे में सदन में की गई कुछ टिप्पणियों को सदन से हटाने की अपील की। सभापति जगदीप धनखड़ ने आश्वासन दिया कि वह तिवाड़ी की टिप्पणियों को देखेंगे और खरगे को ठेस पहुंचाने वाला कोई भी शब्द रिकॉर्ड में नहीं रहेगा। इसके बाद राज्यसभा सदस्य जया बच्चन ने बाद में मीडिया से बातचीत में कहा, वो डांटने वाले कौन होते हैं, मैं यह स्वतंत्रता किसी और को नहीं दे सकती। मेरे साथ अपमानजनक बर्ताव हुआ। वहां लहजा खराब है, कितना हम सहन करें?

केरल सरकार ने आपातकालीन वित्तीय सहायता की घोषणा की

नई दिल्ली, 9 अगस्त। केरल सरकार ने शुक्रवार को एलान किया कि, सरकार वायनाड जिले के मुंडक्कई और चूरलमाला बस्तियों में हाल ही में हुए भूस्खलन में अपने घर पूरी तरह से खो चुके लोगों को वित्तीय सहायता प्रदान करेगी, ताकि उन्हें नए स्थान पर स्थानांतरित करने में मदद मिल सके। यह वित्तीय सहायता इन क्षेत्रों में आपदा से प्रभावित सभी लोगों के लिए उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया है कि सरकार उन परिवारों के वयस्कों को 300 रुपये का दैनिक भत्ता प्रदान करेगी, जिन्होंने आपदा के कारण अपनी आय का स्रोत खो दिया है। यह लाभ प्रति परिवार दो सदस्यों तक सीमित होगा, सिवाय उन मामलों को छोड़कर जहां परिवार का कोई सदस्य गंभीर रूप से बीमार है या अस्पताल में भर्ती है, ऐसी स्थिति में लाभ तीन सदस्यों तक बढ़ाया जाएगा। यह सहायता अधिकतम 30 दिनों के लिए प्रदान की जाएगी। वहीं वर्तमान में शिविर में रहने वाले प्रत्येक परिवार को 10 हजार रुपये की आपातकालीन वित्तीय सहायता प्रदान भी की जाएगी। बता दें केरल सरकार आपदा में अपने घर खो चुके लोगों के लिए सरकारी या सार्वजनिक संपत्तियों में आवास सुविधा प्रदान करने की संभावना भी तलाश रही है। इस मामले में जिला कलेक्टर को रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है, और रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद, सरकार किराया तय करेगी और उसके अनुसार सहायता प्रदान करेगी। केरल के स्थानीय प्रशासन की तरफ से जारी किए गए शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, एक सप्ताह से अधिक समय पहले उत्तरी केरल के वायनाड जिले में हुए भीषण भूस्खलन के बाद से अभी भी 130 लोग लापता हैं। बता दें कि 30 जुलाई को वायनाड के मुंडक्कई और चूरलमाला क्षेत्रों में हुए विनाशकारी भूस्खलन के कारण मरने वालों की संख्या 300 से ज्यादा है। वहीं केरल में हाल ही में हुए भूस्खलन को ध्यान में रखते हुए गोवा सरकार ने आपदा प्रबंधन पर अपनी उच्च स्तरीय समिति को फिर से सक्रिय कर दिया है, जिसमें अवैध पहाड़ी कटाई की सूचना देने के लिए जमीनी स्तर के राजस्व अधिकारियों को जिम्मेदार बनाया गया है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शुक्रवार को राज्य आपदा प्रबंधन समिति की एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें राज्य के राजस्व मंत्री अटानासियो मोनसेराटे और पोरवोरिम के अन्य उच्च पदस्थ अधिकारी मौजूद थे।

इजरायल ने संघर्ष विराम वार्ता फिर से शुरू करने पर सहमति व्यक्त की

एजेंसी
यरूशलम। इजराइल ने शुक्रवार तड़के कतर, मिस्र और अमेरिकी मध्यस्थों को जवाब देते हुए कहा कि वह 15 अगस्त को गाजा युद्धविराम समझौते पर बातचीत फिर से शुरू करने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल भेजेगा।इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि बातचीत टीम को फ्रेमवर्क समझौते को लागू करने हेतु विवरण को अंतिम रूप देने के लिए भेजा जाएगा। यह घोषणा तीनों देशों के मध्यस्थों द्वारा एक संयुक्त बयान जारी करने के बाद की गई, जिसमें इजरायल और हमास से प्रस्तावित सौदे में शेष सभी कमियों को समाप्त करने और बिना किसी देरी के इसे लागू करने के लिए 15 अगस्त को वार्ता को फिर से शुरू करने का आह्वान किया गया।

हंटर बाइडेन को रोमानिया से मिले लाखों डॉलर : अदालत

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के बेटे हंटर बाइडेन को अपने पिता के उपराष्ट्रपति रहने के दौरान अमेरिकी सरकार को प्रभावित करने के लिए एक रोमानियाई उद्यमी से लाखों डॉलर प्राप्त हुए थे। अमेरिकी न्याय विभाग के विशेष अधिवक्ता डेविड वीस के कार्यालय के मुताबिक हंटर बाइडेन को लॉबिस्ट, सलाहकार या कानूनी सलाहकार के रूप में कार्य करने के बदले विदेशी फर्मों और लोगों से पर्याप्त रकम मिली। डेविड वीस के कार्यालय ने यह भी खुलासा किया है कि हंटर बाइडेन रोमानियाई व्यवसायी गेब्रियल पोपोविसियू (दस्तावेज़ में जी. पी. के रूप में संदर्भित) के लिए काम करता था जिससे उसे रोमानिया में रिश्वत के आरोपों से बचने में मदद मिल सके। उल्लेखनीय है कि प्रतिनिधि सभा विदेशी प्रभाव और रिश्वतखोरी सहित कथित आपराधिक गतिविधियों के लिए बाइडेन परिवार की जांच कर रही है।

बंगलादेश के सुप्रीम कोर्ट में न्यायिक कार्यवाही स्थगित

ढाका। बंगलादेश के सुप्रीम कोर्ट के दोनों प्रभागों में सभी न्यायिक कार्यवाही अगले नोटिस तक स्थगित रहेंगी। 'द डेली स्टार' ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि बंगलादेश के सुप्रीम कोर्ट के जनसंपर्क अधिकारी ने सभी न्यायिक कार्यवाही को अगले नोटिस तक स्थगित करने से संबंधित एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने बुधवार को राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन से परामर्श करने के बाद सभी न्यायिक कार्यों को स्थगित करने से संबंधित एक निर्देश जारी किया। निलंबन अगले नोटिस तक प्रभावी रहेगा।

अमेरिका-कतर और मिस्र ने फिर की संघर्ष विराम वार्ता की पहल, 15 अगस्त की बातचीत के लिए इस्राइल सहमत

लेबान। हमास और इस्राइल बीते 10 महीने से जंग लड़ रहे हैं। इस्राइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। गाजा में पैदा हुई मानवीय परिस्थितियों को लेकर दुनिया भर के लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन भी गाजा में जंग रुकवाने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि, इस बीच खबर सामने आ रही है कि कतर, मिस्र और अमेरिकी नेताओं ने एक बार फिर इस्राइल और हमास से गाजा संघर्ष विराम समझौते पर फिर से बात करने का आह्वान किया है। इस अनुरोध पर इस्राइल बात करने के लिए सहमत हो गया है। हालांकि, हमास का अभी कोई बयान सामने नहीं आया है। तीनों देशों ने एक संयुक्त बयान में कहा,इस्राइल और हमास से 15 अगस्त को दोहा या काहिरा में तत्काल वार्ता फिर से शुरू करने का आह्वान किया ताकि प्रस्तावित गाजा युद्धविराम समझौते में शेष सभी कमियों को दूर किया जा सके और इसे बिना किसी देरी के लागू किया जा सके। यह संघर्ष विराम समझौते को पूरा करने और बंधकों तथा कैदियों को रिहा करने का समय है।

जापान में भूकंप के तेज झटके, सुनामी की चेतावनी जारी

एजेंसी
टोक्यो । जापान के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र के मियाज़ाकी प्रांत और अन्य क्षेत्रों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 7.1 मापी गई। समाचार एजेंसी ने जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) के हवाले से बताया कि कोच्चि, मियाज़ाकी, एहिमे, ओइता और कागोशिमा प्रान्तों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। पहले जेएमए ने बताया कि भूकंप स्थानीय समयानुसार 4:43 बजे आया। भूकंप की तीव्रता मियाज़ाकी प्रांत के पास जापानी भूकंपीय तीव्रता 6 से कम थी।

बाद में इसकी तीव्रता संशोधित कर 7.1 कर दी गई। भूकंप में किसी भी प्रकार की जान हानि या भारी विनाश की खबर सामने नहीं आई है। बता दें कि इससे पहले 22 जुलाई को जापान की राजधानी टोक्यो के उत्तर-पूर्व में भूकंप के झटके महसूस

किए गए थे। भूकंप की तीव्रता 4.8 मापी गई गई थी। हालांकि, भूकंप के कारण जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं आई थी। लेकिन, भूकंप के झटकों के बाद लोग सहम गए थे और घरों से निकल कर सड़क पर आ गए थे।समाचार एजेंसी के अनुसार, भूकंप की गहराई का केंद्र 90 किलोमीटर था। जो उत्तरी इबाराकी प्रांत के 36.8 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 140.8 डिग्री पूर्वी देशांतर के करीब आया था।

ट्यूनीशियाई राष्ट्रपति ने अहमद हचानी को हटाकर नए प्रधानमंत्री की नियुक्ति की

एजेंसी
ट्यूनिस । राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार ट्यूनीशियाई राष्ट्रपति कैस सैयद ने अहमद हचानी की जगह सामाजिक मामलों के मंत्री कामेल मदौरी को नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। अहमद हचानी को बर्खास्त कर दिया गया। ट्यूनीशिया में यह पहली बार नहीं है जब किसी प्रधानमंत्री को बिना किसी कारण के बर्खास्त किया गया है। इससे पहले नजला बूडन को भी पिछले साल पद से हटा दिया गया था। तब हचानी ने उसी साल एक अगस्त को पदभार संभाला था।

ट्यूनीशियाई राष्ट्रपति कार्यालय ने इस निर्णय पर अधिक जानकारी नहीं दी है। यह निर्णय 6 अक्टूबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से दो महीने पहले लिया गया, जब सईद दूसरे पांच साल के राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ेंगे। कामेल मदौरी का जन्म 1974 में हुआ था। उन्हें

आंशिक सरकारी फेरबदल के तहत 25 मई, 2024 को सामाजिक मामलों का मंत्री नियुक्त किया गया था। इससे पहले, वह राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा कोष के अध्यक्ष थे।

अहमद हचानी को पिछले साल अगस्त में प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया था।

मध्य गाजा में इजरायली हवाई हमले में 15 फिलिस्तीनियों की मौत

एजेंसी
गाजा। मध्य गाजा पट्टी में अल-ब्यूरिज शरणार्थी शिविर के एक आवासीय क्षेत्र पर इजरायली हवाई हमले में कम से कम 15 फिलिस्तीनी मारे गए। यह जानकारी फिलिस्तीनी चिकित्सा सूत्रों ने दी। फिलिस्तीनी चिकित्सा सूत्रों ने सिन्हुआ से कहा कि नागरिक सुरक्षा दल ने महिलाओं और बच्चों सहित 15 फिलिस्तीनियों के शवों को स्थानीय अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया। इस घटना पर इज़रायली सेना की अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने एक प्रेस बयान में कहा कि पिछले 24 घंटों में 22 फिलिस्तीनी मारे गए और 77 अन्य घायल हुए, जिससे अक्टूबर 2023 में फिलिस्तीनी-इजरायल संघर्ष शुरू होने के बाद से मरने वालों की कुल संख्या 39,699 हो गई और 91,722 घायल हो गए।

राष्ट्रपति मुर्मू ने न्यूजीलैंड के गवर्नर जनरल, उप प्रधानमंत्री के साथ की द्विपक्षीय वार्ता

एजेंसी
वेलिंगटन । भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू न्यूजीलैंड की यात्रा पर हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के गवर्नर जनरल डेम सिंडी किरो और उप प्रधानमंत्री विंस्टन पीटर्स से मुलाकात की। उन्होंने दोनों देशों के बीच बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों और उन्हें मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

मुलाकात के दौरान, राष्ट्रपति मुर्मू और गवर्नर जनरल किरो ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंधों की सराहना की और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। उप प्रधानमंत्री और न्यूजीलैंड के विदेश मामलों के मंत्री विंस्टन पीटर्स ने भी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। इससे पहले राष्ट्रपति मुर्मू ने वेलिंगटन में न्यूजीलैंड अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन को भी संबोधित किया। उन्होंने दोनों देशों के बीच मजबूत शैक्षिक संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों में शैक्षिक आदान-प्रदान के महत्व पर कहा, ÷भारत और न्यूजीलैंड के बीच मधुर

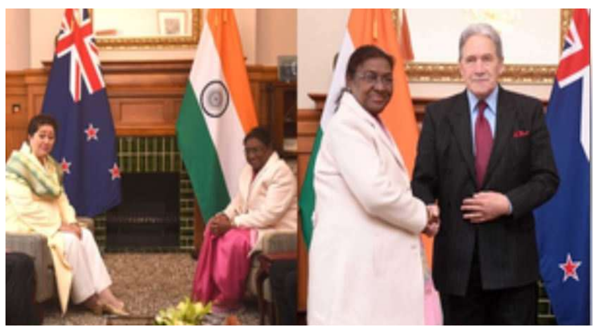

और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं, जो लोकतंत्र और कानून के शासन के साझा मूल्यों पर आधारित है। हमारे समृद्ध सांस्कृतिक आदान-प्रदान और लोगों के बीच मजबूत संबंध हैं।

न्यूजीलैंड में भारतीय छात्रों की बढ़ती संख्या का जिक्र करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, लगभग 8,000 भारतीय छात्र न्यूजीलैंड में पढ़ रहे हैं, जिससे वे अंतरराष्ट्रीय छात्रों का दूसरा सबसे बड़ा समूह बन गए हैं और यह संख्या लगातार बढ़ रही है।1 उन्होंने कहा, 'न्यूजीलैंड अनुसंधान और नवाचार, समावेशिता और उत्कृष्टता पर विशेष ध्यान देने के साथ अपनी उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के लिए प्रसिद्ध है। न्यूजीलैंड शिक्षा सम्मेलन, शिक्षा में जारी सहयोग को मजबूत करने और सहयोग के नए क्षेत्रों की खोज करने का एक शानदार अवसर प्रदान करता है। राष्ट्रपति अपने तीन देशों के दौरे के दूसरे चरण में न्यूजीलैंड पहुंचीं। गवर्नमेंट हाउस में गवर्नर जनरल डेम सिंडी किरो ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें पारंपरिक माओरी 'पॉविरी' समारोह और रॉयल गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

न्यूजीलैंड के गवर्नर जनरल डेम सिंडी किरो के निमंत्रण पर देश का दौरा कर रही राष्ट्रपति मुर्मू का ऑकलैंड हवाई अड्डे पर न्यूजीलैंड के कृषि, व्यापार मंत्री और विदेश मामलों के एसोसिएट मंत्री टॉड मैकले ने स्वागत किया। न्यूजीलैंड के बाद, राष्ट्रपति मुर्मू राष्ट्रपति जोस रामोस-होर्ता के निमंत्रण पर 10 अगस्त को तिमोर-लेस्ते का दौरा करेंगी। यह भारत से तिमोर-लेस्ते की पहली राष्ट्राध्यक्ष यात्रा होगी।

मां को देखकर दुख होता है: हसीना की पुत्री

एजेंसी
ढाका। बंगलादेश में जारी राजनीतिक संकट के बीच पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पुत्री साइमा वाजिद ने कहा कि मां को दुखी देखकर उन्हें गहरा दुख हो रहा है। सुश्री वाजिद ने कहा कि देश में चल रहे राजनीतिक संकट और कठिन समय के बीच वह अपनी मां को न तो देख सकती हैं और न ही गले लगा सकती हैं।'ढाका ट्रिब्यून' की रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने मां के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने पर 'एक्स' पर अपनी प्रतिक्रिया पोस्ट की और देश में जानमाल के नुकसान और वर्तमान राजनीतिक अशांति पर दुख व्यक्त किया । गौरतलब है कि सुश्री वाजिद पुतुल के नाम से जाने जाती हैं। वह वर्तमान में दक्षिण पूर्व एशियाई की क्षेत्रीय निदेशक के रूप में विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ काम कर रही हैं।

दक्षिण कोरिया में पड़ रही भीषण गर्मी से 18 लोगों की मौत

एजेंसी
सोल । दक्षिण कोरिया में लगातार गर्मी का प्रकोप जारी है। तापमान 35 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है। इसके कारण अब तक अठारह लोगों की मौत हो चुकी है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि गृह मंत्रालय के अनुसार 20 मई से कुल 1,907 लोग गर्मी से संबंधित बीमारियों से पीड़ित हुए हैं, और उनमें से 18 की मृत्यु हो गई।

पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान गर्मी से संबंधित रोगियों की संख्या 1,891 थी। इसमें 25 लोगों की मृत्यु हुई थी। इस गर्मी से अब तक 4,20,000 पशुधन मार गए, जिनमें 3,93,000 मुर्गियां शामिल थीं। मछली फार्मों में लगभग 4,30,000 मछलियां भी मरी हुई पाई गईं। फिलहाल अधिकांश क्षेत्रों में तापमान लगभग 35 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाएगा और यहां रात का तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहेगा। ग्योंगसांग प्रांतों के कुछ हिस्सों में 30 से 50 मिलीमीटर तक बारिश होने की संभावना है। वहीं कुछ क्षेत्रों में शुक्रवार तक गरज और बिजली के साथ बारिश जारी रहेगी। बता दें कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 4 अगस्त तक दक्षिण कोरिया में बीमारियों के कारण 11 लोगों की मौत हुई थी। समाचार एजेंसी ने कोरिया रोग नियंत्रण एवं रोकथाम एजेंसी के

हवाले से बताया था कि 20 मई को सरकार की ओर से गर्मी से संबंधित बीमारियों के लिए निगरानी प्रणाली शुरू की गई थी। मानसून का सीजन खत्म होने के बाद देश में भीषण गर्मी पड़ रही है। देश के कई हिस्सों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया है।

ढाका में पुलिसकर्मियों की गैर मौजूदगी में अराजकता का माहौल

ढाका। बंगलादेश की राजधानी ढाका में पुलिस कर्मियों के ड्यूटी से अनुपस्थित रहने के कारण शहर के विभिन्न हिस्सों से अराजकता और डकैती की घटनाएं सामने आ रही हैं वहीं निवासियों को रात भर निगरानी करनी पड़ रही है। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार रात को ढाका के विभिन्न हिस्सों में पुलिस की अनुपस्थिति में डकैती की घटनाओं के कारण यहां के निवासी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी रात सड़कों पर रहे। उत्तरा, धानमंडी, मोहम्मदपुर, मीरपुर और ढाका के पुराने हिस्से के लोग पूरी रात जागते रहे और सुबह ही अपने घरों में लौटे। मीरपुर, पल्लबी, उत्तरा और मोहम्मदपुर के कुछ इलाकों में सेना के जवान भी सड़कों पर गश्त करते देखे गए, जबकि कई लोगों ने डकैती के दौरान पड़ोसियों से मदद मांगी।

ईसीबी चत्तर क्षेत्र के एक निवासी ने बताया कि बुधवार रात को अलग-अलग उम्र के लुटेरे चाकू और छुरे का इस्तेमाल करते हुए कई घरों में घुसे। सेना के जवानों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर इलाके से लूट के आरोप में कुछ युवकों को पकड़ा। इस बीच, मोहम्मदपुर, केरानीगंज के अतीबाजार, वाशपुर, अर्शीनगर और उत्तरा इलाकों में लूट की सूचना और वीडियो सोशल मीडिया के माध्यम से फैल गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इन इलाकों में मस्जिदों से घोषणाएं की गयी और सभी को सतर्क रहने का आग्रह किया गया। अर्शीनगर के निवासी मोहम्मद फैसल ने बताया कि उनके इलाके में लुटेरे घुस आए हैं, जिसके बाद मस्जिदों ने सतर्क रहने की चेतावनी जारी की। फैसल ने कहा, हम घबरा गए थे। मोहम्मदपुर के एक निवासी ने बताया कि लुटेरे आधी रात के आसपास अलग-अलग दिशाओं से इलाके में घुस आए, लेकिन लोग अपने घरों से लाठी लेकर नीचे आए और लुटेरों को भगा दिया। एक अन्य निवासी ने कहा कि यह स्थिति जारी नहीं रह सकती तथा पुलिस को अपना काम शुरू करना चाहिए और लोगों को सुरक्षा प्रदान करनी चाहिए। गौरतलब है कि सुश्री शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने और देश छोड़कर भाग जाने के बाद प्रदर्शनकारियों के साथ झड़पों के दौरान उन पर हुए हमलों के बाद से पुलिसकर्मी अभी तक काम पर नहीं लौटे हैं।

भारतीय उच्चायोग ने भारतीय नागरिकों की सुरक्षित सीमा तक पहुंचाया

एजेंसी
ढाका। भारतीय उच्चायोग ने बंगलादेश सेना एवं प्रशासन के अधिकारियों के साथ समन्वय में भारतीय नागरिकों को सीमाओं तक सुरक्षित पहुंचाने की सुविधा प्रदान की है। सूत्रों के अनुसार मिशन ने परिवहन और आवाजाही के मुद्दों पर सलाह दी है और उड़ानों के लिए हवाई अड्डे और एयरलाइंस के साथ समन्वय भी किया है। मिशन नियंत्रण कक्ष ने पिछले दो दिनों में 350 से अधिक कॉलों पर कार्रवाई की है।

सूत्रों ने कहा कि भारतीय मिशन ने विभिन्न परियोजनाओं में लगे कर्मियों सहित भारतीय नागरिकों को भूमि सीमाओं के पार आवाजाही की सुविधा प्रदान की है। इनमें से कुछ स्थितियाँ जीवन के लिए खतरा थीं। इरकॉन खुलना, एलएंडटी, राइट्स, टाटा प्रोजेक्ट्स, एफ़कॉन्स और

ट्रांसरेल सिराजगंज के सदस्यों की भूमि सीमा के माध्यम से सुविधाजनक ढंग से स्वदेश भेजा गया है।भारतीय मिशन ने परिवहन और आवाजाही के मुद्दों पर सलाह दी है और परियोजनाओं के कर्मियों सहित हवाई अड्डे तक भारतीय नागरिकों की उड़ानों की आवाजाही के लिए हवाई अड्डे और एयरलाइंस के साथ समन्वय भी किया है। इन लोगों में अशोका बिल्ड कॉन, राइट्स, एफकॉन्स, आईटीडी सीमेंटेशन (सिराजगंज), केईसी, ट्रांसरेल सिराजगंज के कर्मी और विभिन्न भारतीय कंपनियों जैसे सन फार्मा, आईओसीएल, एनटीपीसी आदि के पेशेवर शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार मिशन ने आप्रवासन सहित कांसुलर मामलों की भी सुविधा प्रदान की है। आपातकालीन मामलों में उनकी यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए भारतीय नागरिकों को आपातकालीन प्रमाणपत्र जारी किए गए हैं। मिशन ने यह सुनिश्चित किया है कि एयरलाइंस परिचालन जारी रखें और सेवाएं बंद न करें, जो यह सुनिश्चित करने के लिए एक बड़े समर्थक के रूप में कार्य करता है कि लोग फंसे न रहें।

अमेरिका के समर्थन के बिना संभव नहीं थी हमास प्रमुख की हत्या: ईरान

एजेंसी
तेहरान। ईरान ने कहा है कि हमास पोलित ब्यूरो प्रमुख इस्माइल हनीयेह की हत्या अमेरिका की ओर से हरी झंडी दिखाये जाने और खुफिया सहायता प्रदान किये बिना संभव नहीं थी।

ईरानी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, कार्यवाहक विदेश मंत्री अली बाघेरी कानी ने सऊदी अरब के जेद्दा में आयोजित इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) की कार्यकारी समिति की असाधारण मंत्रिस्तरीय बैठक में हनीयेह की हत्या सहित काई मुद्दों पर चर्चा की। श्री कानी ने हमास प्रमुख की हत्या को इजरायल के आतंकवादी अपराधों का सिर्फ एक उदाहरण बताते हुए कहा कि यह ईरान की राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर एक खुला आक्रमण था। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से इस तरह के उल्लंघनों के लिए इजरायल को जवाबदेह ठहराने और इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर मुकदमा चलाने तथा उन्हें सजा देने का आह्वान किया। श्री कानी ने कहा कि इजरायल के मुख्य समर्थक के रूप में अमेरिका की जिम्मेदारी को इस 'घृणित अपराध'

में नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए, जो अमेरिका की हरी झंडी और खुफिया सहायता के बिना संभव नहीं था।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

बाइडेन के अभियान से जीत नहीं मिलती :पेलोसी

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिका की पूर्व हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी ने कहा है कि श्री जो बाइडेन को राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने के लिए मनाने के प्रयास में शामिल हो गयी थीं, क्योंकि ऐसा लगाता था कि उनके (श्री बाइडेन) अभियान से डेमोक्रेटिक पार्टी को जीत नहीं मिलती। वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक पेलोसी ने कहा , अब मैं वास्तव में एक बेहतर अभियान की मांग कर रही थी। हमारे पास ऐसा कोई अभियान नहीं था जो जीत की राह पर हो। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान सामने आयी घटनाएं वास्तव में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प

की व्हाइट हाउस में वापसी के पक्ष में थीं। जुलाई की शुरुआत में श्री बाइडेन के राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के इरादे को लेकर कांग्रेस के डेमोक्रेट्स को भेजे गये पत्र को सांसदों ने स्वीकार नहीं किया।

पेलोसी ने कहा कि डेमोक्रेटिक पार्टी में सैकड़ों लोग जो राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार में बदलाव चाहते थे, उन्होंने उनसे सलाह मांगी। उन्होंने हालांकि यह जवाब देने से इनकार कर दिया कि क्या उन्होंने श्री बाइडेन को दौड़ से हटने के लिए कहा था।

पिछले महीने श्री बाइडेन ने 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दौड़ से अपना नाम वापस ले लिया और अपने स्थान पर अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को अपना उम्मीदवार बनाया। न्यूज़ ने सूत्रों के हवाले से बताया कि पेलोसी ने श्री बाइडेन के राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने से इनकार करने में अहम भूमिका निभायी।

'इस्राइल पर हथियार प्रतिबंध का समर्थन नहीं करती कमला हैरिस'

एजेंसी
वाशिंगटन। अमेरिका की उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति उम्मीदवार कमला हैरिस इस्राइल पर हथियार प्रतिबंध का समर्थन नहीं करती है। एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में शामिल होने के बाद गाजा युद्ध नीति को लेकर हैरिस का यह पहला बयान है। उन्होंने यह बयान तब दिया जब एक रैली के दौरान उन्हें फलस्तीनी समर्थकों ने घेर लिया। मिशिगन के डेट्रॉइट में रैली के बाद हैरिस ने युद्ध का विरोध करने वाले समूह से भी मुलाकात की।

कमला हैरिस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार फिल गॉर्डन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, वह इस्राइल पर हथियार प्रतिबंध का समर्थन नहीं करती हैं। उन्होंने आगे कहा, उपराष्ट्रपति इस बात से स्पष्ट हैं। वह हमेशा सुनिश्चित करेंगी, कि इस्राइल हमेशा ईरान और ईरान समर्थित आतंकवादी समूहों के खिलाफ अपनी रक्षा करने में सक्षम हो।

अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होने वाला है। मिशिगन में अभी भी यह मुद्दा गंभीर है और अरब-अमेरिकी नागरिकों का एक बड़ा समूह युद्ध के विरोध में है। डेट्रॉइट में रैली के दौरान कमला हैरिस को बार-बार गाजा समर्थकों का सामना करना पड़ रहा था। इस दौरान उन्होंने कहा, अगर आप डोनाल्ड ट्रंप को जीताना चाहते हैं तो आप ऐसा कहें। नहीं तो मैं बोल रही हूं। बता दें कि कभी-कभी कमला हैरिस गाजा में हमले के कारण होने वाली नागरिक हताहतों की संख्या को लेकर वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन से अधिक आलोचनात्मक रहीं।

रोजगार सृजन के लिए सरकार प्रतिबद्धः मांडविया

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने राज्यसभा में कहा कि मोदी सरकार रोजगार सृजन के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए लगातार योजनायें और कार्यक्रम चलायें जा रहे हैं।

श्री मांडविया ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान कहा कि सरकार की रोजगार सृजन के लिए 15 योजनायें चल रही हैं। इनसे युवाओं को रोजगार मिल रहा है और नियोक्ताओं को भी प्रोत्साहन मिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और स्वनिधि योजना से लोगों को स्व रोजगार मिल रहा है। करोड़ों लोगों को आजीविका मिली है। रोजगार के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। केंद्रीय मंत्री कहा कि पिछले 10 वर्ष के दौरान अर्थव्यवस्था का विकास हो रहा है, जिसका अर्थ है कि रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। सरकार के प्रयासों से बेरोजगारी की दर घट रही है।

एक राष्ट्र- एक चुनाव पर विचार हो रहा है : मेघवाल

नई दिल्ली। विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने राज्यसभा में कहा कि देश में 'एक राष्ट-एक चुनाव' पर विचार विमर्श हो रहा है। श्री मेघवाल ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान कहा कि एक राष्ट्र - एक चुनाव का मुख्य कारण देश में बार बार चुनाव और चुनाव खर्च है। देश में 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' की व्यवस्था बनाने के लिए एक समिति का गठन किया गया और इसकी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंप दी गयी है। इस रिपोर्ट के आवश्यक पहलुओं पर विचार हो रहा है।विधि एवं न्याय मंत्री ने कहा कि एक राष्ट्र -एक चुनाव के लिए लोकसभा के चुनाव और संचालन से संबंधित 80 कानूनों में संशोधन का प्रस्ताव है। लोकसभा एवं विधानसभा के चुनाव एक साथ होंगे। उन्होंने कहा कि समिति के समक्ष 62 राजनीतिक दलों के बयान दिया है। इनमें से 32 दल एक राष्ट्र- एक चुनाव के पक्ष में है। उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट सार्वजनिक क्षेत्र में है और एक राष्ट्र - एक चुनाव से संबंधित सभी रिपोर्ट इसमें समाहित की गयी है।

वन क्षेत्रों को बचाने के व्यापक प्रबंध

नई दिल्ली। पर्यावरण,वन एवं जलवायु मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा है कि वन क्षेत्रों को आग से बचाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रबंध किये गये हैं। श्री यादव ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान कहा कि वनों में आग लगने के मुख्य कारणों में बढता तापमान और अन्य दुर्घटनायें हैं। उन्होंने कहा कि वन क्षेत्रों को आग से बचाने के लिए निरंतर निगरानी की जाती है।उन्होंने कहा कि वनों में आग लगने पर सभी उपलब्ध संसाधनों का प्रयोग किया जाता है। इसके अलावा वन क्षेत्रों के बीच अग्निरोधक दीवार बनायी जाती है जिससे आग से फैलने से रोका जाता है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में श्री यादव ने कहा कि वन कटाई के उपरांत नए वन क्षेत्र बनायें जाते हैं और इसके लिए दिशा निर्देश दिये जाते हैं। सडक आदि के निर्माण में वन्य जीवों के आवागमन का विशेष रुप से ध्यान रखा जाता है। वन क्षेत्र का दो वर्ष में सर्वेक्षण किया जाता है। देश में 33 प्रतिशत के वन क्षेत्र का लक्ष्य है। इसकी दिशा में बढा जा रहा है। ग्रीन इंडिया मिशन चल रहा है जिसके अंतर्गत नये वन क्षेत्र बनायें जाते हैं और वृक्षारोपण किया जाता है। देश में एक पेड मां के नाम एक पेड अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ राज्य आंध्रप्रदेश, तेलंगाना और झारखंड जैसे राज्यों में वन क्षेत्र बढा है जबकि पूर्वोत्तर क्षेत्र के कई राज्यों अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, नागालैंड में इसमें मामूली कमी आयी है। उन्होंने कहा कि विकास की धारा सभी तक पहुंचना आवश्यक है। पूर्वोत्तर क्षेत्र में लोगों तक आधारभूत सुविधायें पहुंचायी जा रही है।

महेंद्र कुमार बने निति आयोग के उप-सचिव

नई दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी महेंद्र कुमार और अमित मीणा को क्रमशः निति आयोग तथा कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय में उप-सचिव नियुक्त किया गया है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी परिपत्रों के अनुसार श्री कुमार 2014 बैच के उत्तर प्रदेश कैडर के अधिकारी हैं और वह इस समय वाणिज्य विभाग में नयी नियुक्ति की प्रतीक्षा सूची में थे। श्री कुमार को 18 जून 2027 तक या अगले किसी अन्य आदेश तक के लिए नीति आयोग में भेजा गया है।

वैश्विक व्यवधानों ने भारत को रक्षा विनिर्माण क्षमता बढाने का मौका दिया

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने कहा कि वैश्विक व्यवधानों के कारण भारतीय रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को अपनी रक्षा विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने का मौका मिला है जिससे कि भारत एक आयातक देश के बजाय रक्षा उत्पादों तथा साजो सामान का निर्यातक बन सके। जनरल चौहान उद्योग संगठन फिक्की द्वारा आयोजित सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि वैश्विक भू-राजनीतिक माहौल निरंतर बदल रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा, 'हम बड़े वैश्विक व्यवधानों के युग से गुजर रहे हैं। दुनिया की अस्थिरता, अनिश्चितता, जटिलता और अस्पष्टता की अनिश्चितताओं के बीच, वैश्विक हथियार उद्योग बढ़ती

मांग और आपूर्ति के अंतर की एक विकट समस्या से जूझ रहा है,'।

जनरल चौहान ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के महत्व पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि यह राष्ट्र के लिए रणनीतिक स्वायत्तता प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने विशेष रूप से गोला-बारूद निर्माण के संबंध में 'मेक इन इंडिया' और 'मेक फॉर द वर्ल्ड' अभियान को बढ़ावा देने के लिए रक्षा मंत्रालय और सशस्त्र बलों द्वारा की गई विभिन्न नीतिगत बदलावों, सुधारों और पहलों का उल्लेख किया। नागरिक-सैन्य तालमेल के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने देश के आत्मनिर्भरता अभियान को बढ़ावा देने के लिए सेवाओं, रक्षा उद्योगों और शिक्षा जगत सहित वैज्ञानिकों की तिकड़ी को एक साथ आने का आह्वान किया। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष ने युद्ध सामग्री में आत्मनिर्भरता को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया।

आईजीएनसीए ने किया चार पुस्तकों का लोकार्प, चार फिल्में भी रिलीज की

नई दिल्ली। दिल्ली में हरियाली तीज के अवसर पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) ने चार पुस्तकों का लोकार्पण किया और इसके साथ ही चार फिल्में भी रिलीज की। आईजीएनसीए की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान जिन चार पुस्तकों का लोकार्पण हुआ, उनमें 'गुरुद्वाराज ऑफ पंजाब', 'पंडनू के कड़े', 'एंडेजर्ड टोडा ट्राइबः बफैलो कल्चर एंड लैंग्वेज प्रिजर्वेशन' तथा 'उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत' का शामिल हैं। इसके अलावा, चार फिल्मों में 'साहेब बंदगी', 'मानगढ़ वेलर सागा ऑफ भील ट्राइब', 'रामलीला ऑफ ओडिशा' एवं 'यमुनाः द रिवर ऑफ गॉड्स एंड ह्यूमन' को रिलीज किया गया। कार्यक्रम के हरियाणा के कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुति देकर लोगों को दिल जीत लिया। इस मौके पर आईजीएनसीए के अध्यक्ष रामबहादुर राय, सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद

जोशी, शिक्षाविद्, कहानीकार एवं लेखिका मालविका जोशी, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, इग्नू की निदेशक प्रो. सुहास शेटगोवेकर और जनपद सम्पदा के विभागाध्यक्ष प्रो. के. अनिल कुमार उपस्थित रहे।

मुख्य चुनाव आयुक्त दो दिवसीय जम्मू-कश्मीर दौरे पर

एजेंसी

श्रीनगर। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार जम्मू-कश्मीर में विधान सभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा के लिये गुरुवार सुबह श्रीनगर पहुंचे।

शीर्ष न्यायालय ने केन्द्र शासित प्रदेश में विधान सभा चुनाव की तारीख 30 सितंबर तय की है। उन्होंने बताया कि चुनाव आयोग के अधिकारियों के दो दिवसीय दौरे का उद्देश्य आगामी विधान सभा चुनावों के लिए व्यापक चर्चा और आकलन करना है। शीर्ष न्यायालय ने 11 दिसंबर, 2023 को पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को दिए गए विशेष दर्जे को खत्म करने के फैसले को बरकरार रखते हुए चुनाव आयोग को 30 सितंबर तक जम्मू-कश्मीर में विधान सभा चुनाव कराने का निर्देश दिया था। इससे पहले, यहां पिछला विधान सभा चुनाव 2014 में हुआ था। अधिकारियों ने बताया कि सीईसी कुमार चुनाव आयुक्तों के साथ डल झील के किनारे शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर

(एसकेआईसीसी) पहुंचे, जहां उनका सबसे पहले जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मिलने का कार्यक्रम है। चुनाव आयोग के साथ बैठक से पहले एक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता ने कहा, हम स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए सभी को जागरूक करेंगे, जिससे चुनावों में अधिक भागीदारी सुनिश्चित हो सके। राजनीतिक दलों से मिलने के बाद, चुनाव आयोग जम्मू-कश्मीर के सभी जिलों के जिला आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों से चर्चा करेंगे। चुनाव आयोग की टीम नौ अगस्त को जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक सहित शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात करेगी तथा फिर आगे की चर्चा के लिए जम्मू रवाना होगी।

'भारत विरोधी देशों को खुफिया जानकारियां हासिल करने में मदद कर रही है महुआ'

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की कृष्णानगर लोकसभा सीट से टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर की ओर से जारी किए गए एक पास पर बीजेपी और उन्हें घेरा है. इस पास में बीएसएफ को कहा गया है कि पासधारक को बीफ ले जाने की अनुमति दी जाए. उनके इस पास पर सियासी घमासान शुरू हो गया है.

महुआ मोइत्रा ने अपने पोस्ट में दावा किया है कि केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर ने अपने ऑफिसियल लेटरहेड पर स्मग्लर्स को बीफ ले जाने की आधिकारिक स्वीकृति दी है. महुआ के द्वारा पोस्ट की गई तस्वीर में शांतनु ठाकुर के ऑफिसियल लेटरहेड में उत्तर 24 परगना के जियारुल गाजी के द्वारा तीन किलो बीफ ले जाने का पास है. महुआ ने इस पोस्ट में होम मिनिस्टर को टैग किया है. इसी के बाद जब पश्चिम बंगाल में सियासी गर्मी बढ़ने लगी तो शांतनु ठाकुर ने प्रेस कांफ्रेंस कर सफाई देते हुए स्वीकार किया कि यह पास उनके द्वारा जारी किया गया है.

केंद्रीय मंत्री ने क्या कहा?

शांतनु ठाकुर ने बीएसएफ पर आरोप लगाते हुए कहा कि इलाके में जो 85 बटालियन है, वहां कुछ लोग टीएमसी के साथ मिले हुए हैं, ऐसे में वहां पक्षपात हो रहा है और टीएमसी से जुड़े लोगों को राजनीतिक छत्रछाया मिल रही है. इसलिए उस इलाके में संतुलन बनाए रखने के लिए मैंने यह पास दिये हैं. शांतनु ठाकुर ने पूरे मामले को बागदाह विधानसभा उपचुनाव से पहले नेगेटिव प्रचार किया जा रहा है.

वहीं, बीएसएफ सूत्रों के मुताबिक भारत-बांग्लादेश बॉर्डर इलाके में गांव के लोगों को सामान ले जाने के लिए स्थानीय पंचायत की तरफ से पर्ची (पास) जारी की जाती है. इस पास को देखने के बाद ही बीएसएफ की चौकियां लोगों को एक गांव से दूसरे गांव सामान ले जाने देती हैं. भारत की तरफ गांव में सामान ले जाने के लिए यह पास जरूरी है, जिसे टीएमसी संचालित पंचायत के द्वारा जारी किया जाता है. हालांकि, इस पास से किसी भी कीमत पर सामान बांग्लादेश नहीं ले जाया जा सकता है. सिर्फ भारत में ही बॉर्डर पर यह पास कारगर है. बीएसएफ सूत्रों के मुताबिक, कई सालों पहले कोर्ट में भी यह मामला बहस का विषय बना था, तब अदालत ने सामानों के रेगुलेशन के लिए बीएसएफ को ही अनुमति दी थी. शांतनु ठाकुर ने जियारुल गाजी को भी प्रेस कॉन्फ्रेंस में साथ लिया, जिसे यह पास दिया गया था. जियारुल के मुताबिक, खाने के लिए वह तीन किलो बीफ लेकर आए थे. उन्होंने कहा कि हकीमपुर बॉर्डर पर उनके गांव में कुछ भी सामान ले जाने के लिए बीएसएफ को पास दिखाना होता है।

काकोरी प्रतिरोध की घटना युवाओं को सदैव प्रेरित करती रहेगीः शेखावत

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा है कि काकोरी में क्रांतिकारियों के प्रतिरोध की घटना युवाओं को सदैव प्रेरणा देती रहेगी। यहां कांस्टीट्यूशन क्लब में सभ्यता अध्ययन केंद्र के काकोरी प्रतिरोध शताब्दी वर्ष समारोह श्रृंखला के उद्घाटन कार्यक्रम में श्री शेखावत ने कहा कि भारत में जानबूझकर इसे प्रयास किए गए कि भारतीय इतिहास को कितना छुपाया जाय। उन्होंने कहा, 'हम इतिहास को जानने का प्रयास करेंगे, तो पता चलता है भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के दौरान लखनऊ के निकट काकोरी में क्रांतिकारियों ने स्वयं सक्षम होने और सहारनपुर से लखनऊ जाने वाली रेलगाड़ी में काकोरी में अंग्रेजी सरकार को आर्थिक हानि पहुंचाने के उद्देश्य से चलती ट्रेन में सरकारी ख़ज़ाने को लूटा था। नौ अगस्त 1925 को घटित इस घटना में युवा क्रांतिकारी राम प्रसाद बिस्मिल, अशफ़ाकउल्ला खान, राजेंद्र लाहिड़ी, चंद्रशेखर

आज़ाद, शचींद्रनाथ सान्याल, ठाकुर रोशन सिंह और अन्य क्रांतिकारी शामिल थे। घटना के बाद सितंबर तक इस मामले में कुल 40 क्रांतिकारियों गिरफ्तार किया गया। राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान, राजेंद्र लोहड़ी और ठाकुर रोशन सिंह फांसी की सजा दी गई थी।

इस कार्यक्रम में श्री शेखावत के अलावा रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ, भारतीय पुलिस सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ सत्यपाल सिंह भी शामिल हुए। काकोरी विमर्श पर आमंत्रित प्रमुख वक्ता डॉ. बी आर अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली के उप अधिष्ठाता (अकादमिक) एवं म्यूजियम एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. आनंदवर्धन थे ।

इस मौके पर सभ्यता अध्ययन केंद्र के निदेशक श्री रविशंकर ने स्वाधीनता आंदोलन के दौरान उन अमर बलिदानियों का स्मरण करते हुए काकोरी विमर्श की भूमिका स्थापित की। उन्होंने बताया कि काकोरी प्रतिरोध की घटना को इतिहास में वह स्थान नहीं दिया गया, जो उसे मिलना चाहिए था। उन्होंने बताया कि क्रांतिकारी वीरों के योगदान को पूरे देश में फैलने के लिए सभ्यता अध्ययन केंद्र वर्षभर कार्यक्रम आयोजित करेगा। उन्होंने कहा कि काकोरी कांड नहीं, बल्कि काकोरी प्रतिरोध था। वहीं, डॉ. आनंदवर्धन ने भारत के इतिहास के विद्रोही आंदोलन पर अनेक घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने बताया 1908 के बाद स्वाधीनता आंदोलन, जिसमें आदिवासी आंदोलन, पहाड़ी आंदोलन से निकला उसे महत्व नहीं दिया गया। वर्ष 1857 की क्रांति वैश्विक घटनाओं से कहीं न कहीं प्रभावित थी। मंगलपांडे हों, सीता राम पांडे हों, ईश्वरी पांडे हों सभी जानते थे कि अंग्रेज सरकार ईस्ट इंडिया कंपनी से अधिक क्रूर थी। भगवान बिरसामुंडा ने कहा था कि सारी सभ्यता की विरोध की जननी अंग्रेज रानी है। आर्य समाज के संस्थापक दयानंद सरस्वती का अवदान जानबूझकर छोटा किया गया। उन्होंने गांधी जी के एक कथन को उद्धृत किया कि कि शिक्षा आने में देर की जा सकती है, लेकिन स्वाधीनता लाने में हम देर नहीं कर सकते।

जल जीवन मिशन के तहत पंद्रह करोड़ घरों को मिला रहा नल से जल : पाटिल

नई दिल्ली। सरकार ने लोकसभा में कहा कि जल जीवन मिशन के तहत देश भर के पंद्रह करोड़ घरों को नल से जल मिल रहा है। जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल ने प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि पिछले सत्तर साल में पेयजल को लेकर कोई काम नहीं किया गया इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जल जीवन मिशन लेकर आना पड़ा। जल जीवन मिशन में स्पष्ट है कि इस योजना को राज्य सरकार के द्वारा लागू किया जाता है और केंद्र सरकार द्वारा इसमें आर्थिक और तकनीकी सहायता दी जाती है।

श्री पाटिल ने एक अन्य पूरक प्रश्न के जवाब में कहा कि दमन और द्वीप के सभी घरों को नल से जल मिल रहा है। हालांकि दमन द्वीप से निर्दलीय सांसद उमेशभाई पाटिल ने पूरक प्रश्न में कहा कि उनके राज्य में 90 फ़ीसदी घरों में नल से जल नहीं आता है सरकार को इसकी जाँच करानी चाहिए। इसके जवाब में जल शक्ति मंत्री ने कहा कि वहाँ के सभी सरपंचों ने लिखित में दिया है कि सभी घरों में नल से जल आ रहा है इसलिए जाँच कराने की आवश्यकता नहीं है।

वनवासी कल्याण आश्रम ने दिल्ली में नवनिर्वाचित जनजातीय सांसदों को किया सम्मानित

नई दिल्ली अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम ने दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब के डिप्टी स्पीकर हॉल में आयोजित नवनिर्वाचित जनजातीय सांसद स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह में देशभर के नवनिर्वाचित जनजातीय सांसदों को सम्मानित किया। इस मौके पर केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम ने अपने संबोधन में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपयी की दूरदर्शिता की सराहना करते हुए अलग से जनजातीय कार्य मंत्रालय के गठन का श्रेय दिया। उन्होंने द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्रपति बनने को समस्त जनजातीय समाज के लिए गर्व की बात बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जनजातीय समाज की शिक्षा पर जोर का उल्लेख करते हुए एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय और जवाहर नवोदय विद्यालय के लिए भरपूर बजट देने और विद्यालयों के निर्माण का जिक्र किया। उन्होंने इस कार्य में राज्य सरकारों के साथ-साथ सभी सांसदों से सहयोग करने का भी आग्रह किया।

Name Change
I, HEMLATA DAPKARA W/o No. JC-736449A Rank- NB/SUB, Name-SUNIL KUMAR DAPKARA R/o VILL-SUWASRA, PO-SUWASRA, TEH-SUWASRA, DIST-MANDSAUR (MADHYA PRADESH)-458888 , in my husband service AOC record by mistake my name is HEMLATA, While my correct name is HEMLATA DAPAKARA Vide affidavit dated 9/08/2024 before Delhi Court.

Name Change
I, SHAIK HASEENA BEGUM wife of JC-312848X Rank-SUB Name-KARIMULLA SHAIK R/o VPO-LAM, MANDAL-TADIKONDA, DIST-GUNTUR, ANDHRA PRADESH-522034 have changed my name from SHAIK HASEENA BEGUM to SHAIK HASEENA for all future purposes vide affidavit dated 09/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, NEETA MANHAS wife of NO-14834998M Rank-SEP Name-NARDEV SINGH MANHAS R/o VILL-GHO- MANHASAN, PO-GHO-BRAHMANA, TEH- RAMGARH, DISTT –SAMBA, JAMMU AND KASHMIR-184120 have changed my name from NEETA MANHAS to NEETA KUMARI for all future purposes vide affidavit dated 09/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, NO-922996H Rank-SGT Name-KIRAN KUMAR M S/O MURTHY H R R/O H NO-2031, HOSAPETE ROAD, MAGADI TOWN, RAMANAGARA DISTRICT, KARNATAKA-562120 have changed my minor daughter's name from DRUTHI to DRUTHI .K for all future purposes vide Affidavit dated 09/08/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change
I, SANDHIYA RAI is legally mother of No. 13774503M Rank- RFN, Name- UPEN RAI R/o VILL-KHUNDRUKEY, PO-DEORALI, TEH-KURSEONG, DIST-DARJEELING (WB)-734220 have changed my name from SANDHIYA RAI to SANDHYA RAI for all future purposes. Vide affidavit dated 09/08/2024 before Notary Public New Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, KULDEEP SINGH S/O KEHAR SINGH R/O 102, Zamrudpur GK- 1, Greater Kailash, South Delhi, New Delhi-110048, declare that name of my minor Son has been wrongly written as BHAVISHYA in my minor Son namely BHAVISHYA SINGH aged 13 years in his educational documents. The actual name of my minor Son is BHAVISHYA SINGH, respectively which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, RAJESH JHA S/O FARINDER JHA R/O H. NO. 23, POCKET-4, SECTOR-2, VTC: ROHINI, PO: ROHINI, SECTOR-7, SUB DISTRICT: NARELA, DISTRICT: NORTH WEST DELHI, DELHI-110085 declare that name of my minor son has been wrongly written as YASH JHA in my minor son YASH KASHYAP aged 13 years in his school record. The actual name of my minor son is YASH KASHYAP, which may be amended accordingly

Name Change
I, Mahavir Singh Sharma S/o Chandan Singh Sharma R/o H.No-46/3, Gopal Nagar ,Gurgaon, Haryana-122001, Have Changed My Name To Mahavir Sharma For All Future Purpose

Name Change
I, K MEMMENI father of JC-314826X Rank-NB/SUB Name-BALA SENTHIL KUMAR M R/o NO-6-9/5, GOPALAPURAM, PEIRYAKAI YAGAM, MUDUKULATHUR, THERIRUVELI, RAMANATHAPURAM, TAMIL NADU-623711 have changed my name from K MEMMENI to MEMMELI KALIMUTHU for all future purposes vide affidavit dated 09/08/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, MOHAMMAD AQUIB AKHTAR S/o MOHAMMAD SAYEED AKHTAR, R/o H.NO-817/4, SECOND FLOOR, RIGHT SIDE, ZAKIR NAGAR, JAMIA NAGAR, OKHLA, NEW DELHI-110025, declare that the name of mine has been wrongly written as MOHD AQUIB AKHTAR in my minor son namely ZUNAIR AKHTAR, aged 10 years in his transfer certificate. The actual name of mine is MOHAMMAD AQUIB AKHTAR, which may be amended accordingly

Name Change
I, SELVI D mother of NO-16114742H Rank-HAV Name-THANGABALU D R/o VILL-NEEPALAMPATTU, PO-AMIRTHY, TEH-POLUR, DIST-TIRUVANNAMALI, TAMIL NADU-632102 have changed my name from SELVI D to D SELVI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1957 instead of my correct date of birth as 10/07/1965 vide affidavit dated 09/08/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change
I hitherto known as SUKHWINDER SINGH JOHAL S/O MAJOR SINGH R/O B-2/19 SECTOR-17. ROHINI, NORTH WEST DELHI-110089 have changed my name and shall hereafter be known as SUKHWINDER SINGH.

Name Change
I, ARCHANA DEVI Wife of JC-706052Y Rank-SUB Name-ASHOK KUMAR Presently residing at VILL-RAM NAGAR, PO-AKOLA, TEH+DIST-AGRA, UTTAR PRADESH-283102 have changed my name from ARCHANA DEVI to ARCHANA CHAHAR for all future purposes vide Affidavit dated 09/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, M MARRY mother of NO-16120299W Rank-HAV Name-FRANCIS ARPUTHAM M R/o VILL-AGARAKATTU, PO-AYIKUDI, TEH-KADAYANALLUR, DIST-TIRUNELVELI, TAMIL NADU-627852 have changed my name from M MARRY to MARY M for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 10/08/1965 instead of my correct date of birth as 10/06/1965 vide affidavit dated 09/08/2024 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE
My clients Rais Ahmed S/o Sh. Imam Hasan & Mahjabi W/o Sh. Rais Ahmed both R/o T-57, Ward No.6, Islam Colony, Mehrauli, New Delhi-110030, their disowned and debarred their son Salman and his wife Alina Siddiqui from their all movable, immovable properties & jewellery etc. and have no relation with them in future.
Jyoti Singh Advocate
CH.NO.92 PATIALA HOUSE COURT
NEW DELHI-110001

Name Change
I, JAI SHREE ARJUN LAGALI Mother of No-16116907P Rank-HAV Name-SHIVARUDRA ARJUN LAGALI, Presently residing at VPO+TEH-ATHANI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591304 have changed my name from JAI SHREE ARJUN LAGALI to JAYSHRI LAGALI for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1974 instead of my correct date of birth as 01/01/1973 vide Affidavit dated 09/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, GOVINDARAJ Father of No. 16114452L Rank-NK Name-KANAGARAJ G R/o 31, KOLLAMPUTHUR, VTC-BALAKRISHNAPURAM, PO-THOTTNATHU, TEH+DIST-DINDIGUL, TAMIL NADU-624005 have changed my name from GOVINDARAJ to V GOVINDHARAJ for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1966 instead of my correct date of birth as 01/01/1961 Vide Affidavit dated 09/08/2024 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, B HEBZIBAH D/O RICHARD JACOB W/O VICTOR SAMUEL R/O H.NO. 272, 273, SECOND FLOOR, BLOCK-B, POCKET-5, SECTOR-5, ROHINI, DELHI-110085 declare that name of mine and my father has been wrongly written as B HEBZI BAH and B RICHARD JACOB in my 10th class educational documents and HEBZIBAH BUTHAPATI and RICHARD JACOB. B in my 12th class educational documents and B. HEBZIBAH and B. RICHARD JACOB in my Diploma in General Nursing & Midwifery. The actual name of mine and my father are B HEBZIBAH and RICHARD JACOB, which may be amended accordingly.

Name Change
I, G INDURANI Mother of No. 16114452L Rank-NK Name-KANAGARAJ G R/o 31, KOLLAMPUTHUR, VTC-BALAKRISHNAPURAM, PO-THOTTNATHU, TEH+DIST-DINDIGUL, TAMIL NADU-624005 have changed my name from G INDURANI to INDHIRANI G for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1977 instead of my correct date of birth as 01/01/1962 Vide Affidavit dated 09/08/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change
I, MARIYA DEVA DASON father of NO-16120299W Rank-HAV Name-FRANCIS ARPUTHAM M R/o VILL-AGARAKATTU, PO-AYIKUDI, TEH-KADAYANALLUR, DIST-TIRUNELVELI, TAMIL NADU-627852 have changed my name from MARIYA DEVA DASON to MARIYADEVADASAN .M for all future purposes vide affidavit dated 09/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, No. 16134266W SPR ARUN CR S/o RAVI Presently residing at CHUNDAPARAMBIL HOUSE, KALIKAVU, VILL-KOTTAYI-1, PO-CHERUKULAM, TAL-ALATHUR, DIST-PALAKKAD, KERALA-678572 have changed my name from ARUN CR to ARUN C R for all future purposes vide Affidavit dated 09/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, MOHAMMAD PERVAIZ QURESHI S/O MUSTUFA QURESHI residing at 2596, 5TH FLOOR, KUCHA CHELAN, DARYA GANJ, DELHI-110006 have changed my name to MOHD PERVAIZ QURESHI for all future purpose.

Name Change
I, VIJAYAKUMARI Mother of No. NO-16134266W SPR ARUN C R Presently residing at VILL CHUNDAPARAMBIL HOUSE, KALIKAVU, VILL-KOTTAYI-1, PO-CHERUKULAM, TAL-ALATHUR, DIST-PALAKKAD, KERALA-678572 have changed my name from VIJAYAKUMARI to VIJAYAKUMARI M K for all future purposes vide Affidavit dated 09/08/2024 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्रीमती रेशमा पत्नी श्री सलीम अहमद, संपत्ति संख्या सी–28–ए के छत के अधिकार के बिना दूसरी मंजिल के फ्रीहोल्ड आवासीय निर्मित हिस्से की मालिक हैं, क्षेत्रफल 55 वर्ग गज है, खसरा संख्या 27/13, ब्लॉक–सी की आबादी में स्थित है। , पुराना गोबिंद पुरा, गांव खुरेजी खास के क्षेत्र में, इलाक़ा शाहदरा, दिल्ली–110051। सदाचार द्वारा, बिक्री विलेख दिनांक 15.01.2024 जैसा कि दस्तावेज़ संख्या 198, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 10971, पृष्ठ– 46 से 54, एसआरओ– VIII नई दिल्ली, नीचे उल्लिखित दस्तावेजों की श्रृंखला में उपलब्ध नहीं हैं यानी स्वर्गीय श्रीमती अफशा बानो की एसएमसी 14.05.2011 अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि उक्त संपत्ति पर किसी अन्य व्यक्ति का कोई अधिकार नहीं है, उसी संपत्ति को वर्तमान में गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित किया जाता है और अब उसे आईसीआईसीआई होम फाइनेंस द्वारा फिर से वित्तपोषित किया जाएगा। कंपनी लिमिटेड शाखा गाजियाबाद, उ.प्र. यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

कांग्रेस सरकार में मिलेगी खिलाड़ियों को उच्च पदों पर नियुक्ति, लागू होगी 'पदक लाओ, पद पाओ' नीति : हुड्डा

एजेंसी

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने पहलवान विनेश फोगाट को राज्यसभा भेजने की बात कही है। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस के पास विधायकों की संख्या पूरी होती तो निश्चित ही पार्टी विनेश को राज्यसभा भेजती। क्योंकि विनेश फोगाट ने खेलों में देश का नाम रोशन किया है। इस ओलंपिक में उनका प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। उन्होंने दुनियाभर की धुरंधर पहलवानों को पटकनी दी। पहले ही मैच में उन्होंने जापान की ऐसी पहलवान को हराया जो अब तक अजेय रही थीं। अगर उन्हें अयोग्य नहीं ठहराया जाता तो निश्चित ही विनेश देश के लिए गोल्ड मेडल लेकर आतीं। इसलिए उन्हें राज्य सरकार द्वारा गोल्ड मेडल विजेता वाला ही इनाम, सम्मान और पद दिया जाना चाहिए।कांग्रेस पार्टी की भावना है कि विनेश फोगाट को राज्यसभा भेजा जाना चाहिए। इससे तमाम खिलाड़ियों, महिलाओं का हौसला बढ़ेगा और पूरे देश में सकारात्मक संदेश जाएगा।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा से मिलने के लिए आज शूटिंग में दो ओलंपिक पदक जीतने वाली मनु भाकर और उनके माता-पिता भी पहुंचे। हुड्डा ने मनु भाकर को बहुत-बहुत बधाई और आशीर्वाद दिया। इस मौके पर सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा भी मौजूद रहे। उन्होंने भी मनु भाकर को बधाई व शुभकामनाएं दी। हुड्डा ने कहा कि छोटी उम्र में मनु भाकर ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

विनेश फोगाट को अगले ओलंपिक में मेडल लेकर दिखाना चाहिए क्योंकि देश उनसे पूरी उम्मीद रखता है : विज

चण्डीगढ़। हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने आज कुश्ती खिलाड़ी विनेश फोगाट के संन्यास लेने पर उन्हें राय देते हुए कहा कि ''विनेश फोगाट को हार नहीं माननी चाहिए क्योंकि खेल में जीत-हार दोनों लगी रहती है और जो अब नहीं हो सका वो अगले ओलंपिक में करके दिखाना चाहिए क्योंकि देश उनसे पूरी उम्मीद रखता है''। विज आज मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे। पेरिस ओलंपिक में अयोग्य होने के बाद विनेश फोगाट के संन्यास लेने के ऐलान के बाद विज ने विनेश फोगाट को प्रयास न छोड़ने की सलाह दी। इस पर उन्होंने कहा कि ''उन्हें अपने बचपन की एक कविता याद आ गई है 'किंग ब्रूस एंड द स्पाइडर' जिसमे लिखा था कि एक राजा हार के एक गुफा में जाकर छुप गया और गुफा में राजा ने क्या देखा कि एक स्पाइडर लाख कोशिशों के बाद दीवार पर चढ़ता है वैसे ही विनेश को भी लगातार कोशिश करते रहना चाहिए''।

पूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने अपने एक बयान में कहा है कि अगर उनकी नंबर में मजबूती होती तो वे विनेश को राज्यसभा में बिठाते जिस पर तंज कसते हुए पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि ''हुड्डा जी हमेशा वही बातें करते है और उन्हीं बातों का आश्वासन देते है, जो पूरी नहीं हो सकती और वो नहीं कर सकते। उन्होंने भूपेन्द्र सिंह हुडा पर तंज कसते हुए कहा कि ओलंपिक में गोल्ड मैडल जीतने पर फोगाट को जो राशि मिलती अर्थात 6 करोड़ उन्होंने खेल मंत्री होते हुए देने का ऐलान किया था, वो 6 करोड़ रूपए हुड्डा अपने हिस्से से विनेश फोगाट को दे दे, परंतु वे ये नहीं करेंगें। इन्होंने (भूपेन्द्र सिंह हुडडा) वहीं दावे किए हैं जो ये पूरा नहीं कर सकते''।

झूठे वायदे कर युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है सरकार: कुमारी सैलजा

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि झूठे वायदे कर प्रदेश की जुमलेबाज भाजपा सरकार युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है, केंद्र सरकार जैसा अग्रिवीरों के साथ कर रही है वैसा ही खेल प्रदेश सरकार एचकेआरएन कर्मचारियों के साथ खेल रही है। प्रदेश में चारो ओर हड़ताल ही हड़ताल है, कही कर्मचारी, कही आंगनबाड़ी, कही शिक्षक, कही डॉक्टर, कभी नर्स तो कभी लिपिक हड़ताल पर है, किसानों की हड़ताल तो जारी है, लोगों में असुरक्षा का भाव है, रोजी रोटी को लोग भागम भाग है, चारों और अफरा तफरी मची हुई है पर सरकार है कि चादर तानकर सो रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आते ही सबसे पहले हरियाणा कौशल रोजगार निगम को भंग कर युवाओं को पक्की नौकरी दी जाएगी। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि वायदा करके मुकर जाने की प्रदेश की भाजपा सरकार की पुरानी आदत है। प्रदेश में किसान, मजदूर, युवा, महिलाएं, विद्यार्थी और कर्मचारी हड़ताल पर है, गूंगी बहरी सरकार चादर तानकर गहरी नींद में सो रही है। एनएचएम कर्मचारियों की हड़ताल से स्वास्थ्य सेवाएं ठप हैं। हड़ताल से एनीमिया कार्यक्रम, टीकाकरण, एंबुलेंस सेवा, कैंसर मरीजों की जांच, गर्भवती का पंजीकरण आदि सुविधाएं प्रभावित हैं। पर सरकार हठधर्मिता पर अडिग है।

ओलिंपियन विनेश फोगाट के पक्ष में कांग्रेसियों का धरना

सोनीपत। गोहाना में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ओलंपियन महिला पहलवान विनेश फोगाट को न्याय दिलाने की मांग को लेकर धरना दिया है। कांग्रेसियों ने विनेश को परिस ओलिंपिक में रेसलिंग में अयोग्य ठकराने पर रोष जताया और जोरदार नारेबाजी की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ गोहाना के कांग्रेस विधायक जगबीर मलिक और बरोदा विधायक इंदूराज भोलू भी अंबेडकर चौक पर धरने में शामिल हुए। दोनों विधायकों ने भारत के प्रधानमंत्री से इसमें हस्तक्षेप की मांग की है।

हरियाणा के बीपीएल परिवारों को पांच सौ रुपये में मिलेगा गैस सिलेंडर

मंत्रिमंडल की बैठक में प्रस्ताव को दी मंजूरी, योजना से 49 लाख परिवार होंगे लाभान्वित

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत एलपीजी उपभोक्ता के रूप में पंजीकृत परिवारों के लिए राज्य में नई एलपीजी योजना के कार्यान्वयन को मंजूरी दे दी गई। यह योजना 1 अगस्त, 2024 से लागू होगी। इस योजना के तहत हरियाणा राज्य के सभी पंजीकृत बीपीएल परिवारों को पांच सौ रुपये प्रति सिलेंडर की दर से प्रति वर्ष 12 सिलेंडर दिए जाएंगे।

इस नई योजना के अनुसार एलपीजी की सब्सिडी-राशि परिवार की सबसे बड़ी महिला सदस्य के बैंक खाते में स्थानांतरित की जाएगी। यदि परिवार में 18 वर्ष से अधिक आयु की कोई महिला सदस्य नहीं है तो यह राशि परिवार के सबसे बड़े पुरुष सदस्य के बैंक खाते में स्थानांतरित कर दी जाएगी।

प्रदेश सरकार की इस योजना से 49 लाख से अधिक परिवार लाभान्वित होंगे। इससे राज्य की गरीब महिलाओं के स्वास्थ्य और जीवन में सुधार होगा। हरियाणा सरकार बीपीएल परिवारों को लाभान्वित करने के लिए 1.417 करोड़ रुपये का खर्च वहन करेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को जींद में हरियाली तीज के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए घोषणा की थी कि प्रदेश में लाभार्थी परिवारों को अब 500 रुपये में गैस सिलेंडर मिलेगा। इसी घोषणा को आज कैबिनेट की बैठक में अमलीजामा पहनाकर तुरंत लागू कर दिया गया।

नगर निगम विकास कार्यों की 35 करोड़ रुपये की स्वीकृति

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत के नगर निगम मेयर कार्यालय में मेयर निखिल मदान की अध्यक्षता में वित्त एवं अनुबंध कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की गई और 35 करोड़ रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई।

बैठक के दौरान मेयर निखिल मदान ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे लंबित विकास कार्यों को शीघ्र पूरा करें और कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। वार्ड नं 1, 3, 12, 13 और 16 में विभिन्न विकास कार्य होंगे, जिसमें प्रमुख रूप से 24.82 करोड़ रुपये की लागत से हैबिटेट क्लब के पास आधुनिक ऑडिटोरियम और लाइब्रेरी का निर्माण शामिल है। इसके अलावा, 4 करोड़ रुपये की लागत से निहाल स्कूल रोहतक रोड से ककरोई रोड तक मिनी बाईपास बनाया जाएगा, जिससे यातायात का दबाव कम होगा। 1.77 करोड़रुपये की लागत से देवड़ू गांव से मुरथल में बने एसटीपी तक डीआई पाइपलाइन बिछाई जाएगी।

वार्ड 12 और 13 में सीसी गलियों का निर्माण और मरम्मत कार्य भी स्वीकृत हुए हैं। वहीं, विभिन्न वाटर बूस्टिंग स्टेशनों की मरम्मत पर 91.25 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। मेयर निखिल मदान ने कहा कि ये सभी कार्य जल्द ही शुरू किए जाएंगे और निगम अधिकारियों को अगली हाउस बैठक के लिए प्रस्तावित विकास कार्यों की सूची तैयार करने के निर्देश भी दिए हैं। बैठक में कई प्रमुख अधिकारी और निगम पार्षद उपस्थित थे।

अनुबंधित कर्मचारियों को मिली जॉब सिक्योरिटी, 1.20 लाख लाभान्वित होंगे

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने अनुबंधित कर्मचारियों के हित में बड़ा ऐतिहासिक फैसला लेते हुए अनुबंधित कर्मचारियों को जॉब सिक्योरिटी देने का फैसला किया है। इससे प्रदेशभर में लगभग 1 लाख 20 हजार अनुबंधित कर्मचारियों को बड़ा लाभ मिलेगा। सरकार का यह निर्णय आउटसोर्सिंग पॉलिसी पार्ट-1 और पार्ट-2 सहित एचकेआरएन के तहत कार्यरत अनुबंधित कर्मचारियों पर लागू होगा। इस संबंध में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में अनुबंधित कर्मचारियों की सेवाओं को सेवानिवृत्ति की तिथि तक सुरक्षित रखने की गारंटी और उन्हें अधिक सुविधाएं देने के लिए अध्यादेश लाने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की गई। इस अध्यादेश के अनुसार, राज्य सरकार ने प्रदेश के विभिन्न विभागों सहित हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत कार्यरत सभी अनुबंधित कर्मचारियों की सेवाओं को सेवानिवृति की अवधि तक सुरक्षित करने का प्रावधान किया है। 15 अगस्त, 2024 तक जिन अनुबंधित कर्मचारियों को 5 वर्ष पूरे हो जाएंगे वे इस नीति के तहत पात्र होंगे।

अनुबंधित कर्मचारियों को पे-स्केल का बेसिक वेतन प्रदान किया जाएगा। साथ ही, महंगाई भत्ते (डीए) अलाउंस के अनुरूप नियमित कर्मचारी की तर्ज पर हर जनवरी और हर जुलाई की पहली तारीख को अनुबंधित कर्मचारियों के मानदेय में वृद्धि करने का भी प्रावधान किया है। अनुबंधित कर्मचारियों को 1 साल की सेवा के बाद सालाना वेतन वृद्धि देने का भी प्रावधान किया गया है। ऐसे सभी कर्मचारियों को डेथ-कम-रिटायरमेंट ग्रेच्युटी का लाभ भी मिलेगा। इतना ही नहीं, अनुबंधित कर्मचारी मेटरनिटी एक्ट के तहत मिलने वाले सभी लाभ के लिए भी पात्र होंगे। पीएम-जन आरोग्य योजना-चिरायु एक्सटेंशन योजना के तहत अनुबंधित कर्मचारियों के परिवारों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ भी प्रदान किया जाएगा। 50,000 रुपए प्रतिमाह से अधिक वेतन लेने वाले अनुबंधित कर्मचारी इस नीति के तहत पात्र नहीं होंगे। इसके अलावा, केंद्रीय प्रायोजित स्कीमों के तहत कार्यरत कर्मचारियों पर यह फैसला लागू नहीं होगा। जिन्हें 5 साल और अधिक वर्ष काम करते हुए हो गए हैं, उन्हें मानदेय के अतिरिक्त समान पद के अनुसार उस पद के न्यूनतम पे लेवल से 5 प्रतिशत अधिक मिलेगा।

इसी प्रकार, जिन्हें 8 साल और अधिक वर्ष काम करते हुए हो गए हैं, उन्हें मानदेय के अतिरिक्त समान पद के अनुसार उस पद के न्यूनतम पे लेवल से 10 प्रतिशत अधिक मिलेगा। जिन कर्मचारियों को 10 साल और अधिक वर्ष काम करते हुए हो गए हैं, उन्हें मानदेय के अतिरिक्त समान पद के अनुसार उस पद के न्यूनतम पे लेवल से 15 प्रतिशत अधिक मिलेगा।

गेस्ट टीचर्स को भी अब मिलेंगे अतिरिक्त लाभ:

मंत्रिमंडल की बैठक में एक और बड़ा निर्णय लिया गया जिसमें उपरोक्त सुविधाओं और लाभों में से जो लाभ गेस्ट टीचर्स एक्ट में नहीं मिलते, अब वे लाभ गेस्ट टीचर्स को भी दिए जाएंगे। राज्य सरकार लगातार कर्मचारियों के हितों को लेकर? कटिबद्ध है, इसी दिशा में आज मंत्रिमंडल में यह ऐतिहासिक फैसला लिया गया है।

किसानों को खरीफ फसलों पर मिलेगा दो हजार रुपये प्रति एकड़ बोनस

धान, बागवानी व सब्जियों पर किसानों को बोनस के तौर पर दी जाएगी 1300 करोड़ की सहायता

एजेंसी

चण्डीगढ़। प्रदेश में मानसून के कमजोर होने के चलते खेतों में खड़ी फसलें सूखे की चपेट में आनी शुरू हो गई हैं। खासकर दक्षिणी हरियाणा में खेतों में खड़ी फसल सूख रही हैं। यही नहीं उत्तरी हरियाणा में धान की फसल में भी सूखे का असर दिखना शुरू हो गया है। हालांकि किसान फसल को बचाने की कवायद में जुटा हुआ है। ऐसे में नायब सरकार ने किसानों के आर्थिक नुकसान की भरपाई करने का कदम उठाया है।

मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में आयोजित हुई मंत्रिमंडल की बैठक में खरीफ की फसलों पर बोनस देने का फैसला लिया गया है। खरीफ की फसल के बोनस के लिए किसानों को लगभग 1300 करोड़ रुपये सहायता मिलेगी। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मुख्यमंत्री नायब सैनी ने ऐलान किया कि किसानों को बोनस धान, फल, सब्जी और बागवानी की फसलों पर दिया जाएगा। किसानों को प्रति एकड़ दो हजार रुपये का बोनस दिया जाएगा। एक एकड़ से कम जोत वाले किसानों को भी बोनस का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष मानसून में बेहद कम वर्षा हुई है। जुलाई माह 2023 में 265 मिलीमीटर बारिश हुई थी, जबकि इस बार 4 जून से और जुलाई माह में 27 मिलीमीटर बारिश हुई है, जिसके चलते किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। सरकार ने किसानों के आर्थिक नुकसान की भरपाई करने की ओर कदम बढ़ाया है। आगामी 15 अगस्त तक किसानों की बोई गई फसल का मेरा फसल-मेरा ब्योरा पोर्टल पर पंजीकरण करवाना अनिवार्य है।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसानों के हित में फैसले ले रहे हैं, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने स्वामीनाथ आयोग ने किसानों को लाभकारी मूल्य देने की सिफारिश रिपोर्ट को डस्टबीन में फेंक दिया था। उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम हुड्डा को बताना चाहिए उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान कितनी फसलों को एमएसपी पर खरीदा और कितनी पैदावार हुई। जबकि भाजपा 2014 से 2024 तक का पूरा हिसाब देने के लिए तैयार है। प्रदेश के किसानों को समृद्ध बनाने के लिए 24 फसलों को एमएसपी पर खरीने का फैसला लिया है। कांग्रेस केवल किसानों को गुमराह कर रही है और झूठा फैला रही है। मगर किसान अच्छी तरह जान चुके हैं कि कौन उनका शुभचिंतक है और कौन उन्हें वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल करने का षड्यंत्र रच रहा है।

शहरों की तर्ज पर सरकार कर रही ग्रामीण विकास : कंवर पाल

गांव तिहानो में शिव मंदिर में नव निर्मित लंगर हाल का कृषि मन्त्री कंवरपाल ने किया उद्घाटन।

एजेंसी

यमुनानगर। जगाधरी विधानसभा क्षेत्र के गांव तिहानो के शिव मंदिर में बने नव निर्मित लंगर हाल का कृषि मन्त्री कंवरपाल ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के पदाधिकारियो कृषि मंत्री को स्मृति चिन्ह और एक त्रिशूल भेंट किया। कृषि मंत्री कंवरपाल ने लंगर हाल के निर्माण के लिए अपने ऐच्छिक कोष से 7 लाख रुपये की राशि ट्रस्ट को दी थी। कार्यक्रम के दौरान कृषि मंत्री ने लोगो को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार गांवों में बिना किसी भेदभाव के शहरों जैसी सुविधाएं मुहैया करवा रही है ताकि लोगों को गांव में ही शहरों जैसी मूलभूत सुविधा उपलब्ध हो सके और उन्हें शहर में चक्कर में लगाने पड़े। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य पूरे प्रदेश में समान रूप से विकास हो। सरकार बिना किसी भेदभाव से विकास कार्य करवा रही है। यही कारण है कि आज प्रदेश विकास के पथ पर अग्रसर है। हुआ है और मेहनत करने वालों को सफलता मिल रही है। आज गरीब घरों के बच्चे बड़े-बड़े पदों पर नौकरी पा रहे हैं, यह सरकार की पारदर्शिता का परिणाम है। उन्होंने

उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के शासनकाल के दौरान प्रदेश की एक अलग ही तस्वीर उभरकर आई है।

उन्होंने कहा कि सरकार बिना खर्ची और बिना पर्ची के नौकरियां प्रदान कर रही है। इससे युवाओं में मेहनत के प्रति नया विश्वास पैदा कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाने के लिए ही सरकार ने ऑनलाइन सिस्टम लागू किया है, जिसको परिवार पहचान पत्र के साथ जोड़ा गया है। आज पात्र लोग घर बैठे सरकारी योजनाओं का लाभ ले रहे हैं।

अगर मगर न करें भूपेंद्र हुड्डा, राज्यसभा में भेजें विनेश फोगाट को : दिग्विजय चौटाला

एजेंसी

चंडीगढ़। भारतीय रेसलर विनेश फोगाट के सम्मान के लिए जननायक जनता पार्टी के प्रधान महासचिव दिग्विजय चौटाला ने बड़ी मांग उठाई है। उन्होंने हरियाणा के सभी राजनीतिक दलों से आग्रह करते हुए कहा कि विनेश फोगाट को राज्यसभा भेजकर उनका सम्मान बढ़ाना चाहिए।दिग्विजय ने कहा कि विनेश के राज्यसभा जाने से हरियाणा की शान बढ़ेगी और प्रदेश की बेटी सदन में हरियाणा और खिलाड़ियों की अच्छे से पैरवी करेगी। दिग्विजय चौटाला ने कहाकि ओलंपिक से विनेश फोगाट का डिसक्वालिफाई होने का मुद्दा राजनीतिक नहीं बल्कि सभी के भावना से जुड़ा हुआ है इसलिए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा वीनेश को राज्यसभा भेजने के विषय पर अगर-मगर न करें उन्होंने कहा कि सभी 90 विधायकों को मिलकर बहन विनेश फोगाट को आगे बढ़ाने के लिए कदम उठाना चाहिए और भूपेंद्र हुड्डा को भी इसमें सहयोग करना चाहिए, न कि वे नंबर न होने की बात करें। जेजेपी प्रधान महासचिव दिग्विजय चौटाला ने यह भी कहा कि वर्ष 2016 में विनेश फोगाट को पैर में चोट लगी थी और उस समय के खेल मंत्री अनिल विज ने चोटिल खिलाड़ी को सम्मानित करने से मना कर दिया था, बड़ी-बड़ी बातें करने वाले भूपेंद्र और दीपेंद्र हुड्डा तब कहां थे? दिग्विजय चौटाला ने कहा कि इनसो द्वारा दादरी में विनेश फोगाट का सम्मान समारोह किया गया था और इनसो ने कुल 11 लाख रुपए की राशि एकत्रित करके उन्हें सम्मानित किया।

सीएम फ्लाइंग ने बागवानी विभाग का किया निरीक्षण

एजेंसी

जींद। सीएम फ्लाइंग ने वीरवार को बागवानी विभाग में दस्तक दी और जांच की। जांच रिपोर्ट को सीएम फ्लाइंग ने मुख्यालय को भिजवा दिया है।सीएम फ्लाइंग के डीएसपी रविंद्र कुमार ने गुरुवार को बताया कि सूचना मिली थी कि सरकार द्वारा बागवानी करने वाले किसानों को देय योजनाओं का लाभ नही मिल रहा है। उनके आवेदनों को लटका कर रखा जाता है। जिसके आधार पर सीएम फ्लाइंग के उप निरीक्षक बिजेंद्र सिंह, सतपाल, चरण सिंह की संयुक्त टी गठित की गई। टीम ने बागवानी विभाग की कार्यालय अधीक्षक को साथ ले वीरवार सुबह कार्यालय में दस्तक दी। हाजरी रजिस्टर जांचने पर कुल 25 कर्मियों में से 23 हाजिर मिले। जबकि दो छुट्टी पर पाए गए। वर्ष 2023-24 में भावांतर योजना के तहत एक किसान ने आवेदन किया। जिसे 17,520 रुपये की राशि विभाग द्वारा जारी की गई। मेरी फसल, मेरा विवरण पोर्टल पर 2647 किसानों ने रजिस्ट्रेशन करवाया। विभाग द्वारा बीज सब्सिडी के लिए 106 किसानों ने पंजीकरण करवाया। सभी को बीज उपलब्ध मिली। जिनका निपटान पाया गया। जनसंवाद की एक शिकायत का भी निपटान मिला। होर्टनेट पोर्टल पर 1735 किसान रजिस्ट्रड हुए। जिसमें

कराया पाया गया। बागवानी यंत्र के लिए 63 किसानों ने आवेदन किए। जिन्हें विभाग द्वारा यंत्र उपलब्ध कराना पाया गया। कोई भी किसान मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना के लिए रजिस्ट्रड होना नही पाया गया। सीएम विंडो पर विभाग को तीन शिकायतें से 1258 आवेदन स्वीकृत हुए। जबकि 517 आवेदन रद्द हो गए। 61 किसानों के आवेदन लंबित पाए गए। जिसके बारे में जानने पर टीम को संतोषजनक जवाब नही मिला। सीएम फ्लाइंग ने विस्तृत रिपोर्ट बना कर मुख्यालय को भेज दी है।

समाधान शिविर में 4183 शिकायतों का समाधान किया गया: डा. मनोज कुमार

सोनीपत। उपायुक्त डा. मनोज कुमार ने कहा कि गुरुवार को 5215 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से कुल 4183 शिकायतों को मौके पर ही समाधान कर दिया गया। वहीं बकाया 885 शिकायतों को जल्द ही समाधान कर दिया जाएगा। वे सुबह समाधान शिविर लगाकर उपायुक्त डॉ मनोज कुमार जन समस्याओं की सुनवाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतों का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है और जो समस्याएं विभागीय स्तर पर हल होते हैं उनके लिए संबंधित अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से आवश्यक दिशा-निर्देश देकर फीडबैक लेने की प्रक्रिया जारी है। शिविर में प्रतिदिन नागरिकों की समस्याओं पर सुनवाई करते

हुए उनका समाधान सुनिश्चित करने में जिला प्रशासन का योगदान उल्लेखनीय नजर आ रहा है। उपायुक्त ने निर्धारित शेड्यूल अनुरूप शिविर में पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनी व उनकी समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का समय पर समाधान करने के निर्देश दिए। उनके सामने 85 शिकायतें आई सुनवाई करते हुए 6 का मौके पर ही समाधान किया गया। उपायुक्त ने बताया कि करीब दो माह से लग रहे समाधान शिविर के द्वारा आमजन की समस्याओं का निवारण करने में प्रशासन कारगर साबित हो रहा है। 10 जून से 8 अगस्त तक समाधान शिविर में प्रत्येक कार्यदिवस पर समाधान शिविर में सुबह 9 से 11 बजे तक आमजन अपनी-अपनी लिखित शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं और उनकी समस्याओं कोपोर्टल पर भी अपडेट किया जा रहा है।

भाजयुमो देश के 20 करोड़ घरों पर फहराएगा तिरंगा: तेजस्वी सूर्या

एजेंसी

गुरुग्राम। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने कहा कि भाजयुमो ने हर घर तिरंगा अभियान और विभाजन विभीषिका स्मरण दिवस मनाने का फैसला किया है। यह अभियान 11 अगस्त से शुरू होगा और चार दिनों तक चलेगा। वहीं भाजपा 14 अगस्त को विभाजन की विभीषिका स्मरण दिवस मनाएंगी।

तेजस्वी सूर्या यहां भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पूरे देश में 20 करोड़ घरों पर तिरंगा लगाने का लक्ष्य रखा है। तेजस्वी सूर्या ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशानुसार तीसरे वर्ष भी देश और प्रदेश में हर घर में तिरंगा फहराया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान स्वतंत्रता दिवस को उत्सव के रूप में मनाने के लिए चलाया जा रहा है। अभियान के तहत तिरंगा यात्रा एवं बाइक रैली निकाली जाएगी। क्रांतिकारियों की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा। सूर्या ने कहा कि युवा मोर्चा द्वारा 11 से 14 अगस्त तक प्रदेश के हर मंडल व जिला स्तर पर बाइक रैली का आयोजन किया जाएगा। इन बाइक रैलियों में हजारों की संख्या में युवा सेमिनार होंगे। उन्होंने कहा कि विभाजन के समय जिस प्रकार की हिंसा देश के जनमानस ने झेली है इसके बारे में चर्चाएं होंगी। बैठक में भाजयुमो के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान के तहत युवा मोर्चा 13 और 14 अगस्त को प्रदेश में जिला स्तर पर स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े पवित्र स्थलों, स्वतंत्र सेनानियों की मूर्तियों पर साफ-सफाई करेंगे और श्रद्धांजलि तथा पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। सूर्या ने कहा कि 14 अगस्त को विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस के अवसर पर प्रदेश के हर जिला में अभिनव प्रकाश, युवा मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव गौरव गौतम, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, प्रदेश संयोजक विपुल गोयल, प्रदेश प्रवक्ता जवाहर यादव, जिला अध्यक्ष कमल यादव, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी,भाजपा नेता योगेश्वर दत्त आदि उपस्थित रहे।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा राजनीति न करें, विनेश को हम 2028 ओलंपिक में उतारेंगे : बबीता फोगाट

एजेंसी

चरखी दादरी। पेरिस ओलंपिक से बाहर होने के बाद विनेश फोगाट ने कुश्ती से संन्यास ले लिया है। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि विनेश को राज्यसभा भेजना चाहिए। इस पर बबीता फोगाट ने कहा कि पूर्व सीएम इस मामले पर राजनीति न करें। बबीता फोगाट ने कहा कि, 'विनेश ने बहुत दुखी मन से कुश्ती को अलविदा कहने का फैसला किया है। पापा (महावीर फोगाट) ने कहा है कि वह जब भारत आएंगी तो उनसे बात करके उन्हें समझाएंगे। विनेश को 2028 ओलंपिक के लिए तैयार करके मैदान में उतारेंगे। देश का, माता-पिता का और उनके कोच का जो गोल्ड जीतने का सपना था, हम उस दिशा में काम करेंगे।' उन्होंने कहा कि, 'हम सब प्रयास करेंगे कि विनेश देश के लिए गोल्ड मेडल लेकर आएं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेरिस ओलंपिक के सामने कड़ी आपत्ति दर्ज की है। सरकार की तरफ से प्रयास किया जा रहा है। विनेश ने खुद कोर्ट में अपील दर्ज की है, ताकि उसे रजत पदक मिल जाए। यूएस के रेसलर जॉर्डन ने भी ओलंपिक संघ से अपील की है कि नियमों में बदलाव करते हुए विनेश को रजत पदक देना चाहिए। बबीता फोगाट ने कहा, न्यायपालिका के ऊपर हमें पूरा भरोसा है, वह जो भी निर्णय लेंगे वह सही होगा। कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के बयान पर उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम बताएं कि उनकी सरकार ने कितने खिलाड़ियों को राज्यसभा भेजा था? उन्होंने कितने खिलाड़ियों को सम्मान देने का काम किया है? बॉक्सर विजेंदर सिंह उनकी पार्टी में चुनाव लड़ने के शामिल हुए थे, लेकिन उन्हें टिकट नहीं दिया गया था। उन्होंने आगे कहा कि, आप खिलाड़ियों का इतना ही सम्मान करते, तो उनको चुनाव जरूर खड़ा करते। भूपेंद्र सिंह हुड्डा सिर्फ खुद को और अपने बेटे को कुर्सी पर टिकाने में लगे हुए हैं। मैं उनसे विनम्र आग्रह करना चाहती हूं कि मेरे परिवार को तोड़ने का काम नहीं करें। मेरे परिवार के ऊपर अपनी राजनीति न करें। मालूम हो कि, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा था कि हरियाणा में राज्यसभा की एक सीट खाली है।

अब चेक 'क्लियर' होने में नहीं लगेगा वक्त, कुछ ही घंटों में मिलेंगे पैसे

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। चेक के जरिए लेन-देन करने वालों के लिए अच्छी खबर है। अब चेक का निपटान (क्लियरिंग) कुछ ही घंटों में हो जाएगा। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चेक समाशोधन में लगने वाले समय को कुछ घंटे करने की घोषणा की है। फिलहाल चेक जमा करने से लेकर राशि के बैंक अकाउंट में आने में करीब दो दिन का समय लग जाता है। आरबीआई के गवर्नर ने यह जानकारी दी। शक्तिकांत दास ने यहां वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए कहा, चेक समाशोधन को दुरुस्त करने, निपटान जोखिम कम करने और ग्राहकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के मकसद से चेक ट्रंकेशन सिस्टम (सीटीएस) की वर्तमान प्रक्रिया में बदलाव का प्रस्ताव है। दास ने बताया कि बैंकों की ओर से अपने ग्राहकों के बारे में 'क्रेडिट' सूचना कंपनियों को दी जाने वाली रिपोर्ट हर पखवाड़े देने का प्रस्ताव की गई है, जो वर्तमान में महीने में एक बार दी जाती है। उन्होंने कहा कि इसके तहत मौजूदा सीटीएस व्यवस्था के तहत 'बैच' में प्रोसेसिंग के स्थान पर कारोबारी समय में निरंतर आधार पर समाशोधन की व्यवस्था की जाएगी। दास ने कहा कि नई व्यवस्था में चेक को 'स्कैन' किया जाएगा, उसे प्रस्तुत किया जाएगा और कुछ घंटों में समाशोधन किया जाएगा। इससे चेक का समाशोधन कुछ घंटे में हो जाएगा, जबकि अभी दो दिन तक का वक्त (टी प्लस 1) लग जाता है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जल्द ही जारी कर दिए जाएंगे।

बीएसएनएल का जनवरी माह से 5-जी का देशी तड़का

उज्जैन। बीएसएनएल एक बार फिर दूरसंचार सेवाओं में निजी कम्पनियों से मुकाबले के लिए मैदान में आ गया है। अभी कम्पनी द्वारा अपने उपभोक्ताओं को बाजार से कम दर पर 4-जी डाटा उपलब्ध करवाया जा रहा है। जनवरी माह से 5-जी सेवाएं भी शुरू हो जाएंगी। इसके लिए टीसीएस कम्पनी के देशी उपकरणों की तैनाती हो रही है। 3-जी तक चीनी कम्पनियों के उपकरणों पर निर्भरता थी, जिसकी आगे की सेवाओं तथा पूर्जों के अभाव में बीएसएनएल पिछड़ता चला गया। यह जानकारी दी बीएसएनएल,उज्जैन के महाप्रबंधक बसंत गुप्ता ने। चर्चा में उन्होंने बताया कि इस समय बाजार में 4-जी डाटा प्लान सबसे अधिक सस्ते बीएसएनएल के ही हैं। चूंकि बैसिक इंफ्रा स्ट्रक्चर है। ऐसे में सेवाओं को कम खर्च कर उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि संभाग में इस समय प्रति माह 36 हजार नए ग्राहक बीएसएनएल से जुड़ रहे हैं, यह अपने में रिकार्ड है। पहले प्रति माह करीब 6 हजार उपभोक्ता जुड़ते थे। चूंकि निजी कम्पनियों के डाटा प्लान महंगे होने तथा अंचलों तक नेटवर्क की समस्या आने के कारण एक बार फिर आम जनता का रूझान बीएसएनएल की ओर है। बसंत गुप्ता ने बताया कि जिन मोबाइल उपभोक्ताओं के पास 3-जी सीम है,उन्हे बीएसएनएल की नई स्कीम के तहत 4-जी वाली सीम निःशुल्क दी जा रही है। उन्हे अपना मोबाइल फोन लेकर देवासगेट स्थित कार्यालय आना है। यहां हम 10 मिनिट में नई सीम दे देंगे, ताकि उपभोक्ताओं को वर्तमान दर पर ही 4-जी नेटवर्क प्राप्त हो जाए।

सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी में भी आई कमजोरी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार तीसरे दिन कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। सोने के भाव में आज 400 850 रुपये से लेकर 500 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 69,410 रुपये से लेकर 69,050 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी सर्राफा बाजारों में 63,640 रुपये से लेकर 63,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज 500 रुपये तक की गिरावट आई है, जिसकी वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी आज 81,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 69,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 63,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई।

कच्चा तेल 78.55 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत जस की तस

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के चौथे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.22 डॉलर यानी 0.28 फीसदी की उछाल के साथ 78.55 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.30 डॉलर यानी 0.40 फीसदी बढ़कर 75.54 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमत जस की तस हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये,डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

राज्यसभा ने वित्त विधेयक 2024 पर चर्चा कर लोकसभा को लौटाया

एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के उच्च सदन राज्यसभा ने वित्त विधेयक 2024, विनियोग विधेयक 2024, और जम्मू-कश्मीर विनियोग विधेयक 2024 पर चर्चा कर लोकसभा को लौटा दिया। इसके साथ ही केंद्रीय बजट 2024-25 पारित करने की प्रक्रिया पूरी हो गई है। इससे एक दिन पहले लोकसभा ने वित्?त विधेयक 2024 को पास कर दिया था।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इससे पहले वित्त (संख्या-2) विधेयक 2024 को राज्यसभा में चर्चा के लिए पेश किया। सीतारमण ने राज्यसभा में जम्मू-कश्मीर विनियोग (संख्या 3) विधेयक 2024, विनियोग विधेयक (संख्या 2), 2024 और वित्त विधेयक (संख्या 2), 2024 पर संयुक्त चर्चा का जवाब दिया। इसके बाद इन विधेयकों को लोकसभा को वापस भेज दिया गया।वित्त मंत्री ने राज्यसभा में वित्त विधेयक 2024, विनियोग विधेयक 2024 और जम्मू-कश्मीर विनियोग विधेयक 2024 पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में हमने कटौती नहीं की है, इसके

निर्मला सीतारमण, वित्त मंत्री

विपरीत और ज्यादा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में 1.44 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया था, इस बार यह बढ़कर 1.52 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 8000 करोड़ रुपये अधिक है। वित्त विधेयक 2024 पर चर्चा का जवाब देते हुए सीतारमण ने कहा कि फरवरी में पारित किए गए लेखानुदान बजट के अनुरूप, 23 जुलाई 2024 को बजट 2024 प्रस्तुत किया गया, जिसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया है और यह विशेषता जारी है कि पूंजीगत व्यय को बनाए रखा जाएगा, जैसा कि पहले संकेत दिया गया था कि यह 11.11 लाख करोड़ रुपये होगा। राज्यसभा में वित्त विधेयक पर वित्त मंत्री ने कहा कि छोटी बचत अकेले पोर्टफोलियो नहीं है। लोगों ने अलग-अलग पोर्टफोलियो ढूंढ लिए हैं, जो उनकी मदद कर रहे हैं। आज वित्तीय घरेलू बचत में अन्य पोर्टफोलियो भी शामिल होने चाहिए जो छोटे परिवारों के लिए उपलब्ध हैं।

वित्त मंत्री ने सदन को बताया कि डिफॉल्ट करने वाले प्रमोटरों को अपनी कंपनी के लिए दोबारा बोली लगाने की अनुमति नहीं है, ताकि वे पीछे के दरवाजे से आकर कम कीमत पर कंपनी न खरीद लें। सीतारमण ने कहा कि 2021 से हमारा दृष्टिकोण यह रहा है कि हम सभी जीवन रक्षक दवाओं और दवाओं को उत्तरोत्तर राहत देते हैं, जो विशेष रूप से व्यक्तिगत उपयोग के लिए आयात की जाती हैं, हमने विशेष रूप से उन सभी को पहले ही छूट दे दी है।

उल्लेखनीय कि राज्यसभा में वित्त विधेयक 2024, विनियोग विधेयक 2024, और जम्मू-कश्मीर विनियोग विधेयक 2024 पर चर्चा कर इनको लोकसभा को लौटा दिया है। इसके साथ बजट पास होने की प्रक्रिया पूरी हो गई है। लोकसभा ने एक दिन पहलेकुछ संशोधनों के साथ वित्त विधेयक 2024 (संख्या-2) को पारित कर दिया था। संसद के दोनों सदनों के द्वारा वित्त विधेयक पारित होने के बाद केंद्रीय बजट 2024-25 पास होने की प्रक्रिया पूरी हो गई है।

एलआईसी का मुनाफा जून तिमाही में 10 फीसदी बढ़कर 10,461 करोड़ रुपये पर पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 10 फीसदी उछलकर 10,461 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 9,544 करोड़ रुपये रहा था।

एलआईसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि वित्?त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-जून तिमाही में उसकी कुल आमदनी भी बढ़कर 2,10,910 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवाधि में 1,88,749 करोड़ रुपये थी। इस दौरान पॉलिसी के पहले साल का प्रीमियम बढ़कर 7,470 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्?त वर्ष की समान अवधि में 6,811 करोड़ रुपये था।

बीमा कंपनी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में पुरानी पॉलिसी के नवीकरण प्रीमियम से 56,429 करोड़ रुपये कमाये हैं, जो पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की समान अवधि में 53,638 करोड़ रुपये था। जून तिमाही में एलआईसी की निवेश

से शुद्ध आय बढ़कर 96,183 करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछले वित्?त वर्ष की समान तिमाही में 90,309 करोड़ रुपये थी। देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी कहा कि चालू वित्?त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-जून तिमाही में एलआईसी का सॉल्वेंसी मार्जिन (दावे के भुगतान की क्षमता) अनुपात भी बढ़कर 1.99 फीसदी हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 1.89 फीसदी था।

केंद्रीय मंत्री रेड्डी ने भारत के खनन और खनिज क्षेत्र में परिवर्तनकारी बदलावों पर प्रकाश डाला

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने भारत के खनन और खनिज क्षेत्र में परिवर्तनकारी बदलावों पर प्रकाश डाला।

इस दौरान उन्होंने निजी और सार्वजनिक क्षेत्र की खनन और अन्वेषण कंपनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के साथ रचनात्मक बातचीत की।

खान मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने राजधानी नई दिल्ली में भारतीय खनन, भूवैज्ञानिक एवं धातुकर्म संस्थान द्वारा आयोजित खान एवं खनिज क्षेत्र में चुनौतियों एवं अवसरों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित किया। इस अवसर पर रेड्डी ने खनन एवं अन्वेषण उद्योगों से जुड़ी निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ

रचनात्मक चर्चा भी की। केंद्रीय कोयला मंत्री से बातचीत के दौरान उद्योग प्रतिनिधियों ने अपने सामने आने वाली चुनौतियों के साथ-साथ बहुमूल्य सुझाव एवं सिफारिशें भी प्रस्तुत कीं। इस संगोष्ठी में खान मंत्रालय के सचिव वी. कांता राव और कोयला मंत्रालय एवं खान मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ सरकार के कोयला एवं खान हितधारकों सहित कई प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

सीगल इंडिया का शेयर 4.50 फीसदी ऊपर 419 रुपये पर हुआ सूचीबद्ध

एजेंसी

नई दिल्ली। ढांचागत क्षेत्र की कंपनी सीगल इंडिया लिमिटेड के शेयर शेयर बाजार में सूचीबद्ध हो गए हैं। हालांकि, कंपनी के शेयरों की शुरुआत फीकी रही। शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर इसका शेयर इश्यू प्राइस से 4.50 फीसदी ऊपर 419 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। वहीं, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर कंपनी का शेयर इश्यू प्राइस से 3 फीसदी ऊपर 413 रुपये पर लिस्ट हुआ है। सीगल इंडिया लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए 1252.66 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष?य रखा हुआ है। कंपनी ने आईपीओ का इश्यू प्राइस 380-401 रुपये रखा था। ये आईपीओ एक से 5 अगस्त, 2024 तक खुदरा निवेशकों के लिए खुला था। इस आईपीओ में कंपनी ने 684.25 करोड़ रुपये के फ्रेश शेयर और

ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के तहत 568.41 करोड़ रुपये के शेयर जारी किए थे। कंपनी इस आईपीओ से मिलने वाली राशि का इस्तेमाल उपकरणों की खरीद और कर्ज भुगतान के अलावा सामान्य कंपनी जरूरतों के लिए करेगी। उल्लेखनीय है कि लुधियाना बेस्ड सीगल इंडिया लिमिटेड एक इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी है, जिसने एलिवेटेड रोड, फ्लाईओवर, पुल, रेलवे ओवरब्रिज, टनल, हाईवे, मेट्रो, एक्सप्रेस-वे और रनवे जैसे स्पेशलाइज्ड स्ट्रक्चरल वर्क अनुभव के साथ-साथ देश के दस राज्यों में 34 से ज्यादा प्रोजेक्ट पूरे किए हैं। कंपनी के मुताबिक जून, 2024 तक उसे 9,470 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला हुआ था।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 675 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर : दास

मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बताया कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार दो अगस्त को 675 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इससे पहले 19 जुलाई को विदेशी मुद्रा भंडार का उच्चतम स्तर 670.85 अरब डॉलर रहा था, जबकि 26 जुलाई को यह 667.38 अरब डॉलर रहा था। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने आज मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय द्वमासिक समीक्षा बैठक के बाद प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी बाह्य वित्त

पोषण जरूरतों को आराम से पूरा करने का भरोसा है। उन्होंने बताया कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक जून, 2024 से घरेलू बाजार में शुद्ध खरीदार बन गए हैं। जून से छह अगस्त के दौरान 9.7 अरब डॉलर का शुद्ध प्रवाह हुआ है, जबकि अप्रैल और मई में 4.2 अरब डॉलर की निकासी हुई थी।

गवर्नर दास ने कहा कि अप्रैल-मई 2024 में सकल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में 20 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई। वहीं इस अवधि के दौरान शुद्ध एफडीआई प्रवाह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में दोगुना हो गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय इकाइयों द्वारा बाह्य वाणिज्यिक कर्ज में कमी आई, लेकिन अप्रैल-मई में गैर-निवासियों की जमाराशि में वृद्धि दर्ज हुई है।

आरबीआई ने लगातार नौवीं बार रेपो रेट को 6.50 फीसदी पर रखा बरकरार

एजेंसी

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने फिर ग्रोथ की जगह महंगाई को अहमियत देते हुए नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। आरबीआई ने लगातार नौवीं बार रेपो रेट 6.50 फीसदी पर बरकरार है। लोन महंगे नहीं होंगे और ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी। रिजर्व बैंक ने आखिरी बार फरवरी 2023 में रेपो रेट 0.25 फीसदी बढ़ाकर 6.5 फीसदी किया था।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद यहां आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में फैसले की जानकारी दी। शक्तिकांत दास ने बताया कि एमपीसी की 6-8 अगस्त की बैठक में 6 में से 4 सदस्यों ने रेपो रेट को 6.50 फीसदी पर यथावत रखने का फैसला सुनाया है। उन्होंने कहा कि महंगाई को टिकाऊ स्तर यानी चार फीसदी पर लाने और वैश्विक अनिश्चितता के बीच आर्थिक वृद्धि को गति देने के मकसद से नीतिगत दर को यथावत रखा गया है। दास ने बताया कि केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को 7.2 फीसदी पर बरकरार रखा है। चालू वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई दर 4.5 फीसदी रहने के अनुमान को भी बरकरार रखा गया है।

रिजर्व बैंक ने आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 7.2 फीसदी पर रखा यथावत

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोंचे पर अच्छी खबर है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के पूर्वानुमान को 7.2 फीसदी पर बरकरार रखा है। साथ ही आरबीआई ने चालू वित्?त वर्ष में खुदरा महंगाई दर 4.5 फीसदी पर रहने के अनुमान को कायम रखा है। जून में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 5.08 फीसदी पर पहुंच गई थी। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने यहां वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक के फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि कृषि गतिविधियों में सुधार होने से ग्रामीण उपभोग की संभावनाएं उज्जवल होंगी, जबकि सेवा गतिविधियों में निरंतर उछाल से शहरी उपभोग को समर्थन मिलेगा।

शक्तिकांत दास ने कहा कि

सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए वित्त वर्ष 2024-25 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि पहली तिमाही में वृद्धि की दर 7.1 फीसदी, दूसरी तिमाही में 7.2 फीसदी, तीसरी तिमाही में 7.3 फीसदी और चौथी तिमाही में 7.2 फीसदी रहने का अनुमान है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के लिए विकास दर 7.2 फीसदी (दोनों ओर घट-बढ़ के साथ) रहने का अनुमान है। आरबीआई गवर्नर ने एमपीसी के फैसले की जानकारी देते हुए कहा कि सामान्य मानसून के पूर्वानुमान और पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 4.9 प्रतिशत मुद्रास्फीति को ध्यान में रखते हुए चालू वित्त वर्ष 2024-25 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर 4.5 फीसदी रहने का अनुमान है। यह दूसरी तिमाही में 4.4 फीसदी, तीसरी तिमाही में 4.7 फीसदी तथा चौथी तिमाही में 4.3 फीसदी रहेगी। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के लिए खुदरा महंगाई दर 4.4 फीसदी (दोनों ओर घट-बढ़ के साथ) रहने का अनुमान है। इसके अलाव उन्होंने कहा कि ईंधन की महंगाई दर लगातार दसवें महीने कम हुई है। यह मई तथा जून में कुल मुद्रास्फीति ऐतिहासिक निचले स्तर पर आ गई है। हालांकि, उन्होंने कहा कि खाद्य पदार्थों की ऊंची कीमतों का सिलसिला जुलाई में जारी रहने की संभावना है। दास ने कहा कि दूध की कीमतों और मोबाइल शुल्क में संशोधन के प्रभाव पर नजर रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहने की जरूरत है कि मुद्रास्फीति तय लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ती रहे। इसके साथ ही वृद्धि को भी समर्थन मिले।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 675 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर : दास

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बताया कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार दो अगस्त को 675 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इससे पहले 19 जुलाई को विदेशी मुद्रा भंडार का उच्चतम स्तर 670.85 अरब डॉलर रहा था, जबकि 26 जुलाई को यह 667.38 अरब डॉलर रहा था। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने आज मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय

द्वमासिक समीक्षा बैठक के बाद प्रेस को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी बाह्य वित्त पोषण जरूरतों को आराम से पूरा करने का भरोसा है। उन्होंने बताया कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक जून, 2024 से घरेलू बाजार में शुद्ध खरीदार बन गए हैं। जून से छह अगस्त के दौरान 9.7 अरब डॉलर का शुद्ध प्रवाह हुआ है, जबकि अप्रैल और मई में 4.2 अरब डॉलर की निकासी हुई थी। गवर्नर दास ने कहा कि अप्रैल-मई 2024 में सकल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में 20 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई। वहीं इस अवधि के दौरान शुद्ध एफडीआई प्रवाह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में दोगुना हो गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय इकाइयों द्वारा बाह्य वाणिज्यिक कर्ज में कमी आई, लेकिन अप्रैल-मई में गैर-निवासियों की जमाराशि में वृद्धि दर्ज हुई है।

पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी

नई दिल्ली। पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत सपाट स्तर पर मामूली कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के कुछ देर बाद से ही तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल भी लगातार ऊपर-नीचे होती रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.73 प्रतिशत और निफ्टी 0.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज के कारोबार में बैंकिंग और हेल्थ केयर सेक्टर के शेयरों में मामूली खरीदारी होती रही। दूसरी ओर आईटी, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, एफएमसीजी, मेटल, ऑयल एंड गैस और टेक सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज बाजार में आई गिरावट के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 445.78 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को

इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 448.57 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.79 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,014 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,831 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,081 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 102 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,348 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 966 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,382 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 7 शेयर बढ़त के साथ और 23 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान में और 38 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 47.52 अंक की मामूली गिरावट के साथ 79,420.49 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली के दबाव की वजह से इस सूचकांक में गिरावट आ गई। हालांकि दोपहर 12 बजे के बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर ये सूचकांक उछल कर कुछ देर के लिए हरे निशान में भी पहुंचा, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इसने एक बार फिर लाल निशान में गोता लगा दिया। पूरे दिन की खरीद-बिक्री के बाद सेंसेक्स 79 हजार अंक के स्तर से भी नीचे लुढ़क कर 581.79 अंक की कमजोरी के साथ 78,886.22 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 48.95 अंक टूट कर 24,248.55 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद दोपहर 12 बजे के करीब ये सूचकांक हरे निशान में 24,340.50 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि इस स्तर पर पहुंचने के बाद मंदड़ियों ने बाजार में चौतरफा दबाव की स्थिति बना दी, जिसकी वजह से ये सूचकांक 217.80 की जोरदार गिरावट के साथ आज के सबसे निचले स्तर 24,079.70 अंक तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी 180.50 अंक की कमजोरी के साथ 24,117 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दिनभर हुई खरीद-बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एचडीएफसी लाइफ 2.03 प्रतिशत, टाटा मोटर्स 1.60 प्रतिशत, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 1.22 प्रतिशत, एचडीएफसी बैंक 1.18 प्रतिशत और सिप्ला 1.06 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, एलटी माइंडट्री 4.12 प्रतिशत, ग्रासिम इंडस्ट्रीज 3.50 प्रतिशत, एशियन पेंट्स 3.10 प्रतिशत, इंफोसिस 2.71 प्रतिशत और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन 2.67 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

खाली पेट भिगोए हुए बादाम खाने के मिलेंगे 5 ऐसे फायदे, जिन्हें जानकर हैरान रह जाएंगे आप

रोज सुबह कुछ ऐसा खाना चाहिए जो आपकी सेहत के लिए फायदेमंद हो। ऐसा ही एक फूड आइटम है बादाम। बादाम में फाइबर विटामिन मिनरल और ओमेगा-3 फैटी एसिड पाया जाता है। रातभर पानी में भिगोए हुए बादाम को सुबह खाली पेट खाने से कई समस्याओं से बचाव होता है। इस आर्टिकल में हम इन्हीं फायदों (Soaked Almond Benefits) के बारे में जानेंगे।

बादाम खाने से दिमाग तेज होता है, ऐसा तो आपने सुना होगा, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसे खाने से आपको और भी कई फायदे मिल सकते हैं। इसलिए रोज सुबह 4-5 रातभर पानी में भिगोए हुए बादाम खाना आपकी सेहत के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। इन्हें सुबह खाली पेट खाने से आपकी सेहत को कई हैरान करने वाले फायदे मिल सकते हैं।बादाम में फाइबर, विटामिन, मिनरल और ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होता है। इसलिए इसे खाने से कई बीमारियों से बचने में मदद मिलती है और एनर्जी भी मिलती है, जिससे दिन की बेहतर शुरुआत करने में मदद मिलती है। इससे मिलने वाले फायदों के बारे में जानने के लिए आपको ये आर्टिकल जरूर पढ़ना चाहिए। आइए जानें भीगे हुए बादाम खाने से मिलने वाले फायदों (Soaked Almond Benefits) के बारे में।

ब्लड शुगर कंट्रोल होता है

डायबिटीज के मरीजों के लिए ये काफी जरूरी होता है कि वे अपना ब्लड शुगर लेवल नियंत्रित रखें। बादाम का ग्लाइसिमिक इंडेक्स कम होता है और इसमें फाइबर भी होता है, जिससे ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल करने में काफी मदद मिलती है। इसलिए सुबह बादाम खाने से शुगर कंट्रोल होता है।

वजन कंट्रोल होता है

बादाम खाने से वजन नियंत्रित करने में भी मदद मिलती है। इसमें फाइबर होता है, जिसके कारण पेट काफी समय तक भरा हुआ रहता है। इस वजह से बाद में ओवर ईटिंग की समस्या नहीं होती। साथ ही, इसमें मौजूद कैलोरी से एनर्जी भी मिलती है, जिससे थका हुआ महसूस नहीं होता।

पाचन के लिए फायदेमंद

बादाम में मौजूद फाइबर पाचन के लिए काफी फायदेमंद होता है। फाइबर खाने को आंत से आसानी से पास करने में मदद करता है। इसलिए इसे खाने से कब्ज की समस्या नहीं होती और गट हेल्थ भी बेहतर होती है।

हार्ट डिजीज से बचाव

बादाम में ओमेगा-3 फैटी एसिड पाया जाता है, जो बैड कोलेस्ट्रॉल कम करने और आर्टरीज को हेल्दी बनाने में मदद करता है। बैड कोलेस्ट्रॉल आर्टरीज को ब्लॉक कर देता है, जिसके कारण हार्ट अटैक का खतरा रहता है। इसलिए बादाम खाने से हार्ट डिजीज से बचने में काफी मदद मिलती है।

स्किन के लिए फायदेमंद

बादाम में एंटी-ऑक्सीडेंट्स और विटामिन-ई पाया जाता है। ये स्किन के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसे खाने से फ्री-रेडिकल डैमेज को कम करने में मदद मिलती है। साथ ही, विटामिन-ई स्किन का मॉइस्चर रिटेन करने में मदद करता है। इसलिए सुबह खाली पेट बादाम खाने से स्किन को काफी फायदा मिलता है।

ओलंपिक या साज़िश का अखाड़ा

श्रीमान मोदी खुश हो सकते हैं कि विनेश फोगाट ओलम्पिक में कुश्ती के फाइनल मुकाबले में आने से पहले ही अयोग्य घोषित कर दी गईं

अब विनेश फोगाट किस तरह की वापसी करेंगी, इस बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी, क्योंकि इन पंक्तियों के लिखने तक खबर थी कि अपना वजन कम करने के लिए विनेश ने रात भर साइकिलिंग की, वेट लिफ्टिंग की लेकिन वजन फिर भी कम नहीं हुआ। उसके बाद वो निराश होती गईं और अंत में बेहोश हो गईं। उन्हें ओलंपिक विलेज के ही पॉलिक्लीनिक में इलाज के लिए ले जाया गया है।

श्रीमान मोदी खुश हो सकते हैं कि विनेश फोगाट ओलम्पिक में कुश्ती के फाइनल मुकाबले में आने से पहले ही अयोग्य घोषित कर दी गईं। उनका वजन सौ ग्राम ज्यादा पाया गया, तो इसकी सजा ये मिली कि उन्हें फाइनल मुकाबला खेलने से रोका गया और इसके साथ ही उन्हें अब कोई पदक भी नहीं दिया जाएगा। यहां नरेन्द्र मोदी के लिए खुशी की बात यह है कि अब कम से कम उन्हें ये चिंता नहीं रहेगी कि अगर विनेश फोगाट ओलम्पिक में मिला पदक भी लोककल्याण मार्ग आकर उनके दरवाजे पर रख आतीं, तो फिर वे देश को क्या जवाब देते। वैसे भी देश को जवाब देना उन्होंने कभी जरूरी नहीं समझा। इसलिए 2024 के चुनावी घोषणापत्र में 2036 में ओलम्पिक कराएंगे, जैसी घोषणा वे कर देते हैं और उनके समर्थक इसी में खुश हो जाते हैं।

विनेश फोगाट अगर बुधवार को कुश्ती का फाइनल मुकाबला खेलतीं तो फिर एक पदक मिलना तय ही था। स्वर्ण होता तो देश ज्यादा खुश होता, रजत होता, तब भी खुशी कम नहीं होती, क्योंकि पदक मिलना ही बड़ी बात थी। और विनेश फोगाट के मामले में ज्यादा बड़ी बात इसलिए थी क्योंकि उन्होंने पेरिस में क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल मुकाबलों में अपने प्रतिद्वंद्वियों को ही धूल नहीं चटाई, बल्कि पूरी मोदी सरकार को बड़ी पटखनी दी। हालांकि मोदीजी के लिए इसमें भी खुश होने की बात थी, क्योंकि वे तब यह कह सकते थे कि विनेश ने उनकी बात मानते हुए आपदा में अवसर तलाश लिया। उनके असंभव, अविश्वसनीय और अकल्पनीय किस्सों की कड़ी में यह किस्सा भी जुड़ सकता था कि मेरी पुलिस ने विनेश पर जोर आजमाइश की और मैंने उसके साथ नाइंसाफी होने दी, ताकि शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से उसकी मजबूती परख सकें। इस तरह श्री मोदी बड़े आराम से विनेश फोगाट के पदक लाने का श्रेय ले लेते और उनके समर्थक इसे सही साबित भी कर देते। चंद्रयान से लेकर टी-20 वर्ल्ड कप तक सारी उपलब्धियों पर यही तो होता आया है।

किसी भी तरह की कामयाबी पर प्रधानमंत्री का चेहरा सामने आ जाता है और उसके पीछे नाइंसाफी की जितनी कालिख है, वो सब छिपा दी जाती है। देश ने देखा है कि मोदी सरकार ने विनेश के सामने तमाम तरह की आपदाएं खड़ी कीं। सरकारी, कानूनी तंत्र की लिंचिंग पर्याप्त नहीं लगी तो मीडिया और सोशल मीडिया की ट्रोल आर्मी के जरिए विनेश फोगाट, साक्षी मलिक, बजरंग पुनिया जैसे खिलाड़ियों का भरपूर अपमान किया। मंगलवार को जब विनेश मैच खेल रही थीं, तो उसकी कमेंट्री साक्षी मलिक कर रही थीं। इधर देश में बजरंग पुनिया विनेश फोगाट पर सवाल उठाने वाले पत्रकारों को भाजपा की ट्रोल आर्मी का सदस्य बता रहे थे और पूछ रहे थे कि मोदीजी कब विनेश को फोन करके बधाई देंगे। लेकिन मोदीजी का न फोन आया, न ट्वीट आया। फिर जैसे ही बुधवार सुबह खबर आई कि महज सौ ग्राम ज्यादा होने से विनेश को मुकाबले के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया है, उसके बाद ही नरेन्द्र मोदी का ट्वीट आ गया, जिसमें उन्होंने विनेश को चैंपियनों की चैंपियन बताया है और कहा है कि वे और मजबूत होकर वापसी करेंगी। मानो श्री मोदी इंतजार कर रहे थे कि कब उन्हें मौका मिले और वे सांत्वना के दो बोल लिखकर अपना कद ऊंचा दिखाएं।अब विनेश फोगाट किस तरह की वापसी करेंगी, इस बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी, क्योंकि इन पंक्तियों के लिखने तक खबर थी कि अपना वजन कम करने के लिए विनेश ने रात भर साइकिलिंग की, वेट लिफ्टिंग की लेकिन वजन फिर भी कम नहीं हुआ। उसके बाद वो निराश होती गईं और अंत में बेहोश हो गईं। उन्हें ओलंपिक विलेज के ही पॉलिक्लीनिक में इलाज के लिए ले जाया गया है। अब सवाल यह है कि क्या वजन कम करने का सारा दबाव विनेश फोगाट अकेले झेल रही थीं। उन्हें इस हद तक व्यायाम क्यों करने दिया गया कि वे बेहोश ही हो जाएं। भारतीय ओलंपिक टीम का प्रबंधन, डॉक्टरों और आहार विशेषज्ञों की टीम क्या पेरिस घूमने गई है या उनकी कोई जवाबदेही मोदी सरकार ने सुनिश्चित की है।

एक गंभीर सवाल यह भी है कि विनेश फोगाट को देश के सियासी अखाड़े में पस्त नहीं किया जा सका, तो क्या इसका बदला ओलंपिक के अखाड़े में लिया गया है। बुधवार सुबह ही जब खबर आ गई थी कि विनेश फोगाट को अयोग्य ठहराया गया है तो सरकार ने फौरन कोई एक्शन क्यों नहीं लिया। प्रधानमंत्री का ट्वीट करना ही क्या पर्याप्त था, क्यों एक वैश्विक नेता की हैसियत से अपने देश की खिलाड़ी को इंसाफ दिलाने के लिए उन्होंने फौरन हस्तक्षेप नहीं किया। मान लिया कि खेल आयोजनों में राष्ट्राध्यक्षों की सीधी दखलंदाजी नहीं होती है, वहां के प्रोटोकॉल अलग होते हैं। लेकिन क्या फाइनल से पहले अयोग्य ठहराने वाले प्रकरण रोज होते हैं, जो सामान्य नियमों पर चला जाए। महाभारत में भी लिखा है कि असाधारण परिस्थितियों में आपद धर्म का निर्वाह करना पड़ता है। क्या यहां मोदी फिर से अपने धर्म के निर्वाह में नाकाम रहे।

खेल मंत्री मनसुख मंडाविया का संसद में दिया बयान भी बेहद लचर था, जिसमें यह कहीं नजर नहीं आया कि मोदी सरकार को विनेश फोगाट के साथ हुई नाइंसाफी पर कोई अफसोस हो। बल्कि मंत्रीजी यह भी बता गए कि सरकार ने विनेश फोगाट को पेरिस ओलंपिक के लिए 70 लाख रूपयों की मदद की। 80 करोड़ लोगों को पांच किलो मुफ्त अनाज का ढोल जिस तरह मोदी सरकार पीटती है, वही रवैया आज विनेश फोगाट मामले में अपनाया गया। जबकि हकीकत यह है कि जिसे सरकार मदद का नाम दे रही है, वह उसकी जिम्मेदारी है और यह जिम्मेदारी सरकार जनता के दिए टैक्स के पैसे से ही पूरी करती है, अपनी जेब से नहीं।विनेश फोगाट को इंसाफ दिलाने के नाम पर प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पी टी उषा से आग्रह किया है कि वे इस संबंध में कड़ा विरोध दर्ज कराएं। पी टी उषा अभी पेरिस में ही हैं, लेकिन भारतीय ओलंपिक दल किसी भी तरह की कोशिश करता नजर नहीं आया। याद रहे कि जब महिला पहलवानों ने जंतर मंतर पर धरना दिया था, तब पी टी उषा ने उनके रवैये का विरोध किया था। अब इस अभूतपूर्व संकट में पी टी उषा किस तरह विनेश फोगाट के साथ खड़ी होती हैं, यह देखना होगा। पेरिस ओलंपिक में नीता अंबानी की इंडिया हाउस में की जा रही मेजबानी की भी खूब खबरें आ रही हैं। नीता अंबानी आईओसी की सदस्य भी हैं, क्या उन्हें इस मामले में कोई हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए, अगर ऐसा नहीं कर सकतीं तो फिर विनेश फोगाट के साथ खड़े होने के लिए इस्तीफे की पेशकश ही कर दीजिए, तभी तो देशप्रेम और खेलप्रेम की मिसाल कायम होगी, वर्ना यहां भी व्यापार प्रथम ही नजर आ रहा है।वैसे इस पूरे प्रकरण में साजिश की बू शुरु से आई, इस पर आप सांसद संजय सिंह और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सवाल उठाए हैं। राहुल गांधी ने भी लिखा है कि हमें पूरी उम्मीद है कि भारतीय ओलंपिक संघ इस निर्णय को मजबूती से चैलेंज कर देश की बेटी को न्याय दिलाएगा। किसान नेता राकेश टिकैत ने एक गंभीर बात कही है कि यह एक बेहद दुखद खबर है कि देश की बेटी को कोई अखाड़े में नहीं हरा पाया लेकिन साजिश के अखाड़े में हरा दिया गया है। देश का एक मैडल आज राजनीति का शिकार हो गया। यह देश इस दिन को कभी नहीं भूल सकता।

संपादकीय

बांग्लादेश को लेकर संज़ीदगी ज़रूरी

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्ता पलट के बाद नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस देश की अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने को तैयार हैं। मोहम्मद यूनुस को आगे करने का फैसला राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन, आंदोलन के प्रमुख आयोजकों और बांग्लादेश की तीनों सेना प्रमुखों के बीच एक बैठक के बाद लिया गया। इधर बांग्लादेश में शेख हसीना वाजेद के देश छोड़ देने सहित जो घटनाक्रम हो रहे हैं उसे लेकर जहां एक ओर भारत सरकार का कोई साफ बयान नहीं आया है वहीं सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी के आईटी सेल से दीक्षित ट्रोलबाज अनेक तरह के भ्रम फैला रहे हैं। इससे न केवल भारत की आंतरिक समस्याएं बढ़ेंगी वरन दोनों देशों के बीच दूरियां भी बढ़ेंगी। सबसे बड़ी बात यह है कि इससे इस मसले को समझने में दिक्कत होगी जो बेहद पेंचीदा और केवल बांग्लादेश नहीं वरन भारत के लिये भी संवेदनशील है।इस मामले को जिस हल्केपन से लिया गया उसकी शुरुआत बांग्लादेश में भारतीय दूतावास के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यह कहकर लोगों को नाराज़ कर दिया कि %यह इस देश का अंदरूनी मामला है और इस पर भारत को कुछ नहीं कहना है।% तब मोहम्मद यूनुस ने कहा भी था कि %जब एक भाई के घर में आग लगी हो तो दूसरा भाई कैसे कह सकता है कि यह दूसरे घर का मामला है?% उल्लेखनीय है कि यूनुस ने बांग्लादेश में ग्रामीण बैंक की स्थापना की है जिसका 64 देशों ने अनुसरण कर करोड़ों लोगों का जीवन बदला है। इस उपक्रम के लिये उन्हें नोबेल पुरस्कार भी दिया गया है। कायदे से जब बांग्लादेश में आरक्षण-विरोधी आंदोलन प्रारम्भ हुआ तभी भारत सरकार के विदेश मंत्रालय को अपना नज़रिया साफ करना चाहिये था। इसके साथ ही दक्षेस (सार्क) देशों के सबसे बड़े व सर्वाधिक प्रभावशाली नेता के रूप में भारत को सहयोग की पेशकश करनी चाहिये थी। यह बात बहुत साफ है कि वहां यदि राजनीतिक अस्थिरता होती है या फिर सैन्य सरकार बनती है तो इसका भी व्यापक और प्रतिकूल असर भारत पर पड़ेगा।भारत सरकार इस मामले को लेकर कितना संजीदा है, इसका आभास मंगलवार को इस विषय पर हुई सर्वदलीय बैठक में देखने को मिला जिसमें सरकार की ओर से विदेश मंत्री एस. जयशंकर, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शामिल हुए लेकिन खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अनुपस्थित थे। लोकसभा में 3 और राज्यसभा में 7 सदस्यों वाली आम आदमी पार्टी को आमंत्रित ही नहीं किया गया था। इसका सीधा अर्थ है कि भाजपा सरकार इस अंतरराष्ट्रीय मसले पर आयोजित बैठक में भी सियासत करने की क्षुद्र हरकत से बाज नहीं आई। दूसरी ओर सभी विरोधी दलों ने, चाहे वे प्रतिपक्षी गठबन्धन इंडिया के हिस्से हों या न हों, सरकार को बिना शर्त समर्थन दिया और बतलाया कि सभी दल इस मामले को लेकर सरकार के साथ खड़े हैं।बांग्लादेश और भारत तकरीबन 4100 किलोमीटर की सीमा को साझा करते हैं। असम (262 किलोमीटर), त्रिपुरा (856 किमी), मिजोरम (318 किमी), मेघालय (443 किमी) और पश्चिम बंगाल (2217) राज्यों के साथ बांग्लादेश की सीमाएं लगी हुई हैं। जिस तरह से वहां के हालात हैं, इन राज्यों पर भी उसका असर हो सकता है। इन राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ केन्द्र की बैठक होनी चाहिये थी। इनमें सबसे महत्वपूर्ण प. बंगाल है जहां की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पहले ही ऐलान कर दिया है कि अगर बांग्लादेश से लोग भागकर उनके राज्य में आते हैं तो उन्हें पनाह दी जायेगी। यह अब तक साफ नहीं है कि अन्य चार राज्यों का रवैया क्या रहेगा। चूंकि यह अंतरराष्ट्रीय मामला है अत~ एक जैसी नीति अपनानी होगी। अलग-अलग राज्य वहां से आने वाले लोगों के लिये पृथक नीतियां नहीं अपना सकते।ममता के बयान से बांग्लादेश में थोड़ी नाराज़गी है इसलिये आवश्यक है कि स्वयं केन्द्र सरकार साफ करे कि आने वाले लोगों को लेकर उसका रुख क्या होगा।

इस गम्भीर मामले पर सोशल मीडिया पर अनेक अफवाहें फैलाई जा रही हैं। एक बड़ा वर्ग ऐसा है जिन्हें लगता है कि वहां मुस्लिमों द्वारा अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के लिये यह जनक्रांति हुई है। वहां मंदिर तोड़े जाने की खबरें फैलाई जा रही हैं। इसके विपरीत ऐसी तस्वीरें आ रही हैं.

शेख हसीना के जाने के बाद बांग्लादेश-भारत के लिए इसका क्या मतलब है

भारत को यह भी देखना होगा कि सत्ता परिवर्तन के परिणामस्वरूप द्विपक्षीय आर्थिक संबंध प्रभावित न हों। बांग्लादेश भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, जिसका द्विपक्षीय व्यापार 2023-24 में 12.9अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। बांग्लादेश को भारत का निर्यात कुल 11अरब अमेरिकी डॉलर है। भारतीय कंपनियों और भारत सरकार ने बांग्लादेश में बड़ा निवेश किया है। हाल ही में बांग्लादेश ने चीन के प्रस्ताव को ठुकराते हुए भारत के साथ मिलकर तीस्ता परियोजना पर सहमति जताई है।भारत आज बांग्लादेश में अभूतपूर्व राजनीतिक उथल-पुथल का सामना कर रहा है, जब पिछले पंद्रह वर्षों से प्रधानमंत्री रहीं शेख हसीना वाजेद को सेना के जनरलों और उनकी अपनी सुरक्षा टीम के सदस्यों ने मात्र 45 मिनट के भीतर देश छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया। वह अब दिल्ली में हैं और राजनीतिक शरण के लिए किसी पश्चिमी देश से हरी झंडी मिलने का इंतजार कर रही हैं।बांग्लादेश में पिछले तीन दिनों में घटनाक्रम इतनी तेजी से हुआ कि भारतीय खुफिया एजेंसियों को भी अंतिम समय में हुए घटनाक्रम के बारे में कोई पूर्व सूचना नहीं थी। भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारी पड़ोसी देश में अचानक हुई घटनाओं से स्तब्ध हैं, जिसमें पिछले कई वर्षों से भारत की सरकारों ने राजनीतिक और आर्थिक पूंजी के मामले में सबसे अधिक निवेश किया है। पिछले कुछ वर्षों में घटित घटनाओं के इतिहास में जाये बिना, खासकर कोटा प्रणाली के खिलाफ शुरू में 36 दिनों तक चले छात्र आंदोलन और फिर अंतिम चरण में हसीना सरकार को हटाने के लिए एक व्यापक आंदोलन में बदल जाने के बाद, प्रदर्शनकारियों और सेना द्वारा दिये गये संकेत भारत के हितों के विपरीत हैं। भारत को अस्थिर द्विपक्षीय संबंधों के दौर के लिए तैयार रहना होगा।

आइये, बांग्लादेश में हसीना के बाद के राजनीतिक परिदृश्य पर नजर डालें। अभी सेना प्रमुख वकर-उज-जमां ने बांग्लादेश का प्रशासन संभाल लिया है। उन्होंने अंतरिम सरकार के गठन के लिए अवामी लीग को छोड़कर सभी राजनीतिक दलों के साथ सोमवार की रात बैठक की। चर्चा में दक्षिणपंथी विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी ने हिस्सा लिया। अंतरिम सरकार के संभावित प्रधानमंत्री पद के लिए कुछ नामों पर चर्चा हुई। नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. मोहम्मद यूनुस उनमें से एक हैं। वे हसीना के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व करने वाले सर्वोच्च निकाय छात्र समूह अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन की पसंद प्रतीत होते हैं।बांग्लादेश में उभरते राजनीतिक परिदृश्य के बारे में दो अहम सवाल हैं। क्या सेना प्रमुख वास्तव में सत्ता को नागरिकों और राजनीतिक दलों को सौंप देंगे, जैसा कि वे कह रहे हैं, या बांग्लादेश की सेना प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शासन करना जारी रखेगी, जैसा कि उन्होंने पिछले वर्षों में कई मौकों पर किया है? फिर अगला सवाल, यदि सेना वास्तव में अंतरिम सरकार का गठन करती है और कुछ अंतराल के बाद चुनाव कराती है, तो कौन से राजनीतिक दल नये चुनावों में भाग लेंगे? यह मुद्दा भारत के लिए महत्वपूर्ण है।

अभी तक तो ऐसा लगता है कि शेख हसीना काफी समय तक अपने देश वापस नहीं आयेंगी। उनके बेटे ने लंदन में बीबीसी को बताया कि वे राजनीति छोड़ देंगी। हसीना के अधिकांश परिवार के सदस्य लंदन में हैं। वे 77 वर्ष की हैं। निश्चित रूप से उनमें अवामी लीग को पुनर्जीवित करके नये शासकों से लड़ने के लिए अधिक राजनीतिक क्षमता नहीं बची है। यदि वे अंतत~ राजनीति छोड़ने का फैसला करती हैं, तो अवामी लीग (एएल) का क्या होगा?एएल की सुप्रीमो के रूप में, उनका वचन ही कानून था। वे अपने अनुयायियों के भरोसे पार्टी और सरकार दोनों पर प्रभावशाली तरीके से शासन करती थीं। उनमें से कई अब बदनाम और शक्तिहीन हो चुके हैं। सत्ता खोने के बाद, आवामी लीग के नेताओं पर प्रदर्शनकारियों द्वारा शारीरिक हमले किये जा रहे हैं, जिनमें से अधिकांश को बीएनपी और जमात के समर्थकों द्वारा उकसाया जा रहा है।अब जब वे असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, अपने जीवन और सम्पत्ति की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं, तो उनमें से कई अपने परिवारों के साथ भारत जाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में, आवामी लीग को फिर से कौन खड़ा करेगा, जो बांग्लादेश की एकमात्र राजनीतिक पार्टी है जो वर्षों से भारत के साथ खड़ी रही है?संकेत बताते हैं कि आने वाले दिनों में, बीएनपी और जमात प्रमुख पार्टियां होंगी, क्योंकि वर्तमान में देश में आवामी लीग-विरोधी लहर चल रही है। बीएनपी ने पिछले चुनावों का बहिष्कार किया था। जमात को चुनाव अधिकारियों ने अनुमति नहीं दी थी, क्योंकि जमात बांग्लादेश के संविधान के सिद्धांतों के भीतर काम करने के लिए सहमत नहीं थी। जमात का अपना पार्टी संविधान है जिसे वह सर्वोच्च मानता है। अब भी, स्थिति वही बनी हुई है। अगर जमात को चुनावों में हिस्सा लेना है तो उसे बांग्लादेश के मौजूदा संविधान का पालन करना होगा, नहीं तो जमात की भागीदारी के लिए बांग्लादेश के संविधान में संशोधन करना होगा। स्थिति अभी भी अस्पष्ट बनी हुई है।एक और मुद्दा भेदभाव के खिलाफ छात्र समूह की भूमिका है। सोमवार को समूह ने कहा कि वे अंतरिम सरकार में सैन्य भागीदारी के पक्ष में नहीं हैं। वे नागरिक समाज संगठनों की भागीदारी चाहते हैं। क्या छात्र समूह के प्रतिनिधि सत्ता साझा करने में रुचि रखते हैं? यदि हां, तो किस रूप में? यह समूह पहले ही कह चुका है कि अवामी लीग को शामिल नहीं किया जाना चाहिए। वे अवामी लीग के नेताओं और इसके पार्टी विंग के छात्र नेताओं के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग कर रहे हैं, जिन्होंने प्रदर्शनों के दौरान उन पर हमला किया था। इस तरह, बांग्लादेश में अब अवामी लीग और बाकी के बीच एक बड़ा विभाजन हो जायेगा।भारत के लिए, बड़ी चिंता का विषय बांग्लादेश में रहने वाले 130 लाख हिंदुओं की सुरक्षा है। बांग्लादेश की कुल आबादी करीब 1800 लाख है। देश में जब भी कोई भारत- विरोधी आंदोलन शुरू होता है, तो अल्पसंख्यक समुदाय हमेशा हमले का निशाना बनता है। हाल ही में हुए बड़े पैमाने पर प्रदर्शनों में निश्चित रूप से भारत-विरोधी भावना थी और अब शेख हसीना के जाने और अवामी लीग के विघटन के बाद हिंदुओं के असुरक्षित महसूस करने के कई कारण हैं। भारत सरकार का प्राथमिक कार्य हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। अगर किसी कारण से पलायन शुरू हो जाता है, तो इसका कोई अंत नहीं होगा। प्रधानमंत्री मोदी को सेना के साथ-साथ कुछ विदेशी देशों से बात करके हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी, जो बांग्लादेश के नये शासकों को प्रभावित क सकते हैं। यह इस समय भारत के लिए सबसे जरूरी काम है।इसके अलावा, भारत को यह भी देखना होगा कि सत्ता परिवर्तन के परिणामस्वरूप द्विपक्षीय आर्थिक संबंध प्रभावित न हों। बांग्लादेश भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, जिसका द्विपक्षीय व्यापार 2023-24 में 12.9अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। बांग्लादेश को भारत का निर्यात कुल 11अरब अमेरिकी डॉलर है।भारतीय कंपनियों और भारत सरकार ने बांग्लादेश में बड़ा निवेश किया है। हाल ही में बांग्लादेश ने चीन के प्रस्ताव को ठुकराते हुए भारत के साथ मिलकर तीस्ता परियोजना पर सहमति जताई है। सड़क और जलमार्ग दोनों में कनेक्टिविटी के लिए चौतरफा सहयोग है। ये सभी बांग्लादेश के हित में हैं। इन पर सख्ती से काम किया जाना चाहिए और अगर नयी सरकार इस संभावना के लिए तैयार है तो भारत को बांग्लादेश में और अधिक निवेश के लिए तैयार रहना चाहिए।सच तो यह है कि कूटनीतिक पहल के मामले में भारत अब बांग्लादेश में पिछड़ गया है। चीन इस उथल-पुथल को बांग्लादेश में नये शासकों के लिए चर्चित परियोजनाओं के अपने सेट को आगे बढ़ाने के अवसर के रूप में लेना चाहेगा, जिसे हसीना ने हाल ही में अस्वीकार कर दिया था। भारत को सतर्क, सजग लेकिन निश्चित रूप से सक्रिय रहना होगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि बांग्लादेश में उसके प्रमुख हितों की रक्षा हो। साऊथ ब्लॉक को घटनाक्रम पर बारीकी से नज़र रखनी होगी और सावधानी से आगे बढ़ना होगा। लेकिन सभी कार्यों में से प्राथमिक कार्य इस समय बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

कठिन चुनौती है वर-वधू का चुनाव

आधुनिक युग में जिस तेजी से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन्हें देखते हुए चाहे प्रेम विवाह हो अथवा माता-पिता की सहमति से वर-वधू एक-दूसरे को पसंद कर शादी करें पर इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि दोनों का वैवाहिक जीवन सफल ही हो। माता-पिता द्वारा वर-वधू को पसंद कर की गई शादी तो अब दूर की बात हो गई है।

मीता और मोहन दोनों ने प्रेम विवाह किया और विवाह के कुछ समय बाद दोनों में तलाक हो गया। रीता और रमेश दोनों का विवाह माता-पिता ने अपनी पसंद से किया लेकिन उनमें भी नहीं बनी और उनका भी तलाक हो गया। अब प्रश्न उठता है कि वर-वधू का चुनाव किस तरह किया जाए कि उनका वैवाहिक जीवन सफल व खुशियों से भरा-पूरा हो।

आधुनिक युग में जिस तेजी से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन्हें देखते हुए चाहे प्रेम विवाह हो अथवा माता-पिता की सहमति से वर-वधू एक-दूसरे को पसंद कर शादी करें पर इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि दोनों का वैवाहिक जीवन सफल ही हो। माता-पिता द्वारा वर-वधू को पसंद कर की गई शादी तो अब दूर की बात हो गई है। अब न तो माता-पिता के भरोसे वर-वधू का चुनाव छोड़ा जाए और न ही पूर्णत: लड़के-लड़कियों के भरोसे।

वर्तमान समय में ये दोनों ही व्यवस्थाएं अपने आप में अपूर्ण हैं। वैवाहिक जीवन की गाड़ी लड़के-लड़की द्वारा ही चलेगी, माता-पिता द्वारा नहीं। इसलिए यह जरूरी है कि मध्य मार्ग का अनुसरण करते हुए वर और वधू को शादी से पहले एक-दूसरे के विचार, पसंद, नापसंद, भावनाएं, रुचियां, शिक्षा-दीक्षा और संस्कार आदि को भली प्रकार जानने-समझने की आवश्यकता होती है।

इस समस्या को हल करने के लिए कोई बीच का रास्ता अपनाया जाए। लड़के-लड़कियों को एक-दूसरे को जानने, समझने का मौका दिया जाए, एक-दूसरे की रूचियों, स्वभाव, संस्कार आदि सभी बातों को अच्छी तरह समझ लिया जाए पर यह स्वतंत्र रूप से नहीं वरन माता-पिता की सहमति से ही होना चाहिए।

इस संबंध में एक उदाहरण ध्यान देने योग्य है देवदास गांधी (महात्मा गांधी के पुत्र) और राजगोपालाचारी की पुत्री, दोनों के निकट संपर्क होने के कारण प्रेम हो गया और दोनों ने शादी की इच्छा जतलाई। गांधीजी और राजगोपालाचारीजी ने इस समस्या पर विचार कर यह निर्णय दिया कि यदि आगे पांच साल तक दोनों का प्रेम स्थायी रहा तो विवाह कर देंगे। दोनों ने पांच साल तक प्रतीक्षा की और पवित्र जीवन बिताया। इस परीक्षा के बाद जब दोनों का प्रेम स्थायी रहा तो विवाह कर दिया गया। इस तरह हम देखते हैं कि जब तक प्रेम की परीक्षा न हो जाए, वह आंतरिक और शुद्ध न हो तब तक प्रेम विवाह को टालना ही हितकारी है। भावावेश में लिया गया निर्णय कभी वास्तविक प्रेम नहीं हो सकता।

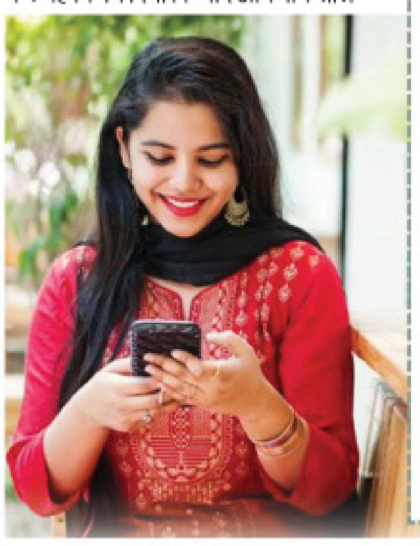

अनुभवहीन लड़के

लड़कियां, बिना जाने-समझे आस-पड़ोस या कहीं निकट संपर्क में आने पर इस तथाकथित प्रेम के चक्कर में फंसकर प्रेम-विवाह कर लेते हैं तो आगे चलकर कुछ समय बाद उनका वैवाहिक जीवन प्राय: कष्टकारी ही बीतता है। वर-वधू का चुनाव करते समय एक महत्वपूर्ण बात यह ध्यान में रखने योग्य है कि इसमें धन को विशेष महत्व न दिया जाए। इस दृष्टि से विवाह करना कि वर पक्ष अधिक धन-संपत्ति वाला है या वधू पक्ष से अधिक दहेज मिलेगा, यह बहुत बड़ी भूल है। अधिकांश लोग धन के लालच में पड़कर वर या वधू के न तो गुण, कर्म, स्वभाव, स्वास्थ्य या योग्यता को महत्व देते हैं और न ही उनके चरित्र, संस्कार व आदर्शों को। परिणामस्वरूप ऐसा वैवाहिक जीवन प्राय: कष्टकारी, नारकीय अथवा असफल जैसा ही हो जाता है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि वर-वधू का चुनाव करते समय देखने वाली महत्वपूर्ण बाते ये हैं कि दोनों का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य उत्तम हो। दोनों के आचार-विचार मिलते हों, जरूरी समझ और पैनी दृष्टि हो। इसके अतिरिक्त शिक्षा-दीक्षा, उत्तम संस्कारों का मेल एवं सूझबूझ वर-वधू के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं।

हाल ही में सोशल मीडिया में एक पति का लिखा वो पत्र लोगों को भावुक कर गया, जिसमें उसने अपनी पत्नी को समर्पण के लिए शुक्रिया कहा और कृतज्ञता जताई। पति ने लिखा कि एक गृहिणी होने के नाते मुझे लगता था कि मेरी पत्नी घर पर रहती है तो उसके पास काम ही क्या है? इसलिए मैंने उसे कभी उसके काम का क्रेडिट नहीं दिया। वह दिनभर घर और बच्चे की देखभाल में थकी रहती। लेकिन मुझे घर लौटने पर हमेशा अपनी ही थकान दिखती।

गृहिणियों का श्रम भी मान का हकदार

ऑफिस से लौटकर मैं उसे अक्सर यही कहता कि तुमने क्या किया दिनभर? लेकिन अब गंभीरता से सोचने पर लगता है कि यह महिला कितनी गजब की है। जो बच्चे और घर की अनगिनत जिम्मेदारियां अकेले ही संभालती है। इतना सोचा तो खुद पर ही गुस्सा आया। इसलिए सबसे कहूंगा कि अपने बच्चों की मां का सम्मान करें। जो घर-परिवार के लिए अपनी हर खुशी से नाता तोड़ लेती हैं।

हर मोर्चे पर है डटी

चिंता में डूबी पत्नी, नसीहतें और समझाइशें देती मां, बड़ों की देखभाल का जिम्मा उठाने वाली बहू और नाते रिश्तेदारी के बुलावे और दिखावे की रीति-नीति निभाने वाली एक जिम्मेदार स्त्री। वह हर मोर्चे पर डटी रहती है। भागती है, दौड़ती है, हांफती है, थकती है। भीतर ही भीतर जूझती भी है। बस, मन की नहीं कहती कभी। गृहिणी जो है। सामाजिक-पारिवारिक छवि कुछ ऐसी कि वह सब कुछ करती है पर कुछ नहीं कहती। वाकई, गृहिणी के रूप में स्त्री की यह भूमिका साधारण होकर भी कितनी असाधारण है। रोजमर्रा की अनगिनत जिम्मेदारियों को निभाते हुए समय के साथ कितना कुछ रीत जाता है गृहिणियों के मन के भीतर। लेकिन इसे समझने का अवकाश ना उसे मिलता है और ना ही उसके अपनों को।

बदलते समय में बढ़ी जिम्मेदारियां

समय के साथ गृहिणी की भूमिका भी बदल गई है। लेकिन उसके हिस्से आई जिम्मेदारियां कम नहीं हुई हैं। आज हर काम के लिए घरों में मशीनें मौजूद हैं पर उसकी भागमभाग अब भी जारी है। पहले जिम्मेदारियां तो थीं लेकिन दायरा सीमित था। मगर आज दायरा असीमित है घर से लेकर बाहर की जिम्मेदारी के अलावा बच्चों की पढ़ाई से लेकर फ्यूचर इंवेस्टमेंट की तैयारियों में वह जुटी रहती है। फिर भी वह हर बात में तालमेल बैठा ही लेती है।

सबके लिए कुछ न कुछ

चाहे गांव हो या शहर सुबह सबसे पहले बिस्तर छोड़ने और रात को सबके बाद अपने आराम की सोचने वाली महिलाएं पति, बच्चों और घर के अन्य सदस्यों की देखरेख में इतनी व्यस्त हो जाती हैं कि खुद को हमेशा दोयम दर्जे पर ही रखती हैं। दूसरों की शर्तों, इच्छाओं और खुशियों के लिए जीने की उन्हें न केवल आदत-सी हो जाती है बल्कि किसी काम में जरा-सी भी कमी रह जाए तो, वे अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। लेकिन फिर भी देखने में आता है कि उन्हें ताने ही सुनने को मिलते हैं। उनके काम का श्रेय और सम्मान उनके हिस्से नहीं आता। कुल मिलाकर कहा जाए तो वो एक ऐसा 'सपोर्ट सिस्टम है जो हमें जीने का हौसला देती है। न कोई छुट्टी ना कोई वेतन। सच कहें तो कोई गृहिणी वेतन चाहती भी नहीं। पर वो अपनों की जो सेवा सहायता करती है उसके बदले सम्मान की अपेक्षा तो करती ही है जो कि उसका मानवीय हक भी है। एक राष्ट्रीय सर्वे के मुताबकि 45 प्रतिशत ग्रामीण और 56 प्रतिशत शहरी महिलाएं जिनकी उम्र पंद्रह साल या उससे ज्यादा है पूरी तरह से घरेलू कार्यों में लगी रहती हैं। यह आंकड़ा हैरान करने वाला है कि 60 साल से ज्यादा की उम्र वाली एक तिहाई महिलाएं ऐसी हैं, जिनका सबसे ज्यादा समय इस आयु में भी घरेलू कार्यों को करने में ही जाता है।

भागीदारी का आर्थिक पहलू

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ भारत में ही महिलाएं दिनभर में 352 मिनट अवैतनिक कार्यों को करने में बिताती हैं। यानी इन कामों के लिए उन्हें कोई आर्थिक लाभ नहीं मिलता। जबकि कुछ सालों पहले अमेरिका में हुए एक अध्ययन ने वहां गृहिणियों द्वारा किए गए घरेलू कामों की सालाना कीमत 57 लाख रुपए के बराबर आंकी थी। गौरतलब है कि पश्चिमी देशों में घर की जिम्मेदारियां केवल महिलाओं के हिस्से नहीं हैं। इसलिए वहां गृहिणी के रूप में भी महिलाओं के श्रम और आर्थिक भागीदारी के पक्ष को महत्व दिया जाता है। जबकि हमारे यहां का रहन-सहन और सामाजिक ढांचा कुछ इस तरह का है कि घर पर रहने वाली महिलाओं के हिस्से में काम विकसित देशों से ज्यादा हैं और सुविधाएं कम हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि हमारे यहां घरेलू कार्य का जिम्मा पूरी तरह से महिलाओं का ही होता है। पुरुषों का सहयोग नाममात्र को ही मिलता है। हमारे यहां घरेलू कामकाज में पुरुषों की भागीदारी प्रतिदिन केवल 19 मिनट है।

अनदेखी की शिकार

गृहिणी हर परिवार की पृष्ठभूमि तैयार करती है। किसी कलाकृति को उकेरने के लिए जो स्थान कैनवास का होता है घर के सदस्यों के जीवन में वही भूमिका होती है गृहिणियों की। ये बात और है कि तस्वीर बन जाने पर वे भी कैनवास की तरह ही कहीं पीछे छुप जाती हैं। शायद यही वजह है कि इस रूप में महिलाओं की भागीदारी को हर जगह और हर हाल में अनदेखा करने की ही कोशिश की जाती है। घर का कोई भी सदस्य किसी भी समय कह देता है कि 'तुम दिन भर घर में करती ही क्या हो?'

मनोवैज्ञानिक आधार

मनोवैज्ञानिक रूप से देखा जाय तो यह अनदेखी एक अपराधबोध के भाव को जन्म देती है। वे सबके साथ होकर भी अकेली हो जाती हैं। उनके मन में सब कुछ करके भी खुद को कुछ भी करने योगय ना समझने का भाव इतना गहरा जाता है कि ये तनाव और अवसाद की शिकार बन जाती हैं। एक हालिया अध्ययन में भी सामने आया है कि 96 फीसद महिलाएं दिन में कम से कम एक बार खुद को दोषी या अपराधी मानती हैं। अपराधबोध से जुड़ा उनका यह भाव अधिकतर मामलों में बच्चों की परवरिश या परिवार की संभाल से ही जुड़ा होता है। इसके बावजूद उनके कार्यों का आकलन ठीक से नहीं किया जाता है।

पेरेंट्स को शर्मिंदगी से बचाती है टॉयलेट ट्रेनिंग, और भी कई काम आती है ये सीख

बच्चों को अगर टॉयलेट ट्रेनिंग दी जाए, तो इससे पेरेंट्स का काफी काम आसान हो जाता है। बच्चे कभी भी कहीं भी पेशाब या पॉटी नहीं करते हैं जिससे घर साफ रहता है।

छोटे बच्चों यानि टॉडलर एज में बच्चों को पॉटी ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें बच्चों को खुद टॉयलेट जाना सिखाया जाता है। आप 8 से तीन साल के बच्चे को पॉटी या टॉयलेट ट्रेनिंग सिखा सकते हैं। 18 महीने के होने के बाद बच्चे का अपने ब्लैडर यानि मूत्राशय पर कंट्रोल आता है। इसलिए एक साल के होने बाद ही आप बच्चे को पेशाब और पॉटी करना सिखाना शुरू कर दें। बच्चे के लिए क्यों जरूरी है पॉटी ट्रेनिंग बच्चे के लिए उसकी उम्र के हिसाब से पॉटी सीट लाएं। इन्हें बच्चे के कंफर्ट के हिसाब से ही डिजाइन किया जाता है। हालांकि, बच्चे को ये ट्रेनिंग देने के लिए आपको बहुत समय और धैर्य की जरूरत होगी।

कैसे दें पॉटी ट्रेनिंग

आप ध्यान दें कि बच्चा दिन में कितनी बार पेशाब या पॉटी करता है और उसका समय क्या है। क्या पेशाब या पॉटी आने से पहले कोई आवाज करता है या मुंह बनाता है। जब आप इस पैटर्न को समझ जाएंगे, तब आसानी से बच्चे को ट्रेन कर पाएंगे।

साउंड का करें इस्तेमाल

जब बच्चे को पॉटी आती है, तो आप एक आवाज निकालें। बच्चे को सिखाएं कि ये आवाज सुनने पर उसे पॉटी करनी है। कई लोग बच्चे को पेशाब करने के लिए 'स्स्स्स' की आवाज निकालते हैं। जब भी बच्चे को टॉयलेट जाना हो, तो आप ऐसी आवाज निकालें।

थोड़ी-थोड़ी देर में टॉयलेट ले जाएं

बच्चे को थोड़ी-थोड़ी देर में टॉयलेट लेकर जाएगा। सुबह उठने के बाद या खाना खाने के बाद बच्चे को टॉयलेट लेकर जाएं। ऐसा करने पर बच्चे को समझ आने लगेगा कि टॉयलेट में आने पर उसे पेशाब या पॉटी करनी है। टॉयलेट में आपको बच्चे से बात भी करनी है। उसे गाना सुनाएं या उसकी पसंद का खिलौना दें। उसकी पसंद की चीज पर ध्यान देने से बच्चा पॉटी ट्रेनिंग की प्रक्रिया को आसानी से समझ पाएगा।

साइन आएंगे काम

जब भी बच्चे को पेशाब या पॉटी आए तो आप कुछ साइन यानि संकेतों का इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चा जल्दी ही इन संकेतों को समझने लग जाएगा और पेशाब या पॉटी आने पर आपको इन संकेतों की मदद से बता देगा।

क्यों जरूरी है पॉटी ट्रेनिंग

जन्म के बाद शुरुआती कुछ महीनों में शिशु दूध पीता है और थोड़ी-थोड़ी देर में पॉटी करता है। लेकिन जब बच्चा थोड़ा बड़ा हो जाता है और खेलने-कूदने लगता है या आपके साथ कहीं बाहर या किसी के घर जाने लगता है, तो उसे पॉटी या टॉयलेट ट्रेनिंग देनी बहुत जरूरी होती है। सोचिए, आप अपने बच्चे को किसी रिश्तेदार या दोस्त के घर लेकर गईं हैं और वहां पर बच्चे ने उनके सोफे या पलंग पर ही पेशाब या पॉटी कर दी तो आपको कितनी शर्मिंदगी महसूस होगी। इस तरह की परिस्थितियों से बचने के लिए ही बच्चों को टॉयलेट ट्रेनिंग दी जाती है। टॉयलेट ट्रेनिंग के बाद बच्चे खुद ही कुछ संकेतों की मदद से आपको बता देंगे कि उन्हें टॉयलेट जाना है।

क्या बारिश में आपके भी तौलिए से बदबू आती है? कैसे दूर करें

बारिश के दौरान अक्सर तौलिए में से बदबू आने लगती है जिससे पूरा मूड ऑफ हो जाता है। इतना ही नहीं त्वचा की निखार पर भी असर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि गिले या नमी वाले तौलिये में बैक्टीरिया पनप जाते हैं। इस वजह से त्वचा संबंधित परेशानी भी हो सकती है। तो आइए जानते हैं कैसे आसान तरीकों से तौलिए से आ रही बदबू को भगाएं।

- सबसे पहली बात, कई लोग टॉवेल को ठीक करके उन्हें बाथरूम में रख देते हैं। लेकिन नमी के कारण उनमें बैक्टीरिया पनप जाते हैं। और वह बदबू मारने लगते हैं। इसके बाद वहीं टॉवेल का उपयोग त्वचा संबंधित कुछ भी परेशानी हो सकती है। इसलिए तौलिए को बारिश के दिनों में सुखी जगहों पर ही रखें।
- अक्सर नहाने के बाद लोग तौलिए को कहीं भी डाल देते हैं। ऐसे में बहुत बदबू आने लगती है। मौसम कोई-सा भी हो नहाने के बाद तौलिए को हमेशा किसी भी स्टैंड या रस्सी पर ही डालें। जिससे टॉवेल का गीलापन सुख जाएगा और बदबू भी नहीं आएगी।
- बारिश में दो तौलिए का इस्तेमाल कीजिए। और तौलिए को हर 2 दिन में धोते रहिए। जिससे बदबू नहीं आएगी और बैक्टीरिया भी नहीं पनपेंगे। मानसून सीजन में धूप बहुत कम निकलती है लेकिन जब भी धूप निकलती है तो गीले कपड़ों को धूप में जरूर डालें। इससे किसी भी कपड़ों में से बदबू नहीं आएंगी। साथ ही तौलिए को धूप में जरूर रखें।
- बारिश के सीजन में कपड़ें अगर नहीं सूखते हैं तो उन्हें आप पंखे की हवा में सुखा लीजिए। इससे बदबू नहीं आएगी।
- बारिश के दौरान सर्फ का इस्तेमाल थोड़ा अधिक कर लीजिए। इससे कपड़ों में से सर्फ की सुगंध के बीच बदबू दब जाएगी। साथ ही आप कपड़ों को धोने के दौरान हल्का सा डेटॉल का प्रयोग भी कर सकते हैं इससे भी कपड़ों में से बहुत कम दुर्गंध आएंगी। हल्की बदबू आने पर आप हल्का स्प्रे भी कर सकते हैं।

5 मिनट में तैयार करें नेल सीरम बढ़ जाएगी हाथों की खूबसूरती

बड़ें और मजबूत नाखून हाथों की शान को बढ़ा देते हैं। नाखून लंबे होने पर उंगलिया भी लंबी लगती है और नाजुक दिखती है। साथ ही हाथ खूबसूरत लगते हैं। अक्सर लड़कियां अपने नाखूनों पर लंबे वक्त तक नेल पेंट लगाकर रखती है। इतना ही नहीं नेल आर्ट भी दो या तीन महीने के लिए करवाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं चेहरे की तरह नाखून की केयर करना भी जरूरी है। वरना नाखून भी बेजान हो जाते हैं और वह टूटने लगते हैं। जरूरी यह भी नहीं है कि हमेशा महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर नाखून को सुंदर बनाया जा सकता है। दादी - नानी के नुस्खें आज भी बहुत कारगर है। तो आइए जानते हैं कैसे घर पर नेल सीरम तैयार करें ताकि नाखुनों को भी चेहरे की तरह ग्लो मिले।

सामग्री - 1 छोटा चम्मच एलोवेरा जेल, 2 विटामिन ई कैप्सूल, 1 छोटा चम्मच नारियल तेल

विधि - सभी को एक कटोरी में मिलाएं।

- इसके बाद किसी कंटेनर में भर लें।
- आपका सीरम तैयार है। अब इसे फ्रीज में स्टोर कर सकते हैं।

नेल सीरम लगाने का तरीका

- सबसे पहले अपने नाखून को अ
से धो कर पोंछ लें।
- इसके बाद एक कच्ची लहसुन की कली लें, छिलकर।
- उसे हल्के हाथों से रगड़े। क्योंकि तेज रगड़ने पर जलन भी हो सकती है।
- 10 मिनट के लिए छोड़ दें।
- इसके बाद तैयार नेल सीरम से मसाज करें।
- 10 मिनट लगा रहने दे और बाद में धो लें।
- फिर देखिए आपके नेल कितने साफ और सुंदर दिखेंगे।

नेल सीरम के फायदे

- नेल सीरम लगाने के बाद नाखूनों की सफाई होती रहेगी।
- नाखूनों की चमक बढ़ेगी।
- वह मजबूत होंगे और सुंदर दिखेंगे।

मुंह की कई बीमारियों को दूर करता है गुड़

सुबह उठकर अगर बासी मुंह गुड़ खाकर गर्म पानी पीया जाए तो यह सेहत के लिए काफी लाभदायक साबित हो सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक, इससे न केवल अलग-अलग बीमारियों के उपचार में लाभ मिलता है, बल्कि आपकी सेहत भी दुरुस्त रहती है।

आयुर्वेद के मुताबिक सुबह उठते ही गर्म पानी पीने के कई फायदे हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सुबह उठकर अगर बासी मुंह गुड़ खाकर गर्म पानी पिया जाए तो यह सेहत के लिए काफी लाभदायक साबित होता है। आयुर्वेद के मुताबिक, इससे न केवल अलग-अलग बीमारियों के उपचार में लाभ मिलता है, बल्कि आपकी सेहत भी दुरुस्त रहती है। सुबह उठकर बासी मुंह गुड़ खाकर गर्म पानी पीने से शरीर में भी काफी शक्ति आती है।

हालांकि कई सारे लोग इन दोनों के स्वास्थ्य लाभ के बारे में नहीं जानते होंगे, लेकिन इनका सेवन हर किसी व्यक्ति के लिए फायदेमंद हैं। अगर आप भी इन दोनों के स्वास्थ्य लाभ के बारे में नहीं जानते हैं तो हम आपको यहां गर्म पानी और गुड़ के सेवन से जुड़े कई लाभ बताने जा रहे हैं। ऐसा करने से आपके शरीर से न केवल कई सारे रोग दूर होंगे, बल्कि आपका स्वास्थ्य भी हमेशा दुरुस्त रहेगा।

वजन घटाने में फायदेमंद

अगर आप गुड़ और गर्म पानी पीने के फायदों के बारे में नही जानते हैं तो आपको बता दें कि गुड़ में मौजूद पोटेशियम, मैग्नीशियम, विटामिन B1, B6 और विटामिन C हमारे शरीर में एक्स्ट्रा कैलोरी बर्न करने में मदद करते हैं, जिसके कारण आपका बढ़ा हुए पेट अंदर हो सकता है और आपको वजन कम करने में भी मदद मिलेगी। ऐसा करने के लिए आप रात को दो टुकड़े गुड़ के खाकर गर्म पानी पी लीजिए।

पेट से जुड़ी परेशानियां होती हैं दूर

अगर आप गैस की समस्या से परेशान रहते हैं तो आप रोज रात को सोने से पहले दो टुकड़े गुड़ खाकर गर्म पानी पी लें। ऐसा करने से गैस, कब्ज जैसी पेट संबंधी परेशानियां दूर होती है। अगर आप लगातार सुबह पेट न साफ होने की शिकायत से परेशान रहते हैं तो आप इस उपाय को जरूर अपना सकते हैं।

अनिद्रा की समस्या भी होती है दूर

अगर आप भी उन लोगों में शुमार हैं, जिन्हें रात को ठीक से नींद नहीं आती या फिर बैचेनी महसूस होती है तो वे लोग गर्म पानी के साथ गुड़ के एक या दो टुकड़े जरूर खाएं। गुड़ में पाए जाने वाले एंटी-डिप्रेसेंट गुण तनाव को दूर करने और नींद दिलाने में मदद करते हैं।

बीमारियों को खत्म करता है गर्म पानी और गुड़

रोज रात को इलायची के साथ गुड़ खाकर गर्म पानी पीने से मुंह के बैक्टीरिया खत्म हो जाते हैं। ऐसा करने से न केवल आप कैविटी जैसी समस्या से दूर रहते हैं, बल्कि आपके मुंह से बदबू की समस्या भी खत्म हो जाती है। गर्म पानी और गुड़ से आपके मसूड़े भी स्वस्थ रहते हैं।

दूध में गुड़ डालकर पीना है कितना फायदेमंद

अनिद्रा को दूर करे

अगर आपको नींद न आने की समस्या हो तो सोने से पहले एक गिलास गर्म दूध और गुड़ मिलाकर पीना चाहिए। इससे आपकी अनिद्रा की बीमारी दूर हो जाएगी। गुड़ का सेवन करने से हमारा खून शुद्ध होता है और दूध हमारे शरीर में ऊर्जा बनाएं रखता है। ये हमारे शरीर को रिलैक्स की मुद्रा में लाता है।

पाचन को ठीक करे

पाचन से जुड़ी समस्याओं को ठीक करने में दूध और गुड़ बहुत लाभकारी होते हैं। इन दोनो सामग्रियों में मौजूद पोषण पेट में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाने में मदद करते हैं, जिससे पाचन ठीक बना रहता है। इसे पीने से हमारी पाचन क्रिया से जुड़ी सारी समस्याएं दूर हो जाती है। साथ ही इसका सेवन करने से पेट में गैस नहीं बनती।

कैल्शियम से भरपूर

दूध एवं गुड़ दोनों ही कैल्शियम के भरपूर स्रोत माने जाते हैं, इसलिए शरीर को हेल्दी बनाएं रखने के साथ ही हड्डियों की बीमारियों जैसे स्टियोपोरोसिस या उम्र के साथ होने वाले जोड़ों के दर्द आदि से भी सुरक्षित रखता है। इसलिए हर रोज गुड़ की छोटा सा पीस अदरक के साथ मिलाकर खाएं और गरम दूध पिएं। ऐसा करने से आपके जोड़ मजबूत होंगे और दर्द भी दूर हो जाएगा।

दूर करे पीरियड का दर्द

महिलाओं को पीरियड्स के दर्द से बचने के लिए गरम दूध में गुड़ डालकर कर जरूर पीना चाहिए। डॉक्टर हमेशा गर्भवती महिलाओं को थकावट और कमजोरी को दूर करने से लिए गुड़ का सेवन करने के सलाह देते हैं। अगर गर्भवती महिला हर रोज गुड़ खाती है तो उन्हें एनीमिया नही होता।

वजन घटाने मे सहायक

अगर आप मोटापे के शिकार हैं तो इसे बचने के लिए गुड़ को शक्कर की जगह दूध या चाय में डाल कर पीएं। गुड़ और दूध वेट को कम करने में मदद करते हैं। गुड़ में प्रोटीन के रूप में एनर्जी होता है और दूध दूसरी ओर चर्बी को जलाने में मदद करता है।

रेसिपी

चने के कबाब

सामग्री

■ काले चने: 2 कप ■ ब्रेड क्रम्ब्स: 1/2 कप ■ बारीक काटे प्याज: 2 ■ बारीक काटी शिमला मिर्च: 1 ■ उबले आलू: 2 ■ अदरक लहसुन का पेस्ट: 2 टेबलस्पून ■ धनियापत्ती: 2 टेबलस्पून ■ अमचूर पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ गरम मसाला: 1/2 टीस्पून ■ जीरा पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ लाल मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ चाट मसाला: 1/ टीस्पून ■ पानी जरूरत के हिसाब ■ नमक: स्वाद के अनुसार ■ कबाब पकाने के लिए तेल

विधि

सबसे पहले चने को भिगोकर 5-6 घंटे के लिए रख दें। इसके बाद चने का पानी छान लें। फिर कूकर में चने और 1 कप पानी डालकर 5-6 सीटी लगा लें। कूकर का प्रेशर खत्म होने के बाद चने का पानी छान लें। एक बर्तन में चने मैश कर लें। अब इसमें लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला, जीरा पाउडर, अमचूर, धनियापत्ती, अदरक लहसुन का पेस्ट, उबले आलू, शिमला मिर्च, ब्रेड और नमक मिला लें। आलू को भी मैश कर लें। हथेलियों पर थोड़ा-सा तेल लगाकर मिश्रण से थोड़ा-सा हिस्सा लेकर पहले लोई बनाएं फिर इसे चिपटा करके कबाब का आकार दें। इसी तरीके से मिश्रण से कबाब बना लें। इसके बाद कड़ाही में तेल गर्म करें। गर्म तेल में एक बार 4-5 कबाब डालकर करारे होने तक तल लें। तैयार कबाब पर चाट मसाला छिड़क लें, हरी और लाल चटनी के साथ खाएं-खिलाएं।

व्रत वाले आलू बड़े

सामग्री

■ कुट्टू का आटा: 1 कप ■ उबले आलू : 4 ■ जरूरत के हिसाब से तेल ■ जीरा: 1/2 टीस्पून ■ सौंफ: 1/2 टीस्पून ■ बारीक काटी हरी मिर्च: 2 ■ करी पत्ता: 7-8 ■ काली मिर्च पाउडर: 1/2 टीस्पून ■ सेंधा नमक: 2 टीस्पून ■ नींबू का रस: 1 टीस्पून ■ शक्कर: स्वाद के अनुसार ■ घी: 2 चम्मच

विधि

सबसे पहले कड़ाही में घी डालकर मीडियम आंच पर मिर्च, सौंफ, जीरा, करी पत्ते डालकर 1-2 मिनट तक भून लें। इसके बाद इसमें आलू मैश करके डाल दें। इसमें काली मिर्च, नींबू का रस और थोड़ी-सी शक्कर डालकर मिक्स कर लें। आलू बड़े का भरावन तैयार है। इसे आंच से उतार कर ठंडा होने दें। भरावन को दूसरे बर्तन में निकाल लें, कड़ाही साफ कर लें। साफ कड़ाही में तेल डालकर धीमी आंच पर रख दें। जब तक तेल गर्म हो रहा है तब तक घोल तैयार कर लें। इसके लिए बर्तन में कुट्टू का आटा और थोड़ा-सा सेंधा नमक मिक्स कर लें। फिर पानी डालकर बढ़िया घोल तैयार कर लें। अब आलू वाले मिश्रण से लोइयां बना लें। एक लोई लेकर इसे घोल में डुबोएं फिर तेल में छोड़ते जाएं। एक बार में 2-3 आलू बड़े ही तेल में डालें। आलू बड़ों को बढ़िया तरीके से तलकर निकाल लीजिए। तैयार व्रत वाले फलाहारी आलू बड़ों को फलाहारी चटनी के साथ खाएं-खिलाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। शुभांक-5-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखे। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-8-9

काकुरो पहेली - 1802

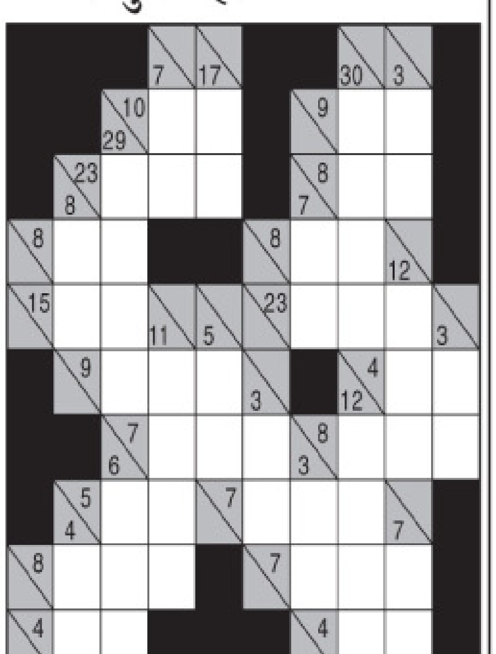

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

16 / 23: 1 2 3 4 6 — 6 8 9

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 1801 का हल

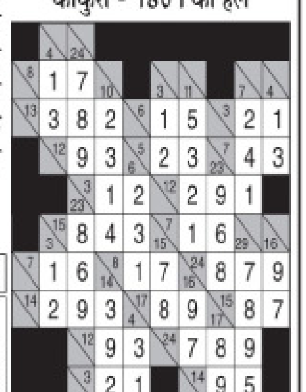

हंसी के फूव्वारें

एक पागलखाने में एक दर्शक का गाइड ने बताया-'यह जो पागल आपके सामने खड़ा है, इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसे उस लड़की ने ठुकरा दिया, जिसे वह प्यार करता था.'

'और वह!' दर्शक ने एक अन्य पागल की तरफ इशारा करते हुए पूछा.

'ओह !' गाइड बोला-'इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसने उसी लड़की से विवाह कर लिया.

□ □ □

पहला-'पत्नी हर जन्म में वही पति क्यों पाना चाहती है?'

दूसरा-ताकि उस पति को सुधारने का परिश्रम बेकार न चला जाए.

□ □ □

'दुर्लभ पुस्तक किसे कहते हैं ?'

'जिसे पढ़कर सगे संबंधी, मित्र और पड़ोसी सुरक्षित लौटा दें.'

□ □ □

बाजार से आते ही मालकिन नौकरानी पर बिगड़ गई-''कल से तू काम पर मत आना !''

''जी ! क्या बात हो गई ?''

''जब मैं बाजार गई थी तो तेरे हाथ में चार चूड़ियां थीं, अब दो ही रह गई हैं.''

''जी. वह काम करने में टूट गई !''

''वह तो ठीक है. मगर पलंग पर तू क्या काम करने गई थी?''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1802

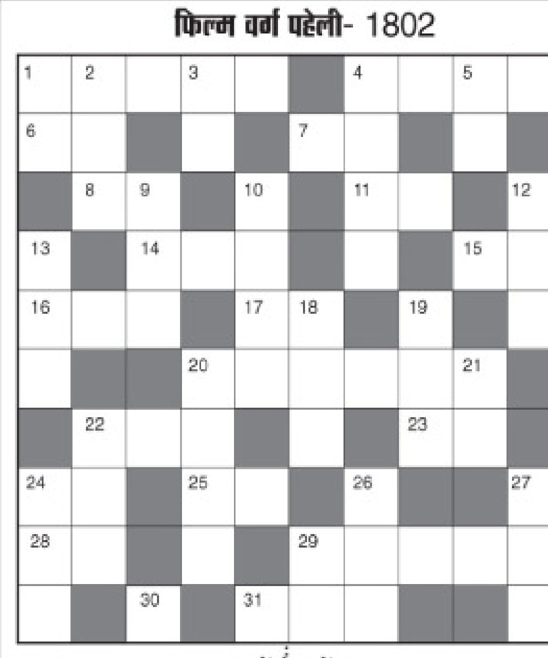

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, जया की 'ये जुल्फ कैसी है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. 'सीमायें बुलाये तुझे' गीत वाली जे.पी.दत्ता की युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी एक मल्टीस्टारर फिल्म-२,१,१
६. फिल्म 'साया' में नायिका कौन थी-२
७. 'झमका चाँदी दा' गीत वाली मनोज, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
८. अभिषेक, अंतरा माली की 'बेरंग जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'जीवनमृत्यु' में नायिका थी-२
१४. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फराजखान, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आज मदहोश हुआ जाये' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
१७. संजय कपूर, रवीना, अदिति को 'हंसता है रूलता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'सनन सनन साय साय हो' गीत वाली गोविंदा, रंभा की फिल्म-४,२
२२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तू कल चला' गीत वाली संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम ढिल्लों की फिल्म-२
२४. जैकी, सुनील शेट्टी, डिनो, करिश्मा की 'ऐ सुबह तू' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'तुझे जाना इधर आ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-२
२८. देवआनंद, गीता बाली की 'चांदनी रातें प्यार की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जिनके पास हाथी घोड़ा' गीत वाली राजकुमार, लीना की फिल्म-२,१,२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'लड़की जो आए बाजार में' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मनीषा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आजा' गीत वाली संजय दत्त, आफताब, नंदिता की फिल्म-२
२. ऋषिकपूर, माधुरी दीक्षित की 'जाने वो कैसा चोर था' गीत वाली फिल्म-३
३. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
४. अक्षय, करीना कपूर, प्रियंका की फिल्म-४
५. 'दिल दिया है तुझे' गीत वाली अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
९. राहुल बोस, करीना कपूर की 'जाने क्यूं हमको' गीत वाली फिल्म-३
१०. राजकपूर, परवीन की 'आपसा कोई हसीन' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'तोता मैना की कहानी' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१३. मिलिंद सोमण, किरण झवेर की 'जीना है तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'सुलगे हुए हैं' गीत वाली जिमी, इरफान, ऋषिता, नम्रता की फिल्म-३
१९. फिल्म 'अवतार' में राजेश की नायिका ?-३
२०. 'नहीं ये हो नहीं सकता' गीत वाली फिल्म-४
२१. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, मधु, सीमा की 'आई सी यू बेबी' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'रंग और नूर की बारात' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
२४. नसीर, फारूख शेख, स्मिता की फिल्म-३
२६. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२७. शाहरूख, माधुरी की 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1801

सूडोकु -1802

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1801 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 1802

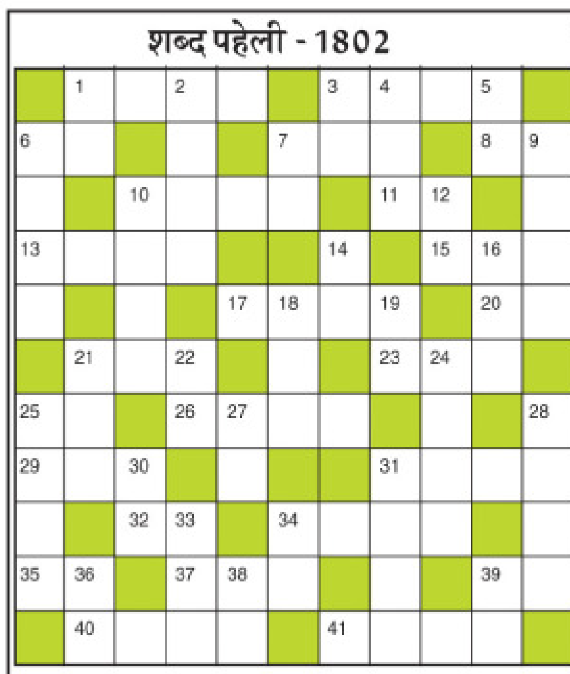

बाएँ से दाएँ

1.जाति,समाज,बंधुता-4
3.स्वयंवर माला,जीत-4
6.चूहे का घर-2
7.स्थिर,टिका हुआ-3
8.पार्थिव देह,लाश-2
10.सुवासित करना-4
11.थोड़ा,कम-2
13.मोटा आटा,दानेदार-4
15.गौरव,अभिमान-3
17.विष्णु,नारायण-4
20.वाहन,गाड़ी,जहाज-2
21.होशियार,दक्ष-3
23.उचित,सही-3
25.जया भादुड़ी व अमिताभ की फिल्म-2
26.करिश्मा,करतब-4
29.भर्त्सना,धिक्कार-3
31.गुलाम,परतंत्र-4
32.बेल,लतिका-2
34.आश्चर्य-4
35.नांद,टप-2
37.मग्नता-3
39.मछली-2
40.कुशलपूर्वक,सुरक्षित-4
41.मित्रतापूर्ण-4

ऊपर से नीचे

1.विधेयक,देयक-2
2.विजयादशमी-4
3.जीत,विजय-2
4.जुड़वा-3
5.शव,मृत शरीर-2
6.बंधु,सजातीय,भाई-4
7.एक आंख वाला-2
9.मौजूदा,आधुनिक-4
10.मदमस्त-4
12.धुन,लय,सुर-2
14.इच्छा,कामना-2
16.सुर साधना-3
18.भगवान कृष्ण का गरीब मित्र-3
19.छुट्टी,अवकाश-2
21.अच्छे कुल का-3
22.भाग्य (अंग्रेजी-2)
24.यम,मृत्यु का देवता-4
25.अपमिश्रण, खोट-4
27.निशा,रात्रि-2
28.कहासुनी,कलह-4
30.तल्ला,पैंदा-2
31.गुलामी,पराश्रित-4
33.शिक्षा(उर्दू-3)
34.अदा करना,चुकाना-2
36.एक सवारी गाड़ी-2
38.झुका हुआ-2
39.दोस्त,सखा-2

शब्द पहेली - 1801 का हल

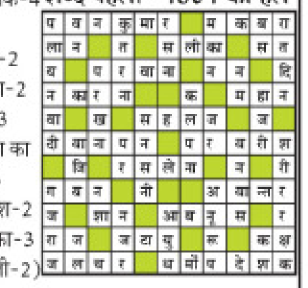

सिक्किम के सोरेंग में 4.4 तीव्रता का भूकंप, लोग घरों से भागे

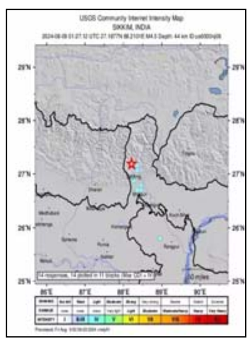

एजेंसी
गंगटोक। सिक्किम के कुछ हिस्सों में सुबह भूकंप से धरती कांपी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, इसका सर्वाधिक असर सिक्किम के सोरेंग में रहा। यहां सुबह 06:57 बजे रिक्टर स्केल पर 4.4 तीव्रता का भूकंप आया। फिलहाल, इस भूकंप से किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है।लोगों का कहना है कि उन्होंने भूकंप के झटके महसूस किए। घर की चीजें हिलने लगीं। इस वजह से वे घरों से बाहर निकल आए। कुछ लोगों की नींद ही भूकंप के झटके से खुली। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले भूकंप के जोरदार झटकों से जापान हिल गया था। जापान के दक्षिणी तट पर भूकंप के तगड़े झटके महसूस किए। सुनामी की चेतावनी जारी करनी पड़ी। स्थानीय निवासियों से समुद्र तट से दूर रहने का आग्रह किया गया। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 7.1 मापी गई।

मालदा में फिर रेल दुर्घटना, मालगाड़ी के पांच डिब्बे पटरी से उतरे

मालदा। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के हरिशचंद्रपुर में शुक्रवार सुबह एक और रेल दुर्घटना सामने आई है। एक मालगाड़ी के पांच डिब्बे कुमेदपुर के पास पटरी से उतर गए। यह दुर्घटना उस समय हुई जब मालगाड़ी न्यू जलपाईगुड़ी से कटिहार की ओर जा रही थी। इस दुर्घटना से रेल यातायात भी प्रभावित हुआ है और कई ट्रेनों के मार्ग में बदलाव किया गया है। यह हादसा सुबह करीब साढ़े दस बजे खुरियाल और कुमेदपुर स्टेशनों के बीच हुआ। घटना के बाद से इलाके में हड़कंप मच गया। रेलवे के अधिकारी तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं, और राहत कार्य जारी है।

हाल के दिनों में मालदा और इसके आसपास के क्षेत्रों में लगातार रेल दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिससे रेलवे की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय प्रशासन और रेलवे अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं।

आईएसआईएस मॉड्यूल का आतंकी गिरफ्तार

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस से पहले दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आईएसआईएस मॉड्यूल के आतंकी रिजवान अली को गिरफ्तार किया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने उस पर तीन लाख रुपये का इनाम घोषित किया हुआ था। दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल की तरफ से दी गई जानकारी के अनुसार वह दरियागंज का रहने वाला है। पुलिस ने इसके पास से हथियार भी बरामद किया है। दिल्ली पुलिस (स्पेशल सेल) की डीसीपी प्रतीक्षा गोदारा के अनुसार गिरफ्तार रिजवान आईएसआईएस के पुणे मॉड्यूल का सबसे कुख्यात आतंकी है। रिजवान से पहले पुणे मॉड्यूल के कई आतंकियों को पुणे पुलिस और एनआईए गिरफ्तार कर चुकी है, लेकिन वह जांच एजेंसियों को चकमा देकर लंबे समय से फरार चल रहा था। जांच में यह भी पता चला है कि पुणे मॉड्यूल के आतंकियों ने दिल्ली और मुंबई के कई वीवीआईपी इलाकों की रेकी भी की थी। रिजवान लगातार एनआईए के रडार पर बना हुआ था और काफी समय से उसकी तलाश की जा रही थी। गिरफ्तारी के समय उसके पास से प्वाइंट 32 बोर का रिवाल्वर और 3 कारतूस बरामद हुए ।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय हॉकी टीम से फोन पर की बात, ऐतिहासिक जीत पर जताया गर्व

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ियों से फोन पर बात की और पूरी टीम को ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर बधाई दी है। पीएम ने कहा कि उन्हें विश्वास था कि यह टीम भारत के हॉकी के स्वर्णिम युग को वापस लेकर आएगी और ऐसा ही हुआ, पूरी टीम की मेहनत रंग लाई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सेमीफाइनल में जर्मनी के खिलाफ हार से भारतीय टीम का मनोबल गिरा होगा लेकिन महज 24 घंटे में खुद को नई चुनौती के लिए तैयार करना तारीफ के काबिल है। इस जज्बे की वजह से ओलंपिक में एक बार फिर हॉकी टीम ने कांस्य पदक जीता। पूरे देश को इस जीत पर गर्व है। उन्होंने 10 खिलाड़ियों के साथ ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ जीत दर्ज करने को ऐतिहासिक सफलता करार दिया और कहा कि इसे भारत का हर एक बच्चा याद रखेगा। फोन पर बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को सरपंच साहब कहकर पुकारा, तो वहां मौजूद मौजूद सभी खिलाड़ी हंसने लगे। पीएम मोदी ने हरमनप्रीत से कहा कि भाई आपको और आपकी पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई। आपने भारत का नाम रोशन किया है।

दिवंगत बुद्धदेव भट्टाचार्य की आंखों से दुनिया देखेंगे दो लोग, कॉर्निया प्रतिस्थापन सफल

एजेंसी
कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन के बाद उनकी कॉर्निया के दान से दो लोगों की दृष्टिहीनता समाप्त हो गई है। रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑप्थैल्मोलॉजी (आरआईओ) के निदेशक डॉ. असीम कुमार घोष ने बताया कि बुद्धदेव भट्टाचार्य की कॉर्निया को दो व्यक्तियों में प्रत्यारोपित किया गया है, जो कॉर्निया संबंधी अंधत्व से पीड़ित थे। दोनों अब स्वस्थ हैं। शुक्रवार को उन्होंने बताया कि गुरुवार रात ही प्रतिस्थापन किया गया था और ऑपरेशन सफल रहा है। डॉ. असीम ने बताया कि कॉर्निया प्रत्यारोपण के दौरान मरीजों के नाम और पहचान को गोपनीय रखा जाता है, और इस मामले में भी इस प्रक्रिया का पालन किया गया है। बुद्धदेव भट्टाचार्य का निधन गुरुवार सुबह हुआ और दोपहर तक उनकी

कॉर्निया को संग्रहित कर लिया गया। रात में यह प्रत्यारोपण प्रक्रिया पूर्ण हो गई। बुद्धदेव भट्टाचार्य के रेटिना में समस्या थी, लेकिन उनकी कॉर्निया में कोई दिक्कत नहीं थी। उन्होंने कभी मोतियाबिंद की सर्जरी नहीं कराई थी, जिससे उनकी कॉर्निया की गुणवत्ता अच्छी बनी रही। चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि भले ही उनकी दृष्टि कमजोर थी, लेकिन सर्जरी नहीं करवाने के पीछे उनका सोच-समझकर लिया गया निर्णय हो सकता है। आमतौर पर मोतियाबिंद की सर्जरी से कॉर्निया की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। रात को, बुद्धदेव भट्टाचार्य का शव पीस वर्ल्ड में रखा गया था। शुक्रवार सुबह 10:30 बजे उनके पार्थिव शरीर को निकालकर उनकी अंतिम यात्रा की शुरू हुई। दोपहर 12:00 बजे उनके शरीर को सीपीएम के राज्य मुख्यालय, अलीमुद्दीन स्ट्रीट ले जाया गया। जहां उनकी पार्थिव देह शाम 3ः00 बजे तक रखी जाएगी। इसके बाद, उनके शरीर को दीनेश मजूमदार भवन, जो कि सीपीएम की छात्र और युवा शाखा का राज्य कार्यालय है, में रखा जाएगा। वहां उनका शव 3:45 बजे तक रखा जाएगा। श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद, उनके शरीर को मेट्रोपोलिटन मेडिकल कॉलेज में ले जाया जाएगा, जहां उनके शरीर को भविष्य की चिकित्सा शोध के लिए दान किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि बुद्धदेव भट्टाचार्य के पूर्ववर्ती मुख्यमंत्री ज्योति बसु का शरीर भी 2010 में एसएसकेएम अस्पताल में दान किया गया था।

उप्र के कन्नौज में सड़क हादसा, चार की मौत, एक घायल

कन्नौज। दिल्ली से कानपुर जा रहा डीसीएम वाहन उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले के गुरसहायगंज थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह सड़क किनारे खड़े केंटनर से टकरा गया। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया। गुरसहायगंज पुलिस थाने के पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा सुबह साढ़े 06 बजे के आसपास का है। डीसीएम में चालक समेत कुल पांच व्यक्ति सवार थे। बेकाबू डीसीएम खड़े कंटेनर से टकरा गई। हादसे में जौनपुर के मछ्ली शहर निवासी विपिन कुमार, अमेठी के रमई निवासी सोनू शर्मा, प्रशांत सिंह और संतोष कुमार की मौत हो गई। पवन कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। उनको तिर्वा स्थित राजकीय अम्बेडकर कॉलेज में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद पुलिस ने क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त डीसीएम को हाइवे से हटवाया।

तिरंगे वाली लगाएं प्रोफाइल पिक्चर,हर घर तिरंगा डॉटकाम के साथ सेल्फी साझा करें : प्रधानमंत्री

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज देश के नागरिकों से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तिरंगे वाली अपनी प्रोफाइल पिक्चर बदलने का आग्रह किया है। उन्होंने खुद अपनी प्रोफाइल पिक्चर बदल ली है। उसके स्थान पर तिरंगा (भारतीय ध्वज) लगा दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने हर घर तिरंगा आंदोलन को एक यादगार जन आंदोलन बनाने के लिए सभी से ऐसा करने का आग्रह किया। उन्होंने सभी से harghartiranga.com पर तिरंगा के साथ सेल्फी साझा करने का भी आग्रह किया।

एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा, 'इस साल स्वतंत्रता दिवस नजदीक आ रहा है, आइए हम फिर से #HarGharTiranga को एक यादगार जन आंदोलन बनाएं। मैं अपनी प्रोफाइल पिक्चर बदल रहा हूं और मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि ऐसा करके हमारे तिरंगे को मनाने में मेरा साथ दें। और हां, harghartiranga.com पर अपनी सेल्फी जरूर शेयर करें।

बांग्लादेश से 17 भारतीयों की बीएसएफ ने करायी सुरक्षित वापसी

एजेंसी
अगरतला। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने बांग्लादेश में हिंसा के बीच फंसे 17 भारतीय कामगारों को सफलतापूर्वक वापसी करायी है। ये कामगार अखौरा से किशोरगंज तक निर्माणाधीन चार लेन सड़क का निर्माण कर रहे थे। इन्हें एएफसीओएनएस इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी ने काम करने के लिए बांग्लादेश ले गयी थी। ये बांग्लादेश के रामरेल स्थित शिविर में फंसे हुए थे। इस बारे में त्रिपुरा फ्रंटियर बीएसएफ के महानिरीक्षक पटेल पीयूष पुरुषोत्तम दास को फोन से गुहार लगायी गयी। वे सभी अखौरा एकीकृत चेक पोस्ट (आईसीपी) की ओर जा रहे थे। उन्होंने आईसीपी से सुरक्षित मार्ग के लिए शाम बीएसएफ से मदद मांगी।बीएसएफ ने तुरंत बॉर्डर गार्ड्स बांग्लादेश (बीजीबी) के साथ समन्वय किया। बीएसएफ और बीजीबी दोनों के तालमेल से बीजीबी ने श्रमिकों की आईसीपी तक सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की। सीमा शुल्क और आव्रजन प्रक्रिया में तेजी लाकर उन्हें आज सुबह आईसीपी अगरतला में बीएसएफ अधिकारियों को सौंप दिया गया।

आधी रात को खुले नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट, त्रिकाल पूजा के बाद दर्शन शुरू

एजेंसी
उज्जैन। नागपंचमी के अवसर पर विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर मंदिर के शिखर पर स्थित नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट गुरुवार रात 12 बजे खोल दिए गए। पट खुलने के बाद सबसे पहले श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़े के महंत विनीत गिरिजी महाराज और महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष व उज्जैन कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने त्रिकाल पूजा शुरू की। त्रिकाल पूजा के बाद यहां दर्शन का सिलसिला शुरू हुआ, जो शुक्रवार की रात 12 बजे तक चलेगा।

दरअसल, नागचंद्रेश्वर मंदिर के पट नागपंचमी पर्व पर साल में केवल एक बार 24 घंटे के लिए ही खुलते है। गुरुवार देर रात 12 बजे मंदिर के पट खुलने के बाद करीब एक घंटे तक त्रिकाल पूजा चली और फिर भोग लगाने के बाद आम लोगों को दर्शन के लिए मंदिर में प्रवेश दिया गया। भगवान नागचंद्रेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए गुरुवार शाम से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटना शुरू हो गई थी। श्रद्धालु यहां 24 घंटे यानी 9 अगस्त की रात 12 बजे? तक दर्शन

कर सकेंगे। इस दौरान करीब 10 लाख श्रद्धालुओं के महाकाल मंदिर में आने का अनुमान है।

शुक्रवार दोपहर 12 बजे ?श्री पंचायती ?महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से पूजन किया जाएगा। इसी दिन महाकालेश्वर ?की संध्या आरती के बाद श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति ?की ओर से मंदिर के पुजारी और पुरोहित पूजन करेंगे।? भगवान नागचंद्रेश्वर को शुक्रवार दोपहर में दाल - बाटी का भोग लगाया जाएगा। पंचांग तिथि अनुसार श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन ही मंदिर के पट खुलने की परंपरा चली आ रही है। मान्यता है कि नाग पंचमी पर नागचंद्रेश्वर महादेव मंदिर में दर्शन करने के बाद व्यक्ति सभी प्रकार के सर्पदोष से मुक्त हो जाता है। इसलिए नागपंचमी के दिन खुलने वाले इस मंदिर में दर्शन के लिए भक्तों की लंबी कतार लगती है।

नागचंद्रेश्वर मंदिर काफी प्राचीन है। इतिहास में उल्लेख है कि परमार वंश के राजा भोज ने 1050 ईस्वी के लगभग इस मंदिर का निर्माण करवाया था। इसके बाद तत्कालीन सिंधिया घराने के महाराज राणोजी सिंधिया ने 1732 में महाकाल मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया था। उस समय इस मंदिर शिखर का भी जीर्णोद्धार हुआ था। आज भी नागपंचमी के दिन यहां त्रिकाल पूजा होती है। वहीं तहसील पूजा एवं महाकाल मंदिर प्रबंध समिति की ओर से पण्डे-पुजारियों द्वारा पूजा की जाती है। यहां पट खुलने पर पूजन का अधिकार पंचायती महानिर्वाणी अखाड़ा को है। जो भेंट आती है, उसका अंश भाग महाकाल मंदिर प्रबंध समिति का रहता है,बाकी चढ़ावा अखाड़े को जाता है।

सुकमा पुलिस ने पांच नक्सलियों को विस्फोटकों के साथ किया गिरफ्तार

एजेंसी
सुकमा। सुकमा जिला क्षेत्रान्तर्गत दो अलग-अलग थानों से 05 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है । केरलापाल थाना से 04 नक्सली एवं थाना जगरगुण्डा से 01 नक्सली को विस्फोटक सामग्री के साथ गिरफ्तार किया गया है । गिरफ्तार नक्सलियों द्वारा सुरक्षा बलों को रेकी कर सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की नीयत से आईईडी प्लांट करने के मंसूबे से आये हुए थे। नक्सलियों को गिरफ्तार करने में थाना केरलापाल से जिलाबल एवं डीआरजी का बल तथा जगरगुण्डा से जिला बल, डीआरजी एवं 165 वाहिनी सीआरपीएफ के द्वारा संयुक्त कार्रवाई की गई।

केरलापाल से निरीक्षक गोविंद सिंह यादव के नेतृत्व में सउनि. ओमप्रकाश यादव के हमराह जिला बल एवं डीआरजी की संयुक्त पुलिस पार्टी नक्सली विरोधी अभियान हेतु ग्राम सामसेट्टी, परिया, बगडेगुड़ा, गड़गड़ी के आस-पास जंगल पहाड़ी क्षेत्र की ओर रवाना हुए थे ।अभियान के दौरान ग्राम सामसेट्टी से परिया जाने वाले कच्ची सड़क टेकरी के पास के कुछ सादे वेशभूषा में संदिग्ध व्यक्तियों द्वारा पुलिस पार्टी को अपनी ओर आते हुए देखकर छुपने लगे ।घेराबंदी कर 04 संदिग्ध व्यक्तियों को पकड़ा गया। गिरफ्तार किये गए आरोपितों पोड़ियाम मुका पिता पोड़ियाम बुधरा (डीएकेएमएस अध्यक्ष) ,पदाम मुड़ा पिता पदाम सुपा (डीएकेएमएस सदस्य) माड़वी लक्ष्मण पिता स्व.माड़वी देवा (डीएकेएमएस सदस्य) तथा पदाम देवा पिता हिड़िया (मिलिशिया सदस्य) सभी निवासी पटेलपारा एवं माडोपारा ग्राम सिरसेट्टी थाना केरलापाल जिला सुकमा एवं नक्सल संगठन में उपरोक्त पदों पर कार्य करना स्वीकार किया है। जिनके कब्जे से इलेक्ट्रिक वायर लाल काले रंग का लगभग 20 मीटर, 5 नग बैटरी ए साईज, पदाम देवा से एक झिल्ली में 3 नग डेटोनटर, माड़वी लक्ष्मण से एक झिल्ली मे 3 नग डेटोनटर, पदाम मुड़ा से 1 नग टिफिन बम लगभग 3 किग्रा. वजनी बरामद किया गया। उक्त सामाग्रियों के संबंध में पूछताछ करने पर सुरक्षाबलों के आने जाने वाले रास्ते में आईईडी लगाकर सुरक्षाबलों को नुकसान पहुचाने नीयत रखना बताये, मौका पाकर आईईडी को प्लांट करने की मंशा से आना बताये। उक्त कृत्य विधि के विरूद्ध पाये जाने से पकड़े गये आरोपितों के विरूद्ध थाना केरलापाल में अपराध क्रमांक 21/2024 धारा 4,5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर कार्रवाई कर गिरफ्तारी के बाद आज गुरूवार को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल किया गया है ।

बिहार को पशुपालन ,मत्स्य पालन में मिले विशेष आर्थिक सहयोग :पप्पू यादव

पूर्णिया। पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ़ पप्पू यादव ने लोकसभा में पूर्णिया समेत बिहार में पशुपालन एवं मत्स्यपालन के विषय में चर्चा की गयी और सरकार से इस क्षेत्र में सर्वाधिक आर्थिक सहयोग की मांग की । पप्पू यादव ने कहा कि भारत दुनियाँ का तीसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा जलीय कृषि वाला देश है। यहां का मत्स्य क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, और लाखों मछुआरों की आजीविका प्रदान करता हैं। उन्होंने आगे कहा कि पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, गुजरात, केरल मछली उत्पादन में आज पहले स्थान पर हैं, वही बिहार राज्य में सारी संभावनाओ के रहते हुए मछली पालन और उत्पादन में बहुत पीछे हैं। सांसद ने कहा कि बिहार अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिवर्ष 1500 (एक हजार 500 करोड़ रुपये) का मछली आयात करता हैं, जिसमें आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल बड़े पैमाने पर मछली बिहार को निर्यात करता हैं। बिहार नदियों से भरा पड़ा हैं। राज्य सरकार की उठासिनता के कारण 6 लाख से अधिक छोटे-बडे तालाबों का सही उपयोग नहीं हो पा रहा है।

भारत की सरहद से दाखिल होना चाहते हैं हजारों की तादाद में बांग्लादेशी अल्पसंख्यक: मौलाना बरेलवी

एजेंसी
बरेली। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों के घरों में आग लगा दी गई है और कई लोगों को मारा गया। साथ ही मंदिरों में भी तोड़फोड़ की गई है। अब अल्पसंख्यकों के हालात ऐसे हैं कि वो अपने आप को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। भारत की सरहद पर हजारों की तादाद में अल्पसंख्यक जमा हो चुके हैं। वो भारत के अंदर दाखिल होना चाहते हैं। मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि बांग्लादेश में शेख हसीना की हुकूमत का तख्तापलट किया जाना राजनीतिक इच्छाओं का प्रर्दशन है और कट्टरपंथी विचारधारा वालों को सत्ता हासिल करने का माध्यम है जो निहायती अफसोसजनक बात है। बांग्लादेश में छात्र और जनता ने मिलकर तख्तापलट का कार्य को अंजाम दिया, इस तरह की राजनीतिक घटनाएं विदेशों में होती रही है।

मौलाना बरेलवी ने अल्पसंख्यकों की स्थिति देखते हुए बांग्लादेश के आंदोलनकारियों पर जम कर बरसे और उनको नसीहत दी। उन्होंने कहा कि इस्लाम और पैग़म्बरे इस्लाम की शिक्षा ये नहीं है कि इस्लाम के मानने वाले गैर मुस्लिमो पर ज़ुल्म जियादती करें और मंदिरों को निशाना बनाएं। इस्लाम सभी को सम्मान देने की बात करता है। इस्लाम मानवतावादी धर्म है। इस्लाम किसी दूसरे धर्म को मानने वाले के इबादतगाहों को तोड़फोड़ करने और आग लगाने की इजाजत नहीं देता है बल्कि ऐसी परिस्थितियों में उनको सुरक्षा प्रदान करने की बात करता है। ये आंदोलनकारी कैसे है और किस तरह इन्होंने इस्लाम पढ़ा है, जो इस्लाम के वसूलों के खिलाफ काम कर रहे हैं।

मौलाना ने कहा कि बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं पर हमले की वजह से भारत के मुसलमानों को शर्मिंदगी उठानी पड़ रही है।

मौलाना ने मीडिया के माध्यम से बांग्लादेश के आंदोलनकारीयों को नसीहत देते हुए कहा कि सत्ता हासिल करने का जो भी मकसद हो, उस सिलसिले में जो चाहें करें, मगर बराए मेहरबानी अल्पसंख्यकों के मकानों में आगजनी और मंदिरों में तोड़फोड़ न करें।

बांग्लादेश में प्रधानमंत्री की कुर्सी संभालने वाले मोहम्मद युनूस और आंदोलन के कन्वीनर नवेद इस्लाम के ऊपर सबसे बड़ी जिम्मेदारी बनती है कि वो अल्पसंख्यको की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करें।

हॉकी टीम में शामिल पंजाब के खिलाड़ियों को देंगे 1-1 करोड़ का इनाम: भगवंत मान

एजेंसी
चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पेरिस ओलंपिक्स में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय हॉकी टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि हॉकी टीम में कप्तान हरमनप्रीत सिंह और वाइस-कप्तान सहित 10 खिलाड़ी पंजाब के हैं, जिन्होंने ओलंपिक खेलों में शानदार हॉकी खेली। हरमनप्रीत सिंह ने 10 गोल किए। इन खिलाड़ियों को राज्य सरकार की नीति के अनुसार एक-एक करोड़ रुपये के नकद इनाम से नवाजा जाएगा।

यहां एक बधाई संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों ने कांस्य पदक के लिए हुए मैच के दौरान शानदार खेल का प्रदर्शन कर स्पेन को 2-1 से हराकर पूरे देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि इस प्रतिष्ठित मैच में भारतीय हॉकी खिलाड़ियों ने बेहतरीन

खेल दिखाते हुए अपनी टीम को जीत की ओर अग्रसर किया।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि 52 साल बाद पहली बार भारत ने ओलंपिक्स में हॉकी में लगातार दो बार पदक जीता है। भारत ने टोक्यो और पेरिस में हुई ओलंपिक खेलों में अब लगातार दो पदक जीते हैं। इससे पहले लगातार दो पदक 1968 में मैक्सिको और 1972 में म्यूनिख में जीते गए थे। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि यह ऐतिहासिक जीत देश में राष्ट्रीय खेल की पुरानी शान को बहाल करने का मार्ग प्रशस्त करेगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि स्पेन के खिलाफ इस शानदार जीत से पूरी टीम ने देश को गौरवान्वित किया है और यह जीत खेल इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज होगी। टीम की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि टीम ने एक बार फिर देश के महान हॉकी खिलाड़ियों की शानदार विरासत को बनाए रखा है।

बिहार को पशुपालन ,मत्स्य पालन में मिले विशेष आर्थिक सहयोग : पप्पू यादव

पूर्णिया। पूर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ़ पप्पू यादव ने लोकसभा में पूर्णिया समेत बिहार में पशुपालन एवं मत्स्यपालन के विषय में चर्चा की गयी और सरकार से इस क्षेत्र में सर्वाधिक आर्थिक सहयोग की मांग की । पप्पू यादव ने कहा कि भारत दुनियाँ का तीसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा जलीय कृषि वाला देश है। यहां का मत्स्य क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, और लाखों मछुआरों की आजीविका प्रदान करता हैं। उन्होंने आगे कहा कि पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, गुजरात, केरल मछली उत्पादन में आज पहले स्थान पर हैं, वही बिहार राज्य में सारी संभावनाओ के रहते हुए मछली पालन और उत्पादन में बहुत पीछे हैं।

सांसद ने कहा कि बिहार अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिवर्ष 1500 (एक हजार 500 करोड़ रुपये) का मछली आयात करता हैं, जिसमें आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल बड़े पैमाने पर मछली बिहार को निर्यात करता हैं। बिहार नदियों से भरा पड़ा हैं। राज्य सरकार की उठासिनता के कारण 6 लाख से अधिक छोटे-बडे तालाबों का सही उपयोग नहीं हो पा रहा है। इनमें पूर्णिया के तालाब भी हैं । अगर इन तालाबों का सही उपयोग होता तो मछली उत्पादन में बिहार आज आत्म निर्भर होता । उन्होंने कहा कि भारत में नीली क्रांति ने मत्स्य पालल और जलीय कृषि क्षेत्र के महत्व को प्रदर्शित करता हैं। राज्यवार आप देखे तो हरेक राज्य अपने- अपने स्तर पर मत्स्य पालन ओर विपणन का कार्य कर रहे हैं। पप्पू यादव ने कहा कि बिहार राज्य का कोशी, सीमांचल, मिथिलांचल के क्षेत्र पूर्णतया कृषि पर निर्भर है, जिसमें पशुपालन स्थानीय लोगों की जीविका का साधन हैं।

हम मध्यप्रदेश को वैभवशाली बनाने में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ हैं : श्रीश्री रविशंकर

एजेंसी
भोपाल। आध्यात्मिक गुरू श्रीश्री रविशंकर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश के उज्जैयिनी नगरी से संबंध रखते हैं, जो कि 12 ज्योर्तिलिंगों में से एक महाकालेश्वर और महान न्यायप्रिय सम्राट विक्रमादित्य की अवंतिका नगरी के रूप में विख्यात है। उज्जैन नगर काल की गणना के रूप में विख्यात रहा है। उज्जैन नगरी की भव्यता आज देखते ही बनती है। पूरे क्षेत्र का वातावरण धार्मिक और आध्यात्मिक माहौल से परिपूर्ण है। उन्होंने कहा कि देश का हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश है। यदि हमारा हृदय स्वस्थ रहेगा तो पूरा शरीर स्वस्थ रहेगा। मध्यप्रदेश की आर्थिक समृद्धि के लिये आर्ट ऑफ लिविंग सेंटर हमेशा मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ हैं।

श्रीश्री रविशंकर ने यह बात गुरुवार देर शाम आर्ट ऑफ लिविंग सेंटर में आयोजित सत्संग में कही। दरअसल, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव दो दिवसीय प्रवास पर बेंगलुरु में थे। वे अपने दो दिवसीय बेंगलुरु प्रवास के दौरान गुरुवार शाम को आर्ट ऑफ लिविंग के सेंटर पहुंचे एवं आध्यात्मिक और योग गुरु श्री श्री रविशंकर से आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भ्रमण के दौरान गुरु श्रीश्री रविशंकर के साथ अन्नकूट क्षेत्र का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकर के साथ आर्ट ऑफ लिविंग सेंटर के सत्संग में शामिल हुए। गुरू श्री श्री रविशंकर ने सत्संग में उपस्थित श्रद्धालुओं से देश के हृदय प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में डॉ. यादव का परिचय कराया। डॉ. यादव ने गुरूजी के मुखारविन्द से हुए सत्संग का लाभ लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सत्संग में आए श्रद्धालुओं से कहा कि गुरुदेव हम सभी को जीवन जीने की कला सिखाते हैं। हमें हर कष्ट में मुस्कुराने और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा गुरुजी से मिलती है। गुरुजी के बताए मार्ग पर चलकर मनुष्य सच्चे अर्थों में जीना सीख रहा है।

मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश में विश्वविद्यालय खोलने का किया अनुरोध

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वे आज के समय के एक अद्भुत जीवन दृष्टा और आध्यात्मिक गुरू श्रीश्री रविशंकर के आश्रम में आये हैं। भक्तों के साथ मिलने का मौका मिला। यहाँ जो अनुभव किया, वह जीवन भर स्मृतियों में रहेगा। गुरूजी आध्यात्मिक चेतना की मशाल हैं। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि परमात्मा करें गुरूजी सदैव इसे प्रज्ज्वलित रखें। उन्होंने गुरूजी से मध्यप्रदेश में आकर विश्वविद्यालय खोलने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार उनके साथ रहेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बेंगलुरू में आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिये कर्नाटक की जनता और शासन को धन्यवाद दिया।

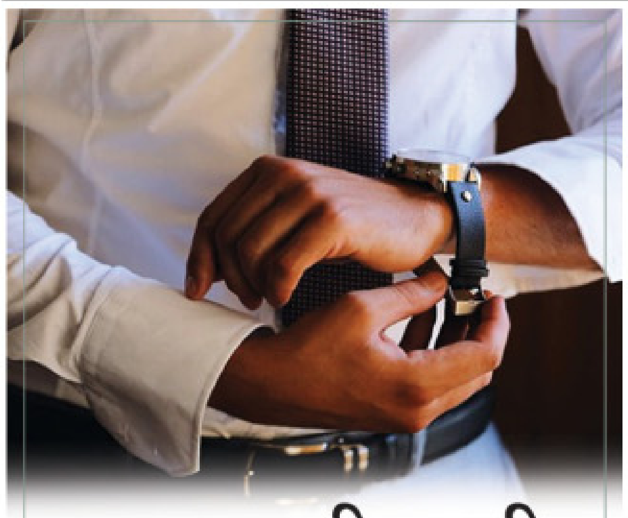

क्या आप भी जल्दी जल्दी नौकरी बदलते हैं? ये हैं फायदे एवं नुकसान

एक तो लोगों को नौकरी मिलना आज के समय में बेहद मुश्किल का कार्य है, वहीं कई लोग भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें एक नौकरी छोड़ने से पहले ही दूसरी नौकरी मिल जाए! ऐसे में थोड़ी ग्रोथ के लिए लोगबाग जल्दी-जल्दी नौकरी चेंज करने लगते हैं। शायद आप भी उनमें से हों, किन्तु अगर आप भी जल्दी जल्दी नौकरी चेंज करते हैं तो यह जान लें कि शार्ट टर्म में बेशक इसके कुछ फायदे दिखें, किन्तु दीर्घावधि में इसका काफी नुकसान होता है।

हालांकि अभी के समय में हालात यह हैं कि अब पहले की तरह लोग एक ही नौकरी पर बहुत दिन तक कार्य नही करते हैं, बल्कि नौकरी चेंज करने में वह अपनी ग्रोथ देखते हैं, और उसी अनुरूप डिसीजन भी लेते हैं।

किंतु जॉब बदलने का फैसला कुछ मामलों में बेशक ठीक लगता है, किंतु कुछ मामलों में यह कहीं ना कहीं नुकसान देता है। आइये जानते हैं.अगर फायदे की बात करें तो आप यह जान लीजिए कि जॉब बदलने में सबसे पहले तो कुछ परसेंट ही सही, मगर आपकी सैलरी बढ़ जाती है। निश्चित रूप से हर व्यक्ति चाहता है कि उसे उसके काम के अधिक से अधिक पैसे मिलें, और एक नौकरी में अगर उस अनुरूप ग्रोथ नही होती है, तो वह जॉब बदलना चाहता है, और ऐसे में उसे तुरंत ही ग्रोथ मिल जाती है।

वही अगर दूसरे फायदे की बात करें तो इससे पर्टिकुलर इंडस्ट्री में आपका नेटवर्क बेहतर होता है। अगर एक कंपनी में आप जॉब करते हैं, फिर दूसरी कंपनी में जाते हैं, और इस तरीके से अलग-अलग कंपनी में आपका बेस तैयार होता चला जाता है।

इसके अलावा सबसे बड़ी बात यह है कि एक ही कंपनी में काम करने पर आप कंफर्ट जोन में आ जाते हैं। आपकी स्किल कहीं ना कहीं सैचुरेट हो जाती है, तो दूसरी कंपनी में जब आप जाते हैं, तो वहां कुछ ना कुछ नया सीखने को अवश्य मिलता है। चाहे वहां आपका नया सीनियर हो, चाहे वहां का इनवायरमेंट हो, आप उस कंपनी से नई चीजें जरूर सीखते हैं, और यह वह चीज है जो आपको आने वाले दिनों में मजबूती करती है। इसके अलावा कई भारत लोग एक जगह पर कार्य करने से बोर भी हो जाते हैं, ऐसे में नयी जॉब में उन्हें नयापन भी मिलता है।

हालांकि यह इसका पॉजिटिव पक्ष है, किंतु कुछ निगेटिव पक्ष भी हैं, जिन्हें आपको अवश्य ध्यान में रखना चाहिए।

नुकसान की बात करें तो बार बार जॉब चेंज करने से पोजीशन के मामले में आपके आगे बढ़ने पर असर पड़ सकता है। जी हॉं! एक ही कंपनी में जब आप काम करते हैं, तो वहां आपकी कांस्टेंट ग्रोथ होती है। वहां आपको प्रमोशन मिलता रहता है, किंतु जब आप दूसरी कंपनी में जाते हैं, तो सीनियर पोजिशन पर आपको पहुंचने में कहीं ना कहीं दिक्कत होती है।

इससे आपकी लॉयल्टी भी चेक की जाती है। अगर आप कुछ ज्यादा ही जॉब चेंज करते हैं, तब आपको किसी हायर पोजिशन पर जॉब देने से एचआर मैनेजर निश्चित ही कई बार सोचेगा। कंपनी अगर किसी जिम्मेदारी वाली पोस्ट पर आप की हायरिंग कर भी लेती है, तो भी कंपनी श्योर नही हो पाती है कि आप आखिर कितने दिन जॉब करेंगे? कहीं आप बीच में ही जॉब छोड़ कर कहीं और तो नहीं चले जाएंगे? ऐसे में आप शक के घेरे में आ जाते हैं! यह कार्य सिर्फ पोजीशन के मामले में ही नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट अलॉटमेंट के मामले में भी है, तो क्लाइंट इंटरेक्शन के मामले में भी है। जब तक आप किसी कंपनी के लम्बे समय तक वफादार नहीं होते हैं, तब तक किसी बड़े प्रोजेक्ट की कमांड आपके हाथ में देने से निश्चित रूप से वह कंपनी हिचकिचाएगी। इसी प्रकार से बड़े क्लाइंट हैंडलिंग में भी कंपनी आपको तब तक इंवॉल्व नहीं करेगी, जब तक आप उसके प्रति लॉयल साबित न हो जाएँ! ऐसे में कहीं ना कहीं बड़ी संभावनाओं से आपके दूर रहने की शुरुआत हो जाती है।

कंपनी बार-बार चेंज करने का आपके फाइनेंसियल पोजीशन पर भी खासा असर पड़ता है। चाहे आप क्रेडिट कार्ड एप्लीकेशन के लिए अप्लाई करें, चाहे आप होम लोन या दूसरे लोन के लिए अप्लाई करें आपकी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी जरूर चेक की जाती है। आप किस कंपनी में कितने लंबे समय तक रहे हैं, यह आपके लिए एक प्लस प्वाइंट साबित होता है। वहीं अगर आप बार-बार अपनी जॉब चेंज करते हैं, तो कहीं ना कहीं आप की फाइनेंसियल स्टेबिलिटी पर एक सवाल खड़ा होता है।

मैनेजेरियल स्किल डेवलपमेंट पर पड़ता है फर्क

जी हां! ऊपर से आपको बेशक लगे कि आप कुछ चीजें ऊपर ऊपर समझ गए हैं, किंतु प्रबंधन के गुणों को आप तब तक नहीं समझ सकते, जब तक आप किसी कंपनी में देर तक नहीं टिकेंगे! कहीं टिक कर काम करने के बाद ही कंपनी पॉलिटिक्स, प्रबंधन टेक्निक आप समझ पाते हैं। कंपनी अपने इन्वेस्टमेंट डिसीजंस किस प्रकार लेती है, वास्तव में उसकी रुचि और भविष्य की योजनायें क्या हैं, यह आप गहराई से एक समय के बाद ही समझ पाते हैं। अगर बाद में आप कभी अपना उद्यम शुरू करना चाहें, तो इसलिए जरूरी है कि किसी कंपनी में आप देर तक टिक कर काम करें, अन्यथा आप उसकी गहराई को नहीं समझ पाएंगे।

पॉलीमर साइंस में बीटेक करने के बाद है शानदार करियर संभावनाएं

विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलीमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं। ईको-फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलीमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलिमर इंजीनियर्स करते हैं। वे प्लांट डिजाइन, प्रोसेस डिजाइन और थर्मोडाइनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पॉलीमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे-

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के अवसर

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं। इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों के साथ एम टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है। जिन उम्मीदवारों ने अपनी बी टेक डिग्री में 60% अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/- रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं। इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लेबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में भी रोजगार पा सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं।

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद निजी क्षेत्र के अवसर

जर्मन आधारित कंपनी विंडमोलर एंड होल्शर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलिमर इंजीनियरों की भर्ती करती है। 7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्शन में जा सकते हैं। यहाँ आप 35,000/- से रु।50,000/- प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिएट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलिमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलिमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/ टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलिमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को तराशती योजना
राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा

नेशनल टेलेंट सर्च यानी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज एनसीईआरटी की एक प्रमुख योजना है। इसका उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों का पता लगाना और उनकी प्रतिभा को बढ़ाना है। इसके तहत विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन और विधि जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह योजना प्रतिभावान विद्यार्थियों को मासिक स्कॉलरशिप के रूप में आर्थिक मदद दे कर सहयोग देती है। इस योजना में बेसिक साइंस, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य के पाठ्यक्रमों के लिए पीएचडी स्तर तक सहायता प्रदान की जाती है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन एवं विधि के लिए पीजी स्तर तक सहायता दी जाती है। एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन कक्षा 8 स्तर पर किया जाता है।

स्कॉलरशिप

परीक्षा आयोजन के आधार पर कक्षा 8 की परीक्षाओं के लिए बैठे छात्रों के प्रत्येक समूह के लिए 1000 स्कॉलरशिप दी जाती हैं। स्कॉलरशिप की राशि प्रत्येक माह 500 रुपए होती है। अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 7.5 प्रतिशत और विकलांग छात्रों के लिए 3 प्रतिशत स्कॉलरशिप आरक्षित होती है। स्कॉलरशिप का भुगतान सीधे प्राप्तकर्ता को न देकर संबद्ध संस्थान के प्रमुख के माध्यम से दिया जाता है।

चयन प्रक्रिया

प्रतिभाओं की पहचान दो स्तरीय लिखित परीक्षा के आधार पर की जाती है। प्रथम स्तर का चयन अलग-अलग राज्य/यूनियन टेरेटरीज द्वारा लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। प्रथम स्तर की परीक्षा में सफल अभ्यर्थी ही एनसीईआरटी द्वारा संचालित द्वितीय स्तर की परीक्षा में भाग लेने के लिए पात्र माने जाते हैं। राज्य और यूनियन टेरेटरीज राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना की प्रथम स्तर की लिखित परीक्षा के साथ राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना की भी परीक्षा आयोजित करते हैं।

पात्रता

मान्यताप्राप्त विद्यालयों के 8वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी उस राज्य/यूनियन टेरेटरी द्वारा संचालित प्रथम स्तर की परीक्षा में बैठने के पात्र होते हैं, जिस राज्य में विद्यालय स्थित है।

आवेदन प्रपत्र

आवेदन-प्रपत्र प्राप्त करने के लिये राज्य संपर्क अधिकारी से संपर्क करें। आवेदन-प्रपत्र एनसीईआरटी की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। भरे हुए आवेदन प्रपत्र विद्यालय के प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि तथा प्रपत्र कहां जमा कराया जायेगा, इस संबंध में संबंधित राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र के संपर्क अधिकारी से पता किया जा सकता है। विभिन्न राज्यों की आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथियां भिन्न हो सकती हैं।

शुल्क

एनसीईआरटी द्वारा द्वितीय स्तर की परीक्षा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। राज्य और यूनियन टेरेटरी प्रथम परीक्षा के लिए अपेक्षित शुल्क के भुगतान के लिए अधिसूचना जारी कर सकते हैं। इसलिये आवेदन प्रपत्र जमा करने से पहले कितनी और कैसे फीस दी जायेगी, इसका पता अपने राज्य संपर्क अधिकारी से लगा लेना चाहिए।

परीक्षा माध्यम

परीक्षा हिन्दी व अंग्रेजी के साथ असमी, बंगला, गुजराती, कन्नड़, मराठी, मलयालम, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू में संचालित की जाएगी। अभ्यर्थी आवेदन प्रपत्र में जिस भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उस विकल्प का उल्लेख करें। इसके आधार पर ही अभ्यर्थी को उस भाषा में प्रश्न पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी।

परीक्षा-विधि

8वीं के लिए लिखित परीक्षा की विधि इस प्रकार है - प्रथम स्तर की राज्य/ यूनियन टेरेटरी स्तर पर संचालित परीक्षा में दो भाग होंगे (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी)। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। द्वितीय स्तर की राष्ट्रीय स्तर पर संचालित परीक्षा में (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी) शामिल होंगे। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। (स) इंटरव्यू - इंटरव्यू के लिए उन्हीं अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर संचालित लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

लिखित परीक्षा

लिखित परीक्षा में प्रथम भाग एमएटी और द्वितीय भाग एसएटी शामिल होंगे। दोनों परीक्षाएं एक छोटे से अंतराल पर अलग-अलग ली जाएंगी। मानसिक योग्यता परीक्षा-एमएटी - चार विकल्पों सहित इसमें 90 मल्टीच्वॉइस प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल एक सही उत्तर होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। समय 90 मिनट होगा।

स्कॉलरशिप पाने की सामान्य शर्तें

स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार अनुमोदित पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हो। वह अच्छा आचरण बनाए रखता हो (संस्थान प्रमुख द्वारा प्रमाणित) और अपना अध्ययन एक नियमित विद्यार्थी के रूप में कर रहा हो। बिना उचित अवकाश के अनुपस्थित न होता हो। पूर्णकालिक आधार पर अध्ययन करता हो। कोई रोजगार नहीं करता हो। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना पीएचडी कोर्स को छोड़ कर छात्रवृत्ति प्राप्तकर्ताओं को कोई अन्य स्कॉलरशिप स्वीकार करने से वंचित नहीं करती, अलबत्ता किसी भी पाठ्यक्रम के लिए विदेश में अध्ययन के लिए कोई स्कॉलरशिप उपलब्ध नहीं होगी। यदि कोई प्राप्तकर्ता पंजीकरण/प्रवेश के एक माह के अंदर अपने पाठ्यक्रम का अध्ययन छोड़ता है तो उसे कोई स्कॉलरशिप नहीं दी जाएगी।

विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र में हैं अपार संभावनाएं

विजुअल मर्चेंडाइजिंग शब्द भले ही कुछ लोगों के लिए नया हो, लेकिन सेल्स और एडवरटाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोग इससे भली-भांति वाकिफ हैं। विजुअल मर्चेंडाइजिंग वास्तव में एक आर्ट है, जिसमें एक व्यक्ति किसी प्रॉडक्ट या सर्विस को क्लाइंट्स के सामने कुछ इस तरह पेश करता है ताकि वह सेल्स को बढ़ावा दे सके। अब इस कॉन्सेप्ट को रिटेल सेक्टर में एक मार्केटिंग टूल के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इस क्षेत्र में वह सभी गतिविधियां शामिल हैं, जो रिटेल स्टोर्स में उत्पादों की बिक्री बढ़ाने में मदद करती हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रॉडक्ट के संभावित ग्राहकों के माइंड को समझना और उपभोक्ताओं को उत्पाद के बारे में शिक्षित करना व प्रॉडक्ट को बेहद इफेक्ट व क्रिएटिव तरीके से पेश करना आदि। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस करियर के बारे में

क्या है विजुअल मर्चेंडाइजिंग

एजुकेशन एक्सपर्ट बताते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोगों को विजुअल मर्चेंडाइजर कहा जाता है। विजुअल मर्चेंडाइजर ऐसे पेशेवर हैं जो किसी भी ब्रांड, एक चेहरे को देने के लिए जिम्मेदार हैं। वे ऑनलाइन शॉपर्स और रिटेल स्टोर दोनों के लिए विंडो और स्टोर डिस्प्ले में अवधारणा, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं। वे स्टोर थीम की योजना बनाते हैं, डिस्प्ले के लिए प्रॉपर की व्यवस्था करते हैं, डिस्प्ले फिक्स्चर और लाइटिंग की व्यवस्था करते हैं, ओपनिंग से पहले स्टोर सेट करते हैं, फ़्लोर प्लान के साथ काम करते हैं और डिस्प्ले को बनाने के लिए सेल्स फ़्लोर पर स्टोर कर्मियों को प्रशिक्षित करते हैं। एक विजुअल मर्चेंडाइजर का मुख्य उद्देश्य स्टोर की छवि के अनुरूप डिस्प्ले बनाना और अधिक ग्राहकों को स्टोर में लाना है।

शैक्षणिक योग्यता

आजकल ऐसे कई इंस्टीट्यूट हैं जो विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्र का 12वीं पास होना आवश्यक है। हालांकि अधिकतर जगहों पर विजुअल मर्चेंडाइजिंग को फैशन डिजाइनिंग या फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स के तहत पढ़ाया जाता है।

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, विजुअल मर्चेंडाइजिंग के कोर्स में छात्रों को विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाता है जैसे कि रिटेल स्टोर का लेआउट और डिजाइन, इंटीरियर डेकोरेशन, स्टोर के अंदर फर्नीचर और फिक्स्चर की स्थापना, स्टोर डिस्प्ले और उत्पादों की प्रस्तुति, विभिन्न संचार साधनों के उपयोग के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करना।

व्यक्तिगत गुण

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में डिजाइनिंग और क्रिएटिविटी के गुण का होना बेहद आवश्यक है। एक विजुअल मर्चेंडाइजर में बेहतरीन आर्गेनाइजिंग स्किल्स होने के साथ-साथ प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट व टाइम मैनेजमेंट आदि विशेषताएं भी होनी चाहिए। इसके अलावा उनमें संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स, समस्या सुलझाने की क्षमता और कंप्यूटर का ज्ञान होना भी जरूरी है। कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजर को उपभोक्ताओं के मनोविज्ञान को जानना आना चाहिए और उसे रूझानों का भी पूर्वानमान लगा लेना चाहिए।

संभावनाएं

शॉपिंग मॉल, फाइव स्टार होटल, बुटीक व रिटेल आउटलेट्स की संख्या बढ़ने के साथ ही विजुअल मर्चेंडाइजर्स की मांग में भी काफी इजाफा हुआ है। विजुअल मर्चेंडाइजर फैशन बुटीक, शॉपिंग मॉल, एम्पोरिया, डिजाइन कंपनी, आर्किटेक्चर फर्म, थीम पार्टी ऑर्गनाइजिंग कंपनी आदि में जॉब कर सकते हैं। वे प्रदर्शनियों, मेलों, ब्यूटी कॉन्टेस्ट, अवार्ड सेरेमनी, मॉल, रिटेल में विंडो डिस्प्ले के लिए अनुबंध के आधार पर फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर भी दस से पंद्रह हजार आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ समय के अनुभव के बाद आप किसी बड़े ब्रांड के रिटेल आउटलिट में काम कर सकते हैं और एक आकर्षक पैकेज पा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- द सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन, मुम्बई
- स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज, कोच्चि
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के हर खिलाड़ी को 15 लाख का इनाम देगी हॉकी इंडिया

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने पेरिस ओलंपिक 2024 में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि के सम्मान में टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को 15-15 लाख रुपये और सहयोगी स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 7.5 लाख रुपये नकद पुरस्कार के रूप में देने की घोषणा की।हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पेरिस में अपनी उल्लेखनीय उपलब्धि से एक बार फिर देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि टीम की एकता, कौशल और दृढ़ता ने देश भर के लाखों हॉकी प्रशंसकों को खुशी दी है। उन्होंने कहा कि मैं कप्तान हरमनप्रीत सिंह, महान पीआर श्रीजेश और पूरी टीम को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देना चाहता हूं। हॉकी इंडिया हमारे एथलीटों का समर्थन करने और भारत में हॉकी के विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लीखनीय है कि भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपकि में स्पेन को 2-1 से हराकर ऐतिहासिक कांस्य पदक हासिल किया, जो उनका लगातार दूसरा ओलंपिक पदक है। यह उपलब्धि आखिरी बार 52 साल पहले हासिल की गई थी।

पेरिस 2024 : भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 1972 के बाद पहली बार लगातार ओलंपिक खेलों में पदक जीत

पेरिस। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने गुरुवार को यवेस डी मैनॉयर स्टेडियम में पेरिस ओलंपिक 2024 के कांस्य पदक मैच में स्पेन पर 2-1 से जीत दर्ज कर 52 साल बाद ओलंपिक खेलों में लगातार पदक जीते हैं। इससे पहले भारत ने वर्ष 1972 में लगातार पदक जीते थे। पुरुष टीम द्वारा लगातार ओलंपिक खेलों में पदक जीतने का पिछला उदाहरण मैक्सिको सिटी 1968 और म्यूनिख 1972 में था, जहां दोनों अवसरों पर भारत ने कांस्य पदक जीता था। भारत ने बेल्जियम के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबला हारने के बाद जर्मनी पर 5-4 से जीत के बाद टोक्यो 2020 में कांस्य पदक जीता था। बतादें कि 2024 ओलंपिक में भारत 6 अगस्त को सेमीफाइनल में जर्मनी के खिलाफ 2-3 से हार गया, जिससे 1980 के बाद पहले हॉकी स्वर्ण पदक की उसकी उम्मीद समाप्त हो गई थी।

ओलंपिक पदक विजेता स्वप्निल कुसाले का पुणे में जोरदार स्वागत

मुंबई। पेरिस ओलंपिक 2024 में 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने वाले स्वप्निल कुसाले का स्वदेश लौटने पर पुणे में जोरदार स्वागत किया गया। स्वप्निल का स्वागत करने के लिए श्री शिव छत्रपति क्रीड़ानगरी ने विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया गया था।स्वप्निल कुसाले का पुणे एयरपोर्ट पर शानदार स्वागत किया गया। इसके बाद बालेवाड़ी स्थित क्रीडा प्रबोधिनी में भी स्वप्रिल कुसाले का स्वागत हुआ। स्वप्रिल कुसाले कोल्हापुर के राधानगरी तहसील के कंबलवाड़ी गांव के रहने वाले हैं और उन्होंने अपनी उपलब्धियों से महाराष्ट्र और कोल्हापुर का नाम पूरी दुनिया में प्रसिद्ध किया है। करीब 72 साल बाद महाराष्ट्र का व्यक्तिगत पदक का सपना सच हो गया है। 1952 के हेलसिंकी ओलंपिक में भारत के लिए पहला व्यक्तिगत पदक जीतने वाले पहलवान खाशाबा जाधव के बाद, स्वप्निल ओलंपिक में पदक जीतने वाले महाराष्ट्र के केवल दूसरे खिलाड़ी बने हैं।

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड दूसरी जीत की तलाश में, इंटर काशी फाइनल ग्रुप गेम खेलेगा

कोकराझार/कोलकाता। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी (एनईयूएफसी) ने कोकराझार के साई स्टेडियम में ग्रुप ई में लगातार दूसरी जीत हासिल करने के लक्ष्य से बीएसएफ का सामना करेगा, जबकि आई-लीग टीम और डुरंड कप में पदार्पण करने वाली इंटर काशी, ग्रुप बी मुकाबले में भारतीय नौसेना के खिलाफ कोलकाता के किशोर भारती क्रिरांगन (केबीके) में जीत के साथ अपने 133वें इंडियनऑयल डूरंड कप ग्रुप स्टेज अभियान को समाप्त करने की कोशिश करेगा।शुक्रवार (अगस्त 9, 2024) को डबल-हेडर क्रमशः कोलकाता में भारतीय समयानुसार शाम 4 बजे और कोकराझार में शाम 7 बजे शुरू होंगे। हाइलैंडर्स, स्थानीय पसंदीदा बोडोलैंड एफसी पर अपनी शुरुआती गेम जीत के बाद जुआन पेड्रो बेनाली की अगुवाई में बहुत उत्साहित हैं और शुक्रवार को बीएसएफ की टीम के खिलाफ एक और बेहतरीन प्रदर्शन करना चाहेंगे, जिसने ओडिशा एफसी के खिलाफ पांच गोल खाए थे। जितिन एमएस और अंकित पद्मनाभन जैसे नॉर्थईस्ट खिलाड़ी पार्थिब गोगोई के साथ अच्छी तरह से संयुक्त हैं और बीएसएफ की रक्षा के लिए एक बड़ा खतरा पैदा करेंगे, जिन्हें अपने पहले गेम में हारने के बाद जल्दी से अपना कार्य सुधारना होगा।

पेरिस ओलंपिक : सर्बिया को हराकर पुरुष बास्केटबॉल के फाइनल में पहुंचा अमेरिका

एजेंसी

पेरिस। संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) ने 17 अंक से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए की कमी को शुक्रवार तड़के (भारतीय समयानुसार) सर्बिया को 95-91 से हराकर ओलंपिक पुरुष बास्केटबॉल के फाइनल में प्रवेश किया। एनबीए के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर लेब्रोन जेम्स के नेतृत्व वाली और लगातार पांचवें ओलंपिक खिताब की तलाश में लगी अमेरिकी टीम का सामना फाइनल में फ्रांस से होगा, जिसने दूसरे सेमीफाइनल में मौजूदा विश्व कप चैंपियन जर्मनी को 73-69 से हराया।यूएसए के लिए गोल्डन स्टेट वॉरियर्स के स्टार स्टीफन करी ने 36 अंक बनाए और एनबीए स्कोरिंग लीडर लेब्रोन जेम्स ने 16 अंक, 12 रिबाउंड और 10 असिस्ट के साथ ट्रिपल-डबल बनाया। वहीं, तीन बार

के एनबीए मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर जोकिक ने सर्बिया के लिए 17 अंक और 11 असिस्ट के साथ समापन किया, जिन्होंने शानदार बोगदान बोगदानोविक से 20 अंक प्राप्त किए।सर्बिया को हराने के लिए यूएसए को चौथे क्वार्टर में बहुत प्रयास करना पड़ा। सर्बिया ने अधिकांश समय बढ़त बनाए रखी और चौथे क्वार्टर में 76-63 से आगे हो गया, लेकिन इसके बाद केविन ड्यूरेंट और डेविन बुकर ने वापसी की शुरुआत करने के लिए बैक-टू-बैक थ्री-पॉइंटर्स लगाए। जोएल एम्बीड ने तीन-पॉइंट प्ले के साथ स्टेट्स को चार के भीतर ला दिया और जेम्स ने 3:41 मिनट शेष रहते स्कोर 84-84 से बराबर कर दिया।

करी ने 2:24 मिनट शेष रहते थ्री-पॉइंटर लगाया और यूनाइटेड स्टेट्स को अपनी पहली बढ़त दिलाई। जेम्स ने ड्राइविंग लेअप के साथ पीछा किया, करी ने एक स्टील लिया और एक बास्केट के लिए ड्राइव किया जिसने यूएस की बढ़त को पांच तक पहुंचा दिया और अंततः यूएसए को फाइनल में पहुंचा दिया।

पेरिस ओलंपिक : मैकलॉघलिन-लेवरोन ने विश्व रिकॉर्ड के साथ 400 मीटर बाधा दौड़ में जीता स्वर्ण

एजेंसी

पेरिस। अमेरिकी खिलाड़ी सिडनी मैकलॉघलिन-लेवरोन ने गुरुवार देर रात 400 मीटर बाधा दौड़ में 50.37 सेकंड का समय लेकर अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया और अपना ओलंपिक खिताब बरकरार रखा। उन्होंने न केवल स्वर्ण पदक जीता, बल्कि छठी बार अपना ही विश्व रिकॉर्ड भी तोड़ दिया!

उन्होंने 50.37 सेकंड में दौड़ पूरी की, और अपनी टीम की साथी, रजत पदक विजेता अन्ना कॉकरेल से 1.50 सेकंड आगे रहीं। डच महिला फेमके बोल ने कांस्य पदक जीता। जीत के बाद मैकलॉघलिन-लेवरोन ने कहा, ज़रूर, आपके आस-पास ऐसे प्रतियोगी होंगे जो कड़ी मेहनत करेंगे, लेकिन चाल यह है कि आप अपनी नज़र बाधाओं पर रखें और ध्यान केंद्रित रखें। मेरा लक्ष्य प्रत्येक बाधा को कुशलतापूर्वक पार करना और समय कम करना था।

ब्रिटेन में दंगों के बीच श्रीलंका ने इंग्लैंड के साथ टेस्ट सीरीज पर सुरक्षा चिंता जताई

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रीलंका ने ब्रिटेन में चल रहे अप्रवासी विरोधी दंगों के बीच इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के समक्ष सुरक्षा संबंधी चिंता जताई है तथा खिलाड़ियों ने इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला से पहले सुरक्षा बढ़ाने का अनुरोध किया है। तीन मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले ट्रेनिंग के लिए इंग्लैंड में मौजूद श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने अपने क्रिकेट बोर्ड से बेहतर व्यवस्था करने के लिए कहा है, क्योंकि रविवार को पूरी टेस्ट टीम के लंदन पहुंचने से पहले उनके पास सुरक्षा योजना नहीं है।

इंग्लैंड में मौजूद एक श्रीलंकाई खिलाड़ी ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा, ज़्यादातर मुद्दे हमारी मौजूदा स्थिति से अलग हैं, लेकिन फिर भी सभी थोड़े चिंतित हैं। हम डिनर के लिए बाहर नहीं जा सकते या ऐसा कुछ नहीं कर सकते। ज़्यादातर हम होटल में ही रहते हैं। कोई भी परेशानी में नहीं पड़ना चाहता और न ही पिटना चाहता है। खिलाड़ी ने कहा, हमने बोर्ड से कहा है कि मुख्य टीम के आने तक हमारे लिए कुछ सुरक्षा की मांग करें, लेकिन हमें अभी तक

कोई जवाब नहीं मिला है। श्रीलंका टीम के मैनेजर महिंदा हलंगोडा ने कहा कि उन्होंने मैनचेस्टर में अशांति की रिपोर्ट पढ़ने के बाद ईसीबी के समक्ष सुरक्षा मुद्दे को उठाया, जहां पहला टेस्ट निर्धारित है। हलंगोडा ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा, मैंने उनके समक्ष मुद्दा उठाया और ईसीबी ने बहुत जल्दी जवाब दिया और हमें अपने व्यापक सुरक्षा इंतजाम भेजे। हम दौरे पर उनकी ओर से भी सुरक्षा संपर्क रखेंगे। 2022 में, श्रीलंका भी इंग्लैंड जैसी ही स्थिति में था, जब ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान ने द्विपक्षीय श्रृंखला के लिए संकटग्रस्त द्वीप राष्ट्र का दौरा करने पर नैतिक चिंता जताई थी। राजनीतिक अशांति ने उस वर्ष एशिया कप को भी संयुक्त अरब अमीरात में स्थानांतरित कर दिया। श्रीलंका 21 अगस्त को ओल्ड ट्रैफर्ड में इंग्लैंड के खिलाफ अपनी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत करेगा।

बीसीबी ने विश्व कप के आयोजन के लिए सुरक्षा आश्वासन की मांग करते हुए सेना प्रमुख को लिखा पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की अंतरिम सरकार द्वारा आपातकाल लगाए जाने के बाद हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आगामी आईसीसी महिला टी20 विश्व कप की मेज़बानी को लेकर आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल वाकर-उज-ज़मान को पत्र लिखा है। बीसीबी ने पत्र के जरिए टूर्नामेंट के आयोजन के लिए सुरक्षा आश्वासन मांगा है, जो वर्तमान में 27 सितंबर को अभ्यास मैचों के साथ शुरू होने वाला है।

इस बीच, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बांग्लादेश की स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रही है और उसने अन्य मेज़बान विकल्पों पर भी विचार किया है और टूर्नामेंट को स्थानांतरित किए जाने की स्थिति में, बांग्लादेश के समान समय क्षेत्र वाले देश को चुनने की संभावना है। भारत, यूएई और श्रीलंका इसकी ज़रूरतों को पूरा करते हैं। गुरुवार (8 अगस्त) को, नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस, निर्वासित प्रधानमंत्री शेख हसीना की जगह लेने वाली अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार बन गए। देश से उनके जाने के बाद, बीसीबी के अध्यक्ष नजमुल हसन सहित कई बोर्ड निदेशक भी देश छोड़कर चले गए हैं, क्योंकि उन्हें

हसीना की पार्टी अवामी लीग का समर्थन प्राप्त था। हालांकि, बोर्ड के कुछ अन्य निदेशक ढाका में ही रहते हैं और इस बड़े आयोजन की मेजबानी के संबंध में उम्मीद बनाए हुए हैं।बीसीबी के अंपायर समिति के अध्यक्ष इफ्तिखार अहमद मिथु ने क्रिकबज से बातचीत में कहा, हम टूर्नामेंट की मेजबानी करने की कोशिश कर रहे हैं। ईमानदारी से कहूं तो देश में हमारे बीच बहुत अधिक लोग मौजूद नहीं हैं और गुरुवार (8 अगस्त) को हमने सेना प्रमुख को आईसीसी महिला टी20 विश्व कप की सुरक्षा के बारे में आश्वासन के लिए एक पत्र भेजा है, क्योंकि हमारे पास केवल दो महीने का समय बचा है। उन्होंने कहा, आईसीसी ने दो दिन पहले हमसे संपर्क किया और हमने जवाब दिया कि हम जल्द ही उनसे संपर्क करेंगे। आज [अंतरिम] सरकार बनने के बाद भी हमें उन्हें सुरक्षा का आश्वासन देना है, क्योंकि यह बोर्ड या देश की कानून प्रवर्तन एजेंसी के अलावा किसी और द्वारा नहीं दिया जा सकता है और इसलिए हमने आज पत्र भेजा और उनसे [सेना] लिखित आश्वासन मिलने के बाद हम आईसीसी को सूचित करेंगे।

एडिलेड टेस्ट से पहले भारत खेलेगा दो दिवसीय डे-नाइट अभ्यास मैच

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में होने वाले डे-नाइट टेस्ट से पहले दो दिवसीय पिंक बॉल वार्म-अप मैच खेलेगा, जब उसका सामना कैनबरा में प्रधानमंत्री एकादश से होगा। यह फ्लडलाइट मैच 30 नवंबर और 1 दिसंबर को मनुका ओवल में पहले और दूसरे टेस्ट के बीच के अंतराल में खेला जाएगा।

पिछले दो सत्रों में प्रधानमंत्री एकादश के मैच में चार दिवसीय मुकाबला होता था, जिसमें 2022 में वेस्टइंडीज (जो भी डे-नाइट मैच था) और 2023 में पाकिस्तान शामिल है, जो परंपरागत रूप से सीमित ओवरों का मैच रहा है, लेकिन भारत के मैच को केवल दो दिनों का कर दिया गया है।

2020-21 में ऑस्ट्रेलिया के अपने पिछले दौरे पर, भारत ने एडिलेड में दिन-रात्रि टेस्ट आठ विकेट से गंवा दिया था, जब वे दूसरी पारी में अपने सबसे कम टेस्ट स्कोर 36 पर ढेर हो गए थे, लेकिन ब्रिस्बेन में ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ भारतीय टीम ने 2-1 से श्रृंखला जीत ली थी। उस अवसर पर एडिलेड चार मैचों की श्रृंखला का पहला टेस्ट था - जो कोविड-19 सीमा बंद होने की चुनौतियों के बावजूद पूरा हुआ था - जबकि इस बार श्रृंखला पर्थ में शुरू होगी और इसमें पांच टेस्ट शामिल हैं। कुल मिलाकर भारत ने सिर्फ चार दिन-रात्रि टेस्ट खेले हैं, जिसमें सबसे हालिया 2022 में बेंगलुरु में श्रीलंका के खिलाफ खेला गया था, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 12 (सभी घरेलू) मैच खेले हैं, जिसमें पिछले सीजन में ब्रिस्बेन में वेस्टइंडीज से आठ रन की हार शामिल है, जो गुलाबी गेंद के खिलाफ उनकी पहली हार थी। हाल के सीज़न में प्रधानमंत्री की एकादश एक मजबूत टीम रही है जो प्रभावी रूप से ऑस्ट्रेलिया ए टीम रही है। मैट रेनशॉ ने पिछले दो मैचों में विशेष रूप से अच्छा प्रदर्शन किया है, जिसमें उन्होंने वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के खिलाफ क्रमशः 81, 101 और नाबाद 136 रन बनाए हैं।

हालांकि, पिछले सीजन में मनुका ओवल की पिच की पाकिस्तान ने आलोचना की थी, क्योंकि यह बहुत धीमी और नीची थी और पर्थ में टेस्ट के लिए आदर्श तैयारी नहीं थी, हालांकि खराब मौसम ने ग्राउंडस्टाफ के लिए जीवन को मुश्किल बना दिया था। रात भर आए तूफान और कवर्स के फटने के बाद खेल का अंतिम दिन रद्द कर दिया गया। भारत को 22 नवंबर को होने वाले पहले टेस्ट से पहले 15-18 नवंबर तक वाका में इंट्रा-स्क्वाड वार्म-अप करना है। वे न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के बाद ऑस्ट्रेलिया पहुंचेंगे। भारत ए की एक टीम अक्टूबर के अंत में ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी और मैके और मेलबर्न में दो चार दिवसीय मैच खेलेगी।

पेरिस ओलंपिक : जेवलिन थ्रो में नीरज चोपड़ा ने जीता रजत पदक, पाकिस्तान के खाते में स्वर्ण

एजेंसी

पेरिस। पेरिस ओलंपिक 2024 में जेवलिन में भारतीय थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। उन्होंने 89.45 मीटर का थ्रो फेंका। वहीं, पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 92.97 मीटर का थ्रो फेंककर ओलंपिक रिकॉर्ड बनाया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। जबकि ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स ने कांस्य पदक जीता, जिन्होंने 88.54 मीटर दूरी तक थ्रो किया।नीरज चोपड़ा का पहला प्रयास फाउल रहा था। हालांकि दूसरे प्रयास में नीरज चोपड़ा ने 89.45 मीटर की दूरी पर भाला फेंककर सिल्वर मेडल पोजीशन हासिल की थी। उसके बाद नीरज के शेष प्रयास फाउल रहे। ऐसे में सिर्फ एक सफल थ्रो के जरिए ही नीरज ने दूसरा स्थान हासिल किया। यह उनका सीजन का बेस्ट थ्रो है, इससे पहले उनका बेस्ट थ्रो ओलंपिक्स के क्वालीफिकेशन में आया था, जहां उन्होंने 89.34 मीटर की दूरी तय की थी। पाकिस्तानी एथलीट अरशद नदीम ने नया ओलंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए दूसरा थ्रो में ही 92.97 मीटर का लगाया। उन्होंने छठा और आखिरी थ्रो 91.79 मीटर का लगाया। इस तरह नदीम ने और स्वर्ण पदक जीता। पाकिस्तान का 1992 बार्सीलोना ओलंपिक के बाद यह पहला ओलंपिक पदक है।

63वीं राष्ट्रीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता में झारखंड की अंडर 17 बालिका टीम ने लगाई जीत की हैट्रिक

एजेंसी

रांची। 63वीं राष्ट्रीय सुब्रतो कप अंडर 17 बालिका वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता में झारखंड की बालिका टीम ने जीत की हैट्रिक लगाते हुए अरुणाचल प्रदेश को 13-0 से पराजित कर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बना ली। झारखंड की ओर से चांदनी कुमारी ने सर्वाधिक चार गोल किया।

चांदनी के अलावा बबिता ने दो गोल और ललिता, नैना, क्रांति, पूजा संगीता, पुनिता और उर्वशी ने एक एक गोल किया। 63वीं राष्ट्रीय सुब्रतो कप अंडर 17 बालिका वर्ग फुटबॉल प्रतियोगिता में झारखंड की टीम की यह लगातार तीसरी जीत है। इससे पहले अपने शुरुआती मुक़ाबले में झारखंड की बेटियों ने मेजबान नयी दिल्ली को 7-0 से पराजित किया था।

अपने दूसरे मुक़ाबले में टीम ने

गुजरात को 3-0 से शिकस्त दी थी। टीम की कप्तानी प्रियतम तिर्की कर रही है। टीम में अनीशा उरांव, प्रतिभा भोक्ता, क्रांति उरांव, नैना कुमारी, चांदनी कुमारी, उर्वशी कुमारी, संगीता कुमारी, बबिता कुमारी, संजना उरांव, पुनिता कुमारी, पूजा कुमारी, सोनामती होरो, एब्लिन कुजूर, पूनम कुमारी और ललिता बोयपाई शामिल है। टूर्नामेंट से पहले अंडर 17 बालिका टीम को अंतराष्ट्रीय फुटबॉल कोच सह भारतीय खेल प्राधिकरण के पूर्व निदेशक सुशील कुमार वर्मा ने 21 दिनों का विशेष प्रशिक्षण भी दिया था। एक के बाद एक मुक़ाबले में झारखंड के दमदार प्रदर्शन पर राज्य सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के मंत्री बैद्यनाथ राम, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह, राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक आदित्य रंजन, राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग और टीम मैनेजर बिंदु कुजूर समेत खेल कोषांग के सभी पदाधिकारियों ने टीम को बधाई दी है।

भारत के ऐतिहासिक कांस्य के बाद अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने लिया संन्यास

पेरिस। पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में भारत के कांस्य पदक जीतने के बाद भारतीय फील्ड हॉकी टीम के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने संन्यास ले लिया है। 36 वर्षीय खिलाड़ी ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि यह मैच उनका आखिरी खेल होगा लेकिन उनके और भारत के लिए लगातार दो कांस्य पदक ने उनके कार्यकाल को और उल्लेखनीय बना दिया है।

श्रीजेश ने सोशल नेटवर्किंग साइट 'एक्स' पर लिखा, 'जैसे ही मैं अंतिम बार पोस्टों के बीच खड़ा हुआ, मेरा दिल कृतज्ञता और गर्व से भर गया। एक सपने देखने वाले युवा लड़के से भारत के सम्मान की रक्षा करने वाले व्यक्ति तक की यह यात्रा असाधारण से कम नहीं है। आज, मैं भारत के लिए अपना आखिरी मैच

खेल रहा हूँ। हर बचाव, हर गोता, भीड़ की हर दहाड़ हमेशा मेरी आत्मा में गूंजती रहेगी। भारत, मुझ पर विश्वास करने के लिए, मेरे साथ खड़े रहने के लिए धन्यवाद। यह अंत नहीं है, बल्कि यादगार यादों की शुरुआत है। सदैव सपनों का संरक्षक। जय हिंद।'

श्रीजेश ने 2006 में दक्षिण एशियाई खेलों में सीनियर टीम के लिए पदार्पण किया और 2011 से टीम में नियमित हैं। वह 2014 एशियाई खेलों में भारत की स्वर्ण पदक जीत और भारत के ऐतिहासिक टोक्यो ओलंपिक अभियान में भी महत्वपूर्ण थे, जहां भारत ने 50 साल बाद ओलंपिक में अपना पहला हॉकी पदक जीता।

पेरिस ओलंपिक कुश्ती : अमन सहरावत ने सेमीफाइनल में बनाई जगह, पदक से बस एक कदम दूर

एजेंसी

पेरिस। युवा भारतीय पहलवान अमन सहरावत ने पेरिस ओलंपिक 2024 में दमदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों के फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग कुश्ती के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में अल्बानिया के जेलिमखान अबकारोव को 12-0 से धूल चटा दी। इससे भारत को कुश्ती में पदक आने की एक आशा की किरण दिखाई दी है। अगर अमन सेमीफाइनल में जीत दर्ज कर फाइनल में पहुंचते हैं तो पदक पक्का हो जाएगा। अमन ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जेलिमखान अबाकारोव के खिलाफ पहले राउंड में एक और फिर दो पॉइंट लेकर 3-

0 की बढ़त बनाई। इसके बाद दूसरे राउंड में विपक्षी पहलवान को धूल चटाते हुए कुल 9 पॉइंट हासिल किए। उन्होंने टेक्निकल सुपीरियरिटी के आधार पर 12-0 से एकतरफा मुकाबला जीत लिया। अब भारतीय पहलवान का सेमीफाइनल मुकाबला रात में 9 बजकर 45 मिनट पर होगा। सेमीफाइनल में उनका सामना जापान के री हिगुची से होगा। इससे पहले अमन ने मैसेडोनिया के व्लादिमीर इगोरोव के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की थी। अमन ने व्लादिमीर इगोरोव को राउंड ऑफ 16 मुकाबले में टेक्निकल सुपीरियॉरिटी के आधार पर 10-0 से हराया था।

इंग्लैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप श्रृंखला के लिए श्रीलंकाई टीम घोषित,रथनायके, थरका नए चेहरे

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ 21 अगस्त से मैनचेस्टर में शुरू होने वाली तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए 18 खिलाड़ियों की टीम घोषित कर दी है। यह श्रृंखला आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा है। टीम में मिलन रथनायके और निसाला थरका नए चेहरे हैं।

33 वर्षीय निसाला थरका ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है, उन्होंने 107 मैचों में 257 विकेट और 2358 रन बनाए हैं। यह श्रृंखला राष्ट्रीय टीम की जर्सी पहनने का उनका पहला अवसर है। दूसरी ओर, रथनायके अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछली श्रृंखला के लिए टेस्ट टीम का हिस्सा थे, लेकिन अभी तक उन्होंने पदार्पण नहीं किया है।

तेज गेंदबाजी लाइन-अप में असिथा फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो, कसुन राजिथा और लाहिरू कुमारा शामिल हैं। धनंजय डी सिल्वा की अगुवाई वाली टीम में बल्लेबाज पथुम निसांका और स्पिनर जेफरी वांडरसे की भी वापसी हुई है। निसांका और वांडरसे ने आखिरी बार सबसे लंबे प्रारूप में 2022 में खेला था, वांडरसे का चयन एकदिवसीय मैच में भारत के खिलाफ 6/33 के अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के बाद हुआ। श्रीलंका के स्पिन आक्रमण का नेतृत्व प्रभात जयसूर्या और रमेश मेंडिस करेंगे जो टीम में गहराई और विविधता प्रदान करेंगे।

कुसल मेंडिस को हाल ही में एकदिवसीय कप्तान के रूप में चरिथ असलांका द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है, जो टेस्ट श्रृंखला के लिए टीम के उप कप्तान होंगे। श्रीलंका 50त्न अंक प्रतिशत के साथ वर्तमान में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर है, जबकि इंग्लैंड 36.54त्न के साथ छठे स्थान पर है। यह श्रृंखला दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उनका लक्ष्य स्टैंडिंग में ऊपर चढ़ना और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में जगह सुरक्षित करना है। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए श्रीलंकाई टीम इस प्रकार है- धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), दिमुथ करुणारत्ने, निशान मदुश्का, पथुम निसांका, कुसल मेंडिस (उपकप्तान), एंजेलो मैथ्यूज, दिनेश चंडीमल, कामिंडु मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, असिथा फर्नांडो, विश्वा फर्नांडो, कासुन राजिथा, लाहिरू कुमारा, निसाला थरका, प्रभात जयसूर्या, रमेश मेंडिस, जेफरी वां डरसे, मिलन रथनायके।

दीपिका कक्कड़

ने खोली पति की पोल, गलती से शोएब के नाम पर लगा दिया कंफर्म का ठप्पा!

बिग बॉस ओटीटी 3 को खत्म हुए लगभग एक हफ्ते का वक्त गुजर चुका है, लेकिन ये शो और इसके कंटेस्टेंट्स लगातार चर्चा में बने हुए हैं. बिग बॉस ओटीटी 3 के मिड में ही 18 की बातें होने लगी थीं. कुछ कंटेस्टेंट्स के बिग बॉस 18 में जाने के सपने भी देखने लगे थे. वहीं हर कोई ये बात जानता है कि जब सलमान बिग बॉस होस्ट करते हैं, तो शो की बात ही अलग होती है. बिग बॉस 18 में शामिल होने के लिए रोजाना नए-नए नाम सामने आ रहे हैं.

जाने-माने टीवी इंडस्ट्री के स्टार्स से लेकर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर तक के नाम बिग बॉस 18 में शामिल होने के लिए सामने आ रहे हैं. कंटेस्टेंट्स के नामों को लेकर तरह-तरह के दावें भी हो रहे हैं. लेकिन इसी बीच एक नाम पर तो पक्की मुहर लगती हुई नजर आ रही है. एक तरफ खबरें थीं कि टीवी एक्टर शोएब इब्राहिम बिग बॉस 18 के कंफर्म कंटेस्टेंट होने वाले हैं. हालांकि मेकर्स की तरफ से इस खबर पर किसी भी तरह की कंफर्मेशन नहीं दी गई थी.

दीपिका ने खोल दी पति शोएब की पोल

लेकिन अब लगता है कि इस बात में कुछ तो सच्चाई है. दरअसल टीवी एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ ने पति शोएब की पोल खोल दी है. इस वक्त सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जो दीपिका के व्लॉग से लिया गया है. हमेशा की तरह एक्ट्रेस अपने परिवार और निजी लाइफ को लेकर बात कर रही होती हैं. वहीं शोएब रसोई में आटा लगा रहे होते हैं. दीपिका उन्हें काम करता हुआ देख पहले तो काफी खुश होती हैं, फिर अचानक से कहती हैं कि, 'ये बिग बॉस के लिए तैयार हैं'.

इतना कहते ही दीपिका को भी अंदाजा हो जाता है कि उन्हें ये नहीं बोलना चाहिए था. जिसके बाद वो जीभ निकालकर वहां से चुपचाप चली जाती हैं. इतना ही नहीं दीपिका की इस बात पर शोएब के रिएक्शन भी देखने लायक होते हैं. उन्हें देखकर लगता है कि जैसे उनका सीक्रेट सभी के सामने आ गया. वहीं अपनी व्लॉगिंग में बीते दिनों शोएब ने बिग बॉस 18 का हिस्सा बनने पर बात की थी.

बिग बॉस 18 में शामिल होने पर शोएब का रिएक्शन

शोएब ने शो में शामिल होने की बात पर कहा था कि, 'ये हर सीजन में होता है कि एक न एक बार तो मेरा नाम आ ही जाता है कि मैं आ रहा हूं और सबके मैसेज आते हैं.

लेकिन इस बार तो पता नहीं जिसने भी ये शुरुआत की है या हुआ है, मुझे नहीं पता.' शोएब शो में शामिल होने की खबरों को महज अफवाह बताते हुए नजर आए. लेकिन अब उनकी बातें गलत साबित होती हुई नजर आ रही हैं.

मां ने दी थी सलाह...शादी से पहले 2 साल तक लिव इन में रहने पर बोले विक्रांत मैसी

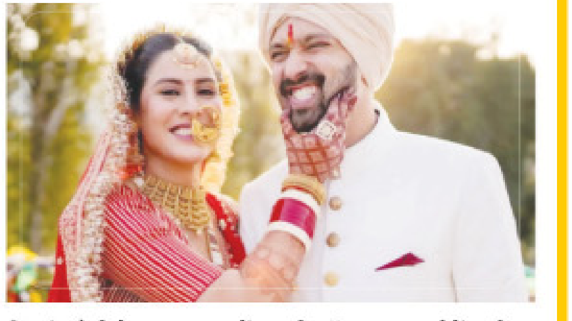

विक्रांत मैसी ने साल 2022 में अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड शीतल ठाकुर के साथ शादी रचाई. दोनों ने परिवार की मौजूदगी में हिमाचल-प्रदेश में सात फेरे लिए थे. हाल ही में उन्होंने शीतल ठाकुर और अपने रिश्ते पर खुलकर बात की और बताया कि उन्हें अब साथ में 10 साल हो गए हैं. शादी से पहले 8 सालों तक दोनों ने एक-दूसरे को डेट किया. यहां तक कि दोनों लिव इन में भी रहे. विक्रांत ने खुलासा किया कि उन्हें उनकी मां ने ये सलाह दी थी कि वो लिव इन में रहकर देखें.

विक्रांत मैसी से सवाल किया गया कि एक-दूसरे को जानने और घर बसाने से पहले डेट करना सही है? जिसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा, मैं और शीतल अब लगभग 10 साल से साथ हैं. हमने शादी के बंधन में बंधने से पहले लगभग आठ साल तक एक-दूसरे को डेट किया. ये मेरे लिए बहुत काम आया और मुझे सूट भी किया. हमारे बिहेवियर एक-दूसरे से अलग थे. लेकिन हमारी इच्छाएं एक जैसी थीं. हम अपने रिलेशनशिप के दौरान पूरे समय साथ रहे. लगभग सात साल तक.

मां की सलाह थी

इसके साथ ही उन्होंने आगे बताया कि लिव इन में रहने का आइडिया उन्हें उनकी मां ने दिया था. उन्होंने कहा कि उनके मां-पिता अच्छी सोच रखते हैं और आगे की सोचते हैं. उनकी मां ने उनसे कहा कि अपने रिश्ते को ऑफिशियल करने से पहले साथ रहकर देखो कि क्या तुम दोनों एक-दूसरे के लिए सही हो, क्या तुम्हारे लिए आगे चीजें सही रहेंगी. विक्रांत ने कहा, मेरी मां ही थी, जिन्होंने सलाह दी थी कि हम साथ रहें. शुक्र है कि मेरे मां-पिता प्रोग्रेसिव सोच रखते हैं.

साथ ही विक्रांत ने आगे कहा, मेरी मां का जन्म 1962 में बॉम्बे में हुआ था. उन्होंने हाई स्कूल तक पढ़ाई की और वो ABBA और बोनी जैसे बैंड्स को सुनती थीं. सिडनी शेल्डन और जवाहरलाल नेहरू की किताबे पढ़ती थीं. उन्होंने हमें साथ रहने की सलाह दी और हमें इसका फायदा भी हुआ. साथ रहने से एक-दूसरे के अलग-अलग शेड्स का पता चलता है. ये मेरे काफी काम आया.

विक्रांत मैसी की फिल्में

शीतल और विक्रांत की शादी को दो साल हो गए हैं. कपल एक अच्छी लाइफ बिता रहा है. इस साल की शुरुआत में उन्होंने अपने पहले बच्चे का वेलकम किया. विक्रांत ने इंस्टाग्राम पर अपने बेटे के साथ तस्वीर शेयर की थी. विक्रांत के काम की बात करें तो पिछले साल वो '12th फेल' में दिखाई दिए थे. उनकी फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला. पहले सिनेमाघरों और फिर ओटीटी पर फिल्म ने खूब धमाल मचाया. उनकी फिल्म ने अपने बजट से कई गुना ज्यादा कमाई की. अब वो तापसी पन्नू के साथ 'फिर आई हसीन दिलरुबा' में दिखाई देंगे.

मनोज बाजपेयी की जिस पिक्चर ने दुनियाभर में कमाया नाम, उसके डायरेक्टर बोले: नहीं पता अगले महीने कुक को कहां से पैसे दूंगा?

फिल्ममेकर देवाशीष मखीजा ने अपने करियर में कई बेहतरीन फिल्में बनाई हैं. इनमें 'अज्जी', 'भोंसले' और मनोज बाजपेयी स्टारर 'जोरम' शामिल हैं. हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें उन्होंने इस इंडस्ट्री में बने रहने की मुश्किलों के बारे में बात की. इस बातचीत में उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें अपनी पहली फीचर फिल्म रिलीज करने में करीब 14 साल लग गए थे. देवाशीष के मुताबिक, अगर उस समय किसी ने उनसे कहा होता कि करियर शुरू करने में इतना समय लगेगा, तो वो बैग पैक करके अपने शहर कोलकाता वापस लौट जाते.देवाशीष ने कहा कि वो पिछले दो दशकों से मुंबई में काम कर रहे हैं, लेकिन वो अभी तक खुद को आर्थिक रूप से स्टेबल नहीं कर पाए हैं. देवाशीष के मुताबिक, उन्हें अभी भी इस बात की चिंता है कि उनका अगला चेक कहां से आएगा.

देवाशीष मखीजा ने क्या कहा ?

लॉन्ग लाइव सिनेमा यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि वो आज भी अपने स्ट्रगल के बारे में बात करने से हिचकिचाते हैं. उन्होंने कहा, आज भी जब मैं किसी एक्टर या किसी और को मीटिंग के लिए बुलाता हूं, तो वो पूछते हैं कि आपका ऑफिस कहां है. मैं कहता हूं, मेरा ऑफिस नहीं है, इसलिए आप मुझे बताएं कि आप कहां हैं, या फिर हम किसी कॉफी शॉप में मिलेंगे. फिर मैं आपको बताऊंगा कि वो कौन सी कॉफी शॉप है, क्योंकि मैं वर्सोवा की ज्यादातर कॉफी शॉप का खर्च नहीं उठा सकता. मैं अभी भी उसी जगह पर हूं.

एक बातचीत में देवाशीष ने कहा, मुझे स्टूडियो में मीटिंग के लिए बुलाया जाता है और जो एग्जीक्यूटिव मुझे बुलाता है, वो मुझे बताता है कि मुझे अपनी कार कहां पार्क करनी है. मैं कहता हूं, 'मेरे पास कार नहीं है.' मेरे पास टू व्हीलर भी नहीं है. फिर वो मुझसे पूछते हैं कि मैं कैसे आ रहा हूं और मैं उन्हें बताता हूं कि मैं ऑटो से आ रहा हूं या अगर जगह दूर है, तो बस से. जैसे ही मैं उन मीटिंग में जाता हूं, वो मुझे ऑटो या बस से यात्रा करने वाले शख्स के तौर पर देखते हैं. फिर वो मुझसे उसी तरह बात करते हैं. उन्हें लगता है कि मैं कुछ पैसों के लिए काम करता हूं.

शाहरुख खान

का वो गाना, जिसे 27 साल बाद भी लोग भुला नहीं पाए, उसमें फैन्स के साथ धोखा हुआ था

सुभाष घई के डायरेक्शन में बनी 'परदेस' हिन्दी सिनेमा की कल्ट क्लासिक फिल्मों में से एक है. साल 1997 में रिलीज हुई इस फिल्म में शाहरुख खान और महिमा चौधरी लीड रोल में थे. ये इकलौती फिल्म है, जिसमें दोनों साथ दिखे हैं. दोनों की जोड़ी लोगों को काफी पसंद आई थी. फिल्म को लोगों का खूब प्यार मिला था. जितना ये फिल्म पॉपुलर हुई थी उससे कहीं ज्यादा इस पिक्चर के गाने छाए थे.'दो दिल मिल रहे हैं', 'आई लव माई इंडिया', 'मेरी महबूबा' ये तमाम गाने काफी लोकप्रिय हुए थे. इस पिक्चर में एक और गाना था, जो इस कदर हिट हुआ था कि वो अब भी लोगों की जुबां पर है. वो गाना है- 'ये दिल दीवाना', जिसे सोनू निगम ने गाया था. 'परदेस' को रिलीज हुए 27 साल हो चुके हैं, लेकिन इस गाने का खुमार लोगों के ऊपर अब भी बरकरार है. चलिए इस बीच हम आपको इस गाने से जुड़ी एक ऐसी कहानी बताते हैं, जिससे शायद आप अनजान हों.

शाहरुख खान ने शूट नहीं किया था गाना

इस गाने की पूरी शूटिंग शाहरुख खान ने नहीं की थी, बल्कि उनके डुप्लीकेट के साथ इस गाने का सीक्वेंस फिल्माया गया था. शाहरुख ने सिर्फ क्लोजअप शॉट दिए थे. इस बारे में सुभाष घई ने साल 2020 में बॉलीवुड हंगामा को दिए एक इंटरव्यू में बात की थी. उन्होंने कहा था, हमने दो दिन में म्यूजिक तैयार कर लिया था. मैंने अंधेरी में एक छोटा सा स्टूडियो लिया था और वहीं सोनू निगम को बुलाया था. मैंने सोनू से कहा था कि उन्हें ये गाना काफी तेज आवाज में गाना है.सुभाष ने आगे कहा था, हमारे पास दो दिन बचे थे.

शाहरुख पूरी फिल्म के दौरान काफी सपोर्टिव थे, लेकिन आखिर में उन्हें दो दिन पहले छोड़ना पड़ा था. शायद गौरी प्रेग्नेंट थीं. उन्होंने (शाहरुख) कहा था कि उन्हें दिल्ली जाना पड़ेगा और शूटिंग को और 2-3 दिन के लिए आगे नहीं बढ़ा सकते.

सुभाष घई ने इंटरव्यू मे ये भी कहा था, मैंने उनसे सुबह 7 बजे आने को कहा था और हमने पहले से कार तैयार रखी थी. मैंने उनसे सिर्फ 3 क्लोजअप शॉट देने को कहा था. मैंने 2 घंटे में ही उस दिन उस गाने को फिल्माया था. अगर आप उस गाने को देखते हैं तो उसमें ढेरों लोकेशंस हैं.